हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 18 अक्टूबर 2026

Shri Ganesha® SINCE 1974

WE MAKE YOUR LIFE COLOURFUL

CERTIFIED COMPANY MSME Zed GOLD ZERO DEFECT ZERO EFFECT

AMORA

Personal & Corporate Orders

SCAN HERE

इस दीपावली को बनाएं और भी ख़ास

भावनाओं से सजे उपहार, जो भारतीय परंपरा
कला और आधुनिक सौंदर्य का संगम हैं।


DRY FRUIT HAMPERS


PUJA ESSENTIAL BOXES


CHOCOLATES & TREATS


FESTIVE DECOR GIFTS


CORPORATE GIFTING


DIWALI GIFTING


GERMAN - SILVER RANGE

आपकी आवश्यकतानुसार कस्टम विकल्प

(Branding, Message Cards, Product Curation)

AMORA GIFTING SOLUTION FROM THE HOUSE OF SHRI GANESHA

CURATED BY RUCHIKA GOYAL | +91 99269 88888 | www.shriganeshagifts.com

fssai Lic No. 20526079002922

GMP CERTIFIED GOOD MANUFACTURING PRACTICE

amora.Gifting
amora.gifting
support@shriganeshagifts.com

Shri Ganesha Gifts

Raipur | Delhi | kolkata | Mumbai | Pune | Bengaluru

To Access
Diwali 2026 Cataloque
SCAN HERE

संजय के दीक्षित

तरकश

डेटा का खेल, सीएम की खरी-खरी

सीएम विष्णुदेव साय ने शुक्रवार को सीएम हेल्पलाईन का रिव्यू किया। इसमें सभी जिलों के कलेक्टर भी वर्चुअली कनेक्ट थे। कुछ जिलों में काफी अच्छे काम हुए हैं मगर कई जिलों में शिकायतों की पेंडेंसी देख सीएम तल्ख हो गए। खासकर, राजस्व मामलों को लेकर...सीमांकन, बटांकन के मामले कई जिलों में बरसों से लंबित पड़े हैं। लोगों ने सीएम हेल्पलाइन में कांप्लेन दर्ज कराया, इसके बाद भी कलेक्टरों ने सुध नहीं ली। उल्टे, रिव्यू के दौरान कुछ कलेक्टरों ने आंकड़ों के जरिये भरमाने का प्रयास किया। इस पर सीएम बोले...डेटा का खेल मत कीजिए...सीएम हेल्पलाईन का निबटारा टाईम लिमिट में होना चाहिए। उन्होंने कवर्धा जिले के एक तहसीलदार को मीटिंग में ही सस्पेंड कर दिया तो एक जिले के तहसीलदार को शोकाज नोटिस जारी किया गया। बताते हैं, कलेक्टरों को यह अनुमान नहीं था कि सीएम सीधे हेल्पलाइन का रिव्यू करेंगे और वो भी कलेक्टरों को कनेक्ट करके। कलेक्टरों को जैसे ही खबर मिली दिन-रात एक कर डेटा का खेल करने का प्रयास किया मगर फिर भी कई पकड़े गए। इसमें सबसे अहम बात यह है कि सीएम ने कहा कि वे अब हर महीने हेल्पलाईन का रिव्यू करेंगे। उधर, रिव्यू के अगले दिन अवकाश होने के बाद भी सीएम सचिवालय हरकत में आया और 13 अफसरों को इसी मामले में नोटिस जारी करवा दिया। खैर, इस स्तंभ में हमने कई बार लिखा है कि कलेक्टर राजस्व मामलों में बिल्कुल दिलचस्पी नहीं लेते। न वे कोर्ट में बैठते और न कभी तहसील की तरफ झांकने का कष्ट करते। कलेक्टर अगर चाह लें तो महीने भर के भीतर सारे मामले खतम हो जाएंगे, जिसको लेकर लोग सालों से भटक रहे, या फिर लड़ाई-झगड़ा, फसाद, कोर्ट-कचहरी करना पड़ता है। चलिये, अब हर महीने रिव्यू के बाद राजस्व अमले की मनमानी पर कुछ तो अंकुश लगेगा।

सरकारी अस्पताल में कलेक्टर

रायपुर से जस्ट लगे एक बड़े जिले के कलेक्टर की दो दिन पहले तबियत बिगड़ गई थी। उनके पेट में इंफेक्शन था। उन्होंने बड़े प्रायवेट अस्पताल में जाने की बजाए सरकारी हॉस्पिटल में जाना बेहतर समझा। उपचार के बाद अगले दिन वे डिस्चार्ज हो गए। हालांकि, किसी भी चीज के दो पहलू होते हैं। पहला, कलेक्टर को भला क्या दिक्कत हुई होगी...उनके लिए पूरा सिस्टम बिछ गया होगा। या फिर यह...उन्होंने दिखावे के लिए सरकारी अस्पताल को चुना। मगर दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि कलेक्टर के अस्पताल में रहने से कम-से-कम दो दिन वहां की व्यवस्था दुरूस्त हो गई होगी। इसी तरह वीआईपी, वीवीआईपी अगर सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए पहुंचने लगे तो निश्चित तौर पर सरकारी अस्पतालों के सिस्टम में सुधार आएगा। डॉक्टर टाईम पर ओपीडी में बैठने लगेंगे, दवाइयां उपलब्ध हो जाएंगी...इसका लाभ कमजोर वर्ग के लोगों को मिलेगा। सो, कलेक्टर ने जो किया, अच्छा किया। बहुत गंभीर बीमारी न हो तो सक्षम और प्रभावशाली लोगों को सरकारी अस्पतालों का रुख करना चाहिए। उससे सरकारी सिस्टम पर आम आदमी का विश्वास बढ़ेगा।

फॉरेस्ट में पोस्टिंग

फॉरेस्ट में सीतानदी टाईगर रिजव से वरुण जैन को बदले जाने की खबर आ रही है। हालांकि, उन्हें डेपुटेशन पर एनआईए में दिल्ली जाना था। मगर अभी तक वहां से कुछ क्लियरेंस मिला नहीं। सो, अब उन्हें बदले जाने की कवायद प्रारंभ हो गई है। वे वहां करीब चार साल से पोस्टेड थे। वरुण को वन भूमि से अतिक्रमण हटाना महंगा पड़ गया। वरुण हटेंगे तो आईएफएस अधिकारियों का एक छोटा चेन बन ही जाएगा। उधर, रेंजर और रेंजर से प्रमोट हुए एसीएफ की पोस्टिंग भी अगले हफ्ते होने के संकेत मिल रहे हैं।

पीएससी चेयरमैन की नियुक्ति

जेन जी के आंदोलन के दौर में छत्तीसगढ़ में पीएससी चेयरमैन और मेंबर के पद पिछले दो महीने से खाली पड़े हुए हैं, यह सरकार के लिए चिंता का सबब बन गया है। दरअसल, भर्तियों को लेकर दागदार हो चुका पीएससी में सरकार किसी ठीकठाक व्यक्ति को बिठाना चाहती है मगर वो तलाश पूरी नहीं हो पा रही। अपुष्ट खबर है, अगले साल रिटायर होने वाली प्रदेश की सबसे सीनियर आईएएस रेणु पिल्ले से इसके लिए पूछा गया, मगर शायद वह तैयार नहीं हुईं। दूसरा कोई डायरेक्ट आईएएस इस समय रिटायर नहीं होने वाला। वैसे, 62 वर्ष वाले इस पोस्ट पर रिटायरमेंट के बाद कोई ब्यूराक्रेट्स आना नहीं चाहता क्योंकि 60 में रिटायर होने के बाद उसे दो साल ही मिलता है। डीजीपी मोहन शुक्ला, अशोक दरबारी, और आईएएस केएम पिस्दा नौकरी से वीआरएस लेकर चेयरमैन बने थे, इसलिए उन्हें पीएससी में ठीकठाक टाईम मिल गया था। मगर पोस्ट रिटायरमेंट के लिए बाकी अफसर पांच साल वाली पोस्टिंग को प्राथमिकता देते हैं। कुल मिलाकर ताजा अपडेट यह है कि अगले हफ्ते किसी भी दिन नए चेयरमैन और सदस्यों की नियुक्ति हो जाएगी। चेयरमैन की तलाश सरकार ने पूरी कर ली है। खबर है, कोई बढ़ियां पोस्टिंग होने वाली है।

ट्रांसफर में अब मनीराम नहीं?

छत्तीसगढ़ के कई मंत्रियों ने ट्रांसफर का शो-रुम खोल लिया था, उस पर अब ब्रेक लग सकता है। दरअसल, नव नियुक्त प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी से सूबे के एक बीजेपी लीडर सौजन्य भेंट करने गए थे। वहां जाने से पता चला कि प्रदेश प्रभारी को छत्तीसगढ़ आए बिना ही सब कुछ पता चल चुका है...कौन मंत्री क्या कर रहा है। जाहिर है, पिछली सरकार में ये खेल शुरू हुआ था, मगर इस समय एक कदम आगे वाली स्थिति है। पोस्टिंग के बाद अब हर साल रिचार्ज सिस्टम लागू हो गया है। स्थिति इतनी बदतर हो गई है कि पोस्टिंग से पहले बोली लग रही। अच्छे अफसर लूप लाईन में और खटराल अधिकारी मौज काट रहे। इससे सिस्टम की साख पर असर पड़ रहा...सरकार द्वारा किए जा रहे ऐतिहासिक सुधार के कार्य भी दब जा रहे। बहरहाल, ऐसे मंत्रियों की अब शामत आ सकती है...स्मृति किस अंदाज में बात करती है, बताने की जरूरत नहीं।

तीन नए डीजी और रोड़ा

छत्तीसगढ़ में तीन आईपीएस अफसरों को डीजी बनाए जाने की अटकलें बड़ी तेज हैं। यह जरूरत इसलिए पड़ रही कि डीजी बनने की 30 साल की एजिबिलिटी तीन आईपीएस अधिकारियों ने क्रॉस कर लिया हैं। एक तरह से कहा जाए, तो यह उनके साथ अन्याय है। खासतौर से एसआरपी कल्लूरी के

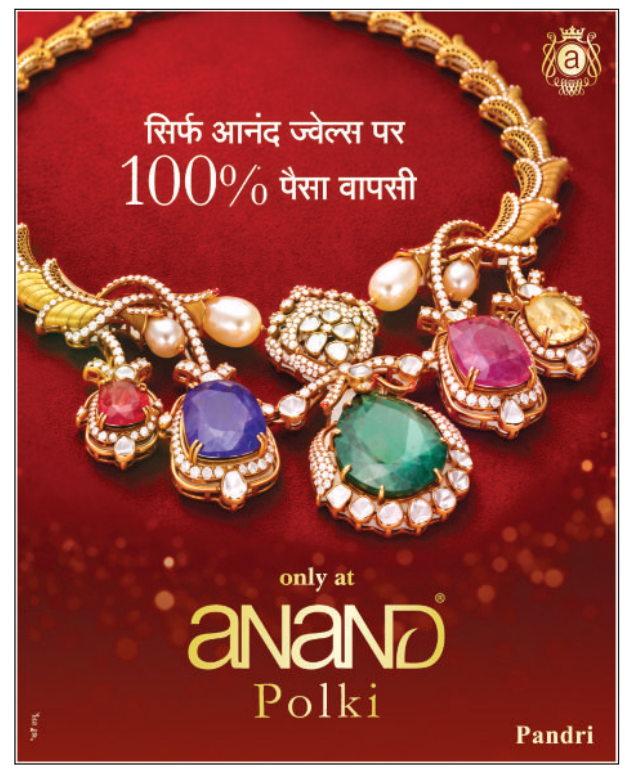

साथ। सरगुजा से नक्सलियों का पैर उखाड़ने वाले 94 बैच के आईपीएस कल्लूरी को 2024 में ही डीजी बन जाना चाहिए था। उनके दोनों बैचमेट डीजी बन चुके हैं। मगर वे बेचारे अभी भी मुंह ताक रहे। उनके अलावे 95 बैच के प्रदीप गुप्ता और 96 बैच के विवेकानंद का भी प्रमोशन ड्यू है। असल में दिक्कत यह है कि छत्तीसगढ़ में डीजी के पद चार ही हैं। दो कैडर और दो एक्स कैडर। इस पर अरुणदेव गौतम, पवनदेव, जीपी सिंह और हिमांशु गुप्ता पोस्टेड हैं। इनमें से गौतम के अगले साल जुलाई में रिटायर होने पर एक पद खाली होगा और दूसरा जुलाई 2028 में पवनदेव के जाने के बाद। बाकी जीपी और हिमांशु का रिटायरमेंट में काफी टाईम है। इसको देखते सरकार ने तय किया कि कल्लूरी, प्रदीप और विवेकानंद को स्पेशल डीजी बना दिया जाए। इसके लिए फाइल भी चली है मगर उसमें लिंगारान करने की कोशिशें शुरू हो गई हैं।

पुलिस का दुर्भाग्य या...?

पद खाली नहीं रहने पर राज्य सरकार को डीजी बनाने का अधिकार है। पंजाब में इस समय ऐसे 12 डीजी हैं। छत्तीसगढ़ में भी रमन सरकार ने 2029 में विधानसभा चुनाव के आचार संहिता के आधा घंटा पूर्व कैबिनेट के जरिये संजय पिल्ले, आरके विज और मुकेश गुप्ता को डीजी बनाया था। उस समय पिल्ले के लिए एक पद वैकेंट था मगर विज और गुप्ता के लिए पद नहीं था। अब सुनने में आ रहा कि नए डीजी के लिए ब्रेकर लगाए जा रहे हैं...भारत सरकार से अनुमति मांगने की बातें हो रही। उसके लिए पिछली सरकार का हवाला दिया जा रहा कि सरकार ने संजय पिल्ले, आरके विज और मुकेश गुप्ता को डिमोट कर दिया था। मुकेश गुप्ता जब कोर्ट गए तो सरकार ने तर्क दिया कि बिना केंद्र की अनुमति के डीजी बना दिए गए थे। मगर सवाल यह भी उठता है कि मुकेश गुप्ता का नाम उसमें अगर शामिल नहीं होता तो पिछली सरकार ऐसा करती क्या। कुल मिलाकर राज्य कैबिनेट चाहे तो दो साल के लिए डीजी बना सकता है। आखिर, इसी सरकार ने पद ना होने के बाद भी आईएफएस एसएस बजाज को पीसीसीएफ बनाया ही था। फिर अभी पिछले साल भी पीसीसीएफ के मामले में राज्य सरकार ने जब केंद्र से पूछा तो वहां से यही लिखकर आया, राज्य सरकार सक्षम है। कुल मिलाकर पुलिस महकमे का ये दुर्भाग्य कहें या नाकारापन कि केंद्र सरकार नक्सलियों के खात्मा करने को लेकर वाहवाही लूट रही, उस राज्य की पुलिस अपने अफसरों के लिए डीजी का पोस्ट क्रियेट नहीं करवा पा रही।

नाइंसाफी की पराकाष्ठा!

जब पुलिस मुख्यालय अपने सीनियर अफसरों के सम्मान का ध्यान नहीं रख रहा तो राज्य पुलिस सेवा और उसके नीचे वालों के बारे में भला कौन सोचने वाला है। राज्य पुलिस सेवा का हाल ये है कि 2005 बैच के सभी अफसर अभी आईपीएस नहीं बने हैं। जबकि, राज्य प्रशासनिक सेवा में 2013 बैच का आईएएस बनना प्रारंभ हो गया है। याने रापुसे अधिकारी राप्रसे से आठ साल पीछे चल रहे हैं। बाकी नीचे वाले बेचारे टीआई, एसआई और सिपाही-हवलदार को कौन पूछता है। विडंबना तो ये है...ये तब हो रहा, जब छत्तीसगढ़ में अब तक के सबसे काबिल गृह मंत्री हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय में उनका सीधा कनेक्शन है। ऐसा लगता है, पुलिस वाले खुद भी इतनी गुटबाजी में व्यस्त हैं कि गृह मंत्री से समक्ष अपना पक्ष रख भी नहीं पाते होंगे। बहरहाल, पुलिस अफसरों को एक बार चीफ सिकेट्री को भी प्रेजेंटेशन देना चाहिए। सीएस आखिर पूरे राज्य के प्रशासनिक प्रमुख होते हैं। किसी भी विभाग का डीपीसी आरगेनाइज करने से लेकर कैबिनेट के पदेन सिकेट्री भी होते हैं।

पर्यटन और विप्र

पर्यटन विभाग को स्थापित करने का दायित्व सरकार ने ब्राम्हण अफसरों को सौंप दिया है। इस समय बोर्ड के चेयरमैन हैं नीलू शर्मा। एमडी बनाया गया है आईएएस सौमिल रंजन चौबे को। राज्य प्रशासनिक सेवा की अधिकारी पूनम शर्मा और पुष्पेंद्र शर्मा डीजीएम हैं। इनके नीचे भी कई ब्राम्हण अधिकारी अनुराधा दुबे, राकेश मिश्रा...पर्यटन बोर्ड में अहम दायित्व संभाल रहे हैं। पर्यटन बोर्ड में इस पर खूब चुटकी ली जा रही...पर्यटन को उबारने के लिए सरकार ने विप्र जनों को ही क्यों चुना?

ट्रांफसर पर यू टर्न

राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के ट्रांसफर में भले ही लेट हुआ मगर सिस्टम ने अच्छा काम किया। वरना, पहले तो 10 से 25 पेटी की बोली लग रही थी। सीएम सचिवालय ने लिस्ट पर पहले ब्रेक लगाया और फिर 150 अफसरों की लिस्ट जारी की तो उसे काफी एप्रिसियेट किया गया। उतनी बड़ी लिस्ट में आठ-दस ही एप्रोच, सिफारिश वाले होंगे। मगर कल शुक्रवार को जीएडी ने 18 अफसरों का संशोधित लिस्ट जारी किया, उसका मैसेज अच्छा नहीं गया। आखिर, रायपुर में चार साल से जमे कोई राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी को हटाया क्यों नहीं जाना चाहिए? ऐसे कई लोग सिफारिश की बदौलत अपना ट्रांसफर चेंज कराने में सफल हो गए। हो सकता है, इसके पीछे राजनीतिक मजबूरियां हों मगर उसके लिए भी कई तरीके हैं। चार-छह महीने बाद भी उन्हें चेंज किया जा सकता था।

मंत्रिमंडल में असंतुलन

25 अक्टूबर को नई प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी आ रही हैं। उनके दौरे का शेड्यूल आने के साथ ही मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें शुरू हो गई है। मंत्रिमंडल की सर्जरी में सबसे बड़ा इश्यू होगा रिजल्ट देने वाले चेहरों के साथ क्षेत्रीय असंतुलन को ठीक करना। अभी स्थिति यह है कि सरगुजा से चार मंत्री हैं, और बस्तर से सिर्फ एक। अगल-बगल की सीट से पार्टी ने दो-दो डिप्टी सीएम बना दिया। जाहिर है, लोरमी और कवर्धा लगभग लगा हुआ ही है। फिर उसी लोरमी से केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू भी। यही नहीं, विभागों के बंटवारे में भी यही स्थिति है। अब सर्जरी में बस्तर का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाएगा। हो सकता है, बस्तर से अब तीन मंत्री हो जाएं। सरगुजा में खतरा लक्ष्मी राजवाड़े और राजेश अग्रवाल को ज्यादा दिख रहा। अब स्मृति ईरानी की नजर तिरछी हो जाए तो बात अलग है वरना सरगुजा से श्याम बिहारी खुद को काफी मजबूत पोजिशन में कर लिए हैं। टंकराम वर्मा और दयालदास बघेल को लेकर भी डेंजर जोन का परसेप्शन बना हुआ है। मगर बीजेपी की सियासत में जब तक शपथ लेने वाले मंत्रियों की लिस्ट फायनल न हो जाए, तब तक गारंटी के साथ कुछ कहा नहीं जा सकता।

75 परसेंट विभाग बदलेंगे

जैसे की खबरें आ रहीं...मंत्रिमंडल में सिर्फ सर्जरी ही नहीं होगी, 75 परसेंट विभाग भी बदले जाएंगे। मंत्रियों के चेहरे बदलने के साथ विभाग बदलने का मकसद ये है कि आम आदमी को सिस्टम में बदलाव महसूस हो। और फिर यह भी कि जो मंत्री तीन साल में कुछ नहीं कर पाया अब डेढ़ साल में क्या ही कर लेगा। इससे अच्छा है कि उसका विभाग ही बदल दिया जाए। नया मंत्री कम-से-कम कुछ तो अच्छा करने का प्रयास करेगा।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. क्या विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल का कोई सदस्य बन सकता है बीजेपी का नया प्रदेश अध्यक्ष?
2. पीएससी का नया चेयरमैन अफसरशाही से होगा या कोई शिक्षाविद या टेक्नोक्रेट?

डॉक्टर बनने का सपना, किर्गिस्तान में मेडिकल शिक्षा के साथ नई उड़ान

International Higher School of Medicine (IHSM) में MBBS की पढ़ाई के लिए भारतीय विद्यार्थियों के बीच बढ़ती रुचि

रायपुर से बिश्केक तक मेडिकल शिक्षा का सफर, पढ़ाई के साथ क्लिनिकल ट्रेनिंग और विद्यार्थियों के लिए भारतीय सुविधाओं पर जोर



डॉक्टर बनना अनेक विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों का सपना होता है। लेकिन भारत में मेडिकल कॉलेज में प्रवेश, सीमित सीटों और निजी संस्थानों की फीस के कारण कई परिवार दूसरे विकल्पों पर भी विचार करते हैं। ऐसे में विदेश में MBBS की पढ़ाई विद्यार्थियों के सामने एक विकल्प के रूप में आती है। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक स्थित International Higher School of Medicine (IHSM) भारतीय विद्यार्थियों के लिए मेडिकल शिक्षा का एक विकल्प है।

IHSM में मेडिकल शिक्षा प्राप्त करने की योजना बना रहे विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए कॉलेज की पढ़ाई, प्रवेश प्रक्रिया, फीस, रहने की व्यवस्था और भारत लौटने के बाद लागू नियमों की जानकारी समझना जरूरी है। सही जानकारी और समय पर मार्गदर्शन से परिवार सोच-समझकर निर्णय ले सकते हैं।

IHSM में मेडिकल शिक्षा और क्लिनिकल ट्रेनिंग

International Higher School of Medicine, बिश्केक, किर्गिस्तान में स्थित मेडिकल शिक्षण संस्थान है। यहां MBBS समकक्ष मेडिकल कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को चिकित्सा विज्ञान की



पढ़ाई के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण के अवसरों की जानकारी दी जाती है। मेडिकल शिक्षा में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ क्लिनिकल अनुभव का विशेष महत्व होता है, क्योंकि इससे विद्यार्थियों को मरीजों की देखभाल और अस्पताल की कार्यप्रणाली समझने में मदद मिलती है।

विद्यार्थियों को प्रवेश से पहले पाठ्यक्रम की अवधि, शिक्षण माध्यम, क्लिनिकल ट्रेनिंग, इंटर्नशिप और डिग्री की भारत में स्वीकार्यता से संबंधित वर्तमान नियमों की पुष्टि अवश्य करनी चाहिए।

भारतीय विद्यार्थियों के लिए सुविधाएं

विदेश में पढ़ाई के दौरान विद्यार्थियों को नए देश, भाषा, खानपान और वातावरण के साथ तालमेल बैठाना पड़ता है। अभिभावकों के लिए भी बच्चों की सुरक्षा, रहने की व्यवस्था और दैनिक जरूरतें महत्वपूर्ण होती हैं। IHSM में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल, भोजन और भारतीय विद्यार्थियों के अनुकूल सुविधाओं की उपलब्धता तथा शर्तों की जानकारी प्रवेश से पहले प्राप्त करना उपयोगी है।

इसके अलावा, कुल खर्च का आकलन करते समय केवल ट्यूशन फीस नहीं, बल्कि हॉस्टल, भोजन, यात्रा, बीमा, वीजा और अन्य आवश्यक खर्चों को भी ध्यान में रखना चाहिए।

पढ़ाई के साथ भविष्य की तैयारी

विदेश से मेडिकल डिग्री प्राप्त करने के बाद भारत में डॉक्टर के रूप में पंजीकरण और प्रैक्टिस के लिए लागू राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) के नियमों को समझना आवश्यक है। विद्यार्थियों को NEET, पात्रता, पाठ्यक्रम, इंटर्नशिप और भारत में लागू लाइसेंसिंग परीक्षा या अन्य आवश्यकताओं की नवीनतम जानकारी संबंधित आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त करनी चाहिए।

मेडिकल शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और योग्य डॉक्टर बनना है। इसलिए कॉलेज का चयन करते समय शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रशिक्षण, सुविधाओं और भविष्य की पात्रता को प्राथमिकता देना जरूरी है।

रायपुर में प्रवेश एवं मार्गदर्शन कार्यालय

छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों और अभिभावकों को प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए ISM FOCAL POINT C.G. का रायपुर में कार्यालय है। यहां से विद्यार्थी IHSM में प्रवेश, आवश्यक दस्तावेजों, फीस और विदेश में पढ़ाई की तैयारी से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

यह कार्यालय प्रवेश एवं मार्गदर्शन के लिए संपर्क केंद्र के रूप में कार्य करता है। अभिभावक यहां अपनी शंकाओं का समाधान कर सकते हैं और प्रवेश से पहले जरूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सही जानकारी, बेहतर निर्णय

विदेश में MBBS की पढ़ाई का निर्णय विद्यार्थी और परिवार के भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण फैसला है। इसलिए प्रवेश लेने से पहले कॉलेज की वर्तमान मान्यता, डिग्री की पात्रता, फीस, हॉस्टल और क्लिनिकल ट्रेनिंग से संबंधित सभी जानकारियों की पुष्टि करना जरूरी है।

International Higher School of Medicine (IHSM), Bishkek, Kyrgyzstan में मेडिकल शिक्षा के विकल्प को समझने के लिए विद्यार्थी और अभिभावक रायपुर स्थित ISM FOCAL POINT C.G. कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।



हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 18 अक्टूबर 2026



एसआईआर को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब ये भी कहा जाने लगा है कि एसआईआर व ज्ञानेश कुमार तो केवल बहाना है, असली मकसद सत्ता हथियाना है। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर की प्रक्रिया में गड़बड़ियां हुई हैं। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। वह मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है। वह मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है। दूसरी ओर, इस विरोध के बहाने भौंडा प्रदर्शन कर खुद को चर्चा में लाने की युवाओं की कोशिश भी खतरनाक रूप धारण कर रही है। प्रदर्शन के बीच में ही कुछ स्वयंभू पत्रकार भी अपनी रोटियां सेंकते दिख रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या सिर्फ एक मोबाइल और माइक लेकर आप पत्रकार बन सकते हैं? प्रशासन के लिए ऐसे लोगों को पहचानना कठिन होता है। दिल्ली में जंतर-मंतर पर कई लोगों ने खुद को मीडिया कर्मी बताकर बदसलूकी के आरोप लगाए हैं। अब समय आ गया है कि जब पत्रकारिता से जुड़े सभी संगठनों और मीडिया घरानों को स्वयं स्पष्ट और पारदर्शी मानक तय करने होंगे। कुल मिलाकर, सरकार, प्रशासन और आंदोलनकारियों सभी पक्षों को अहंकार छोड़कर संवाद की मेज पर आना चाहिए, ताकि देश की लोकतांत्रिक मर्यादा और सामाजिक ताना-बाना अक्षुण्ण बना रहे। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

एसआईआर की आड़ में सत्ता की सियासत



विश्लेषण

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने यह कहकर राजनीतिक बहस को नया मोड़ दे दिया कि मौजूदा आंदोलन का मकसद केवल मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई या उनके इस्तीफे तक सीमित नहीं है। यह लड़ाई अब 'रिजीम चेंज' यानी सत्ता परिवर्तन की लड़ाई है। उनके इस बयान के बाद बीजेपी को विपक्ष पर हमला करने का एक नया मुद्दा मिल गया। एसआईआर का मूल उद्देश्य मतदाता सूची को दुरुस्त करना और उसमें मौजूद गलतियों को दूर करना है। सिद्धांत रूप में किसी भी लोकतंत्र में मतदाता सूची का सही होना जरूरी है। इसमें ऐसे लोगों के नाम होने चाहिए जो मतदान के पात्र हैं। जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है या जो निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मतदाता नहीं रह गए हैं, उनके नामों की समीक्षा भी जरूरी है।

भारतीय राजनीति में कई बार किसी आंदोलन की शुरुआत एक मुद्दे से होती है, लेकिन धीरे-धीरे उसका दायरा बढ़ने लगता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चल रहा विवाद भी अब इसी मोड़ पर दिखाई दे रहा है। बीते दिनों वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने यह कहकर राजनीतिक बहस को नया मोड़ दे दिया कि मौजूदा आंदोलन का मकसद केवल मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई या उनके इस्तीफे तक सीमित नहीं है। यह लड़ाई अब 'रिजीम चेंज' यानी सत्ता परिवर्तन की लड़ाई है। उन्होंने इसे लोकतंत्र में नागरिकों का अधिकार भी बताया। उनके इस बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी को विपक्ष पर हमला करने का एक नया मुद्दा मिल गया।

एसआईआर का मूल उद्देश्य मतदाता सूची को दुरुस्त करना और उसमें मौजूद गलतियों को दूर करना है। सिद्धांत रूप में किसी भी लोकतंत्र में मतदाता सूची का सही होना जरूरी है। इसमें ऐसे लोगों के नाम होने चाहिए जो मतदान के पात्र हैं। जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है या जो निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मतदाता नहीं रह गए हैं, उनके नामों की समीक्षा भी जरूरी है। लेकिन इस प्रक्रिया का दूसरा पहलू भी है। यदि किसी वास्तविक मतदाता का नाम गलत तरीके से सूची से हट जाता है, तो वह अपने सबसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित हो सकता है।

इसलिए मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। किसी का नाम हटाने से पहले उचित जांच होनी चाहिए और प्रभावित व्यक्ति को अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर की प्रक्रिया में गड़बड़ियां हुई हैं। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। हालांकि, आरोप लगना और आरोप साबित होना दो अलग-अलग बातें हैं। विपक्ष चाहता है कि चुनाव आयोग अपने फैसलों और कामकाज को लेकर जवाब दे। वह मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है।



राजनीतिक लड़ाई की परत

इस विवाद को सीधे सरकार बदलने की लड़ाई बताया जाने लगता है, तो यह समझना जरूरी हो जाता है कि आंदोलन का राजनीतिक लक्ष्य कितना व्यापक हो चुका है। प्रशांत भूषण के बयान का राजनीतिक महत्व इसी बात में है कि उन्होंने सत्ता परिवर्तन की मांग को छिपाने के बजाय सार्वजनिक रूप से उसका बचाव किया। उनके मुताबिक, लोकतंत्र में सरकार बदलने की मांग करना कोई अपराध नहीं है। इस तर्क में अपने आप में कुछ गलत नहीं है।

यहां एक बुनियादी अंतर समझना होगा। चुनाव के जरिए सरकार बदलने की मांग करना और किसी सरकार को सत्ता से हटाने के लिए आंदोलन चलाना अपने आप में असंवैधानिक नहीं है। असली सवाल आंदोलन के तरीकों, उसके तथ्यों और उसकी मांगों की वैधता का है। प्रशांत भूषण के बयान से इतना जरूर स्पष्ट होता है कि आंदोलन के कुछ प्रमुख चेहरे अब इसे केवल चुनाव आयोग के कामकाज से जुड़ा मामला नहीं मान रहे। वे इसे केंद्र की सरकार के खिलाफ व्यापक राजनीतिक संघर्ष के रूप में देख रहे हैं। विपक्ष की रणनीति को समझने में मदद जरूर मिलती है।

आरोपों की जांच होनी चाहिए

मतदाता सूची का विवाद अब राजनीतिक सत्ता और सरकार की वैधता पर चल रही बड़ी बहस का हिस्सा बन गया है। चुनाव आयोग के हर फैसले को राजनीतिक साजिश बताना भी उचित नहीं है। किसी निर्णय से असहमति होने पर उसके खिलाफ कानूनी और संवैधानिक रास्ते खुले हैं। आरोपों की जांच होनी चाहिए और जहां गलती साबित हो, वहां सुधार भी होना चाहिए। ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष का अभियान इसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। क्या शिकायतें दस्तावेजों और तथ्यों से साबित होती हैं? क्या संबंधित अधिकारियों ने नियमों का पालन किया? क्या प्रभावित मतदाताओं को न्याय पाने का पर्याप्त अवसर मिला? इन सवालों के जवाब किसी राजनीतिक नारे से नहीं, बल्कि स्वतंत्र जांच और न्यायिक समीक्षा से मिलने चाहिए। गौरतलब है कि 15 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर से जुड़े कुछ फैसलों को चुनौती देने वाली विपक्षी नेताओं की याचिका पर चुनाव आयोग और संबंधित पदाधिकारियों से जवाब मांगा। यह न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है। अदालत में याचिका स्वीकार किए जाने या नोटिस जारी होने का अर्थ यह नहीं है कि आरोप साबित हो गए हैं।

सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य भी नारों में शामिल

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने के लिए भी ठोस आधार होना चाहिए। खैर, अब यह कहना कठिन है कि आंदोलन केवल ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक सीमित है। सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य भी इसके प्रमुख राजनीतिक नारों में शामिल हो चुका है। एक बात साफ है कि किसी लोकतंत्र में सत्ता बदलने का सबसे मजबूत और स्वीकार्य रास्ता चुनाव ही है। विपक्ष को लगता है कि मौजूदा सरकार को हटाना जरूरी है, तो उसे जनता के बीच जाना चाहिए, अपने तर्क रखने चाहिए और समर्थन जुटाना चाहिए। सरकार को भी अपने कामकाज और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर उठने वाले सवालों का जवाब देना चाहिए।

रणनीति स्पष्ट करने की चुनौती

अब इस विवाद को केवल प्रशांत भूषण के बयान या ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। यह चुनाव आयोग पर भरोसे, मतदाता के अधिकार और विपक्ष की राजनीतिक रणनीति-तीनों की परीक्षा है। एसआईआर और ज्ञानेश कुमार को लेकर चल रहे विवाद के पीछे सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य मौजूद है, यह बात साफ है। लेकिन सत्ता परिवर्तन की इच्छा को अपने आप में गलत ठहराना भी लोकतांत्रिक सोच नहीं होगी। पर सत्ता परिवर्तन तो चुनाव के माध्यम से ही होगा। ये बात विपक्ष को समझनी होगी। लोकतंत्र में सत्ता की लड़ाई आखिरकार जनता की अदालत में ही तय होनी चाहिए।

लोकतंत्र का मंच या लाइक्स पाने का प्रपंच



प्रदर्शन

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

आज का दौर सोशल मीडिया का है, जहां 'अटेंशन इकॉनमी' यानी आपका ध्यान खींचने की अर्थव्यवस्था का बोलबाला है। इस डिजिटल युग में यह कहावत आम है कि 'जो दिखता है, वही बिकता है'। हाल के दिनों में, एसआईआर यानी स्पेशल इंटेसिव रिवीजन के विरोध की आड़ में देश के विभिन्न हिस्सों में जिस प्रकार के भौंडे, उग्र और सनसनीखेज प्रदर्शन देखने को मिले हैं, उन्होंने चिंतकों, समाजशास्त्रियों और नीति-निर्माताओं को गहरी चिंता में डाल दिया है। जब युवा पीढ़ी अपने किसी असंतोष को व्यक्त करने के लिए शालीन लोकतांत्रिक तरीकों को छोड़कर तमाशेबाजी, उपद्रव और रातों-रात सोशल मीडिया पर 'वायरल' होने की सनक का सहारा लेती है, तो यह न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बल्कि खुद उन युवाओं और देश के भविष्य के लिए एक गंभीर खतरा बन जाता है। आज की युवा पीढ़ी में 'वायरल' होने की भूख है और वह रील्स संस्कृति के मकड़जाल में बुरी तरह उलझती जा रही है। आज के युवा एक ऐसे इंफॉर्मेशन सिस्टम में बड़े हो रहे हैं जहां हर पल खुद को साबित करने और लाइक्स, शेयर्स एवं व्यूज बटोरने का दबाव है। पारंपरिक रूप से विरोध प्रदर्शन वैचारिक स्पष्टता, लंबे संघर्ष, और लोकतांत्रिक बहसों पर आधारित होते थे। इसके विपरीत, आज के भौंडे प्रदर्शनों का मुख्य उद्देश्य वैचारिक विरोध जताना नहीं बल्कि किसी भी तरह कैमरे की नजर में आना और सोशल मीडिया के एल्गोरिदम में ट्रेंड करना होता है। युवा तत्काल संतुष्टि यानी इंस्टेंट ग्रेटिफिकेशन के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। जब प्रदर्शनों में शालीनता के स्थान पर अमर्यादित नारेबाजी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और सोशल मीडिया पर सनसनीखेज रील्स बनाने को प्राथमिकता दी जाती है, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि विरोध का वास्तविक मुद्दा पीछे छूट चुका है और व्यक्तिगत ख्याति या अराजकता का आनंद आगे आ गया है। एल्गोरिदम का मनोविज्ञान यह है कि यहां 'सनसनी' और 'उग्रता' ही बिकती है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब (शॉर्ट्स), एक्स (ट्विटर) और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स के एल्गोरिदम का मुख्य उद्देश्य यूजर को अधिक से अधिक समय तक ऐप पर रोके रखना है ताकि विज्ञापन से राजस्व कमाया जा सके। डेटा विज्ञान यह साबित करता है कि मानव मस्तिष्क तटस्थ या न्यूट्रल कंटेंट की तुलना में अत्यधिक उत्तेजक, क्रोधित करने वाली या सनसनीखेज सामग्री पर तेजी से प्रतिक्रिया देता है। जब कोई युवा किसी सामान्य, शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की तस्वीर डालता है तो उसे सीमित 'व्यूज' मिलते हैं। यदि वह कोई उग्र नारेबाजी, पुलिस के साथ तीखी नोकझोंक, या कोई भौंडा स्टंट करता हुआ वीडियो पोस्ट करता है, तो एल्गोरिदम उसे तेजी से 'बूस्ट' कर देता है। रातों-रात मिलने वाले हजारों लाइक्स और कमेंट्स युवा मस्तिष्क में डोपामाइन (खुशी और उत्साह देने वाला हॉर्मोन) का तेज संचार करते हैं, जिसके कारण उसे इस प्रकार की हरकतों को दोहराने यानी 'वायरलिटी' की लत लग जाती है। डिजिटल युग में युवाओं के बीच 'इंस्टेंट फेम' और 'क्लाउट चेसिंग' यानी हर कीमत पर ऑनलाइन चर्चा में बने रहने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। आधुनिक जीवनशैली में कई युवा खुद को उपेक्षित या गुमनाम महसूस करते हैं। ऐसे में सोशल मीडिया उन्हें एक ऐसा मंच देता है जहां वे खुद को 'हीरो' या किसी बड़े आंदोलन का नायक साबित कर सकते हैं। युवा भूल जाते हैं कि वे जिस मुद्दे के लिए सड़क पर उतरे हैं, उसकी गंभीरता क्या है; उनका पूरा ध्यान इस बात पर होता है कि उनका कैमरा किस एंगल से सबसे नाटकीय दिख रहा है। वहीं सोशल मीडिया के एल्गोरिदम उपयोगकर्ताओं को ऐसी सामग्री से लगातार घेरते रहते हैं जो उनकी पहले से बनी सोच या गुस्से को सही ठहराती है। जब एक युवा लगातार अपनी फीड में उग्र और भड़काऊ वीडियो देखता है तो उसका मस्तिष्क यह मानने लगता है कि चरम कदम उठाना ही एकमात्र और सही रास्ता है। भारत का संविधान अपने नागरिकों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का मौलिक अधिकार देता है। परंतु जब इस अधिकार का दुरुपयोग कर इसे उपद्रव और तमाशे में बदला जाता है तो इसके दूरगामी परिणाम होते हैं। लोकतंत्र में असहमति का स्वागत है परंतु असहमति जब अनुशासनहीनता और अराजकता का रूप ले ले तो वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं बल्कि सामाजिक व्यवस्था पर सीधा प्रहार बन जाती है। उग्र प्रदर्शनों में युवा अकसर व्यक्तिगत विवेक खो बैठते हैं और भीड़ का हिस्सा बनकर ऐसा कुछ कर बैठते हैं जो वे सामान्य स्थिति में कभी नहीं करते। यह प्रवृत्ति समाज में कानून के शासन को कमजोर करती है। आज की युवा पीढ़ी में 'शॉर्टकट' की मानसिकता घर कर गई है। विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने वाले युवा अकसर इस बात से अनजान होते हैं कि वे अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं। इस बढ़ती प्रवृत्ति के पीछे केवल युवा अकेले जिम्मेदार नहीं है बल्कि समकालीन समाज और मीडिया का परिवेश भी समान रूप से उत्तरदायी है। कई बार मीडिया उपद्रवी तत्वों को जरूरत से ज्यादा सनसनीखेज कवरेज देते हैं। दूसरी ओर परिवारों और शिक्षण संस्थानों में वैचारिक परिपक्वता, सहनशीलता और लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाद में कमी आई है। युवाओं को यह सिखाने की आवश्यकता है कि ऊर्जा का सकारात्मक दोहन किस प्रकार किया जाए।

आज की युवा पीढ़ी में 'वायरल' होने की भूख है और वह रील्स संस्कृति के मकड़जाल में बुरी तरह उलझती जा रही है। आज के युवा एक ऐसे इंफॉर्मेशन सिस्टम में बड़े हो रहे हैं जहां हर पल खुद को साबित करने और लाइक्स, शेयर्स एवं व्यूज बटोरने का दबाव है।

अहंकार छोड़कर संवाद की मेज पर आएं



एसआईआर विवाद

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

एसआईआर विवाद हाल के दिनों में भारतीय राजनीतिक, सामाजिक और कानूनी विमर्श का एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण तथा संवेदनशील विषय बनकर उभरा है। किसी भी जीवंत और परिपक्व लोकतंत्र में सरकार की नीतियों से असंतोष जताना, सवाल उठाना, शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराना और अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन करना नागरिकों का एक मौलिक और संवैधानिक अधिकार है।

जब कोई आंदोलन किसी व्यापक और जटिल विवाद का रूप ले लेता है, तो उस आंदोलन के पीछे के उद्देश्यों, उसमें शामिल घटकों और उस पर शासन व न्यायप्रणाली की प्रतिक्रियाओं का निष्पक्ष, सूक्ष्म और गंभीर विश्लेषण करना अनिवार्य हो जाता है। हालिया प्रदर्शनों के संदर्भ में लगातार इस तरह के आरोप लग रहे हैं कि सत्ताधारी दल या कुछ खास स्वार्थी समूहों से जुड़े लोग जानबूझकर इन प्रदर्शनों में घुसपैठ करते हैं। वहीं दूसरी ओर, कुछ प्रदर्शनकारी या आंदोलन के आयोजक एक विशेष प्रकार की रणनीति या टूलकिट तैयार करते हैं। इसके तहत समर्थकों को खास तरह की वेशभूषा या धार्मिक व सांस्कृतिक प्रतीकों जैसे लाल गमछा पहनना, सिर पर टीका लगाना या विशेष वस्त्र धारण करने का प्रयोग करके प्रदर्शन में शामिल होने का निर्देश दिया जाता है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य यह बताया जाता है कि यदि कोई अप्रिय घटना घटे या पुलिस द्वारा कार्रवाई की जाए, तो इन प्रतीकों के आधार पर सहानुभूति बटोरी जा सके। लेकिन इन तमाम राजनीतिक दावों, रणनीतियों और आरोपों से परे इस बुनियादी पहलू पर ध्यान देना बेहद ज़रूरी है कि विरोध प्रदर्शनों में आने वाले लोग शायद स्वतः स्फूर्त तरीके से सड़कों पर उतर रहे हों। हमारे देश का एक बड़ा वर्ग ऐसा हो सकता है जो किसी राजनीतिक दल के बहकावे, उकसावे या टूलकिट का हिस्सा बने बिना, केवल अपने नागरिक कर्तव्यों और लोकतांत्रिक निष्ठा के कारण बाहर आ रहा हो। जब आम नागरिकों को यह आभास होता है कि उनकी बात नहीं सुनी जा रही है, उनकी चिंताओं की उपेक्षा की जा रही है या देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक मूल्यों के साथ कोई समझौता किया जा रहा है, तो वे स्वतः ही एकजुट होकर अपनी आवाज़ उठाने लगते हैं। यह स्वतःस्फूर्त भागीदारी नागरिकों की राजनीतिक जागरूकता और लोकतंत्र में उनके गहरे विश्वास का प्रमाण है। इसलिए, प्रदर्शनकारियों के हर समूह को किसी न किसी राजनीतिक दल का मोहरा मान लेना या उनकी निष्ठा पर सवाल उठाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं कहा जा सकता। इसके बावजूद, आंदोलन चाहे कितना भी बड़ा या स्वतःस्फूर्त क्यों न हो, एक बात हमेशा सर्वोपरि रहनी चाहिए कि जो कुछ भी हो रहा है, वह पूरी तरह से कानून-सम्मत और संविधान के दायरे में ही होना चाहिए। कई बार देखा गया है कि जनता के वास्तविक आक्रोश और असंतोष का इस्तेमाल कुछ महत्वाकांक्षी लोग अपने निजी फायदे के लिए करते हैं। यदि कोई आंदोलन किसी संकीर्ण स्वार्थ के तहत संचालित हो रहा है, तो वह अंततः समाज में विभाजन और अस्थिरता ही पैदा करता है। वर्तमान डिजिटल और सोशल मीडिया के दौर में किसी भी आंदोलन के दौरान उग्रता या हिंसा के छोटे-छोटे वीडियो क्लिप्स तेजी से वायरल हो जाते हैं। इन वीडियो के आधार पर अक्सर तुरंत यह धारणा बना ली जाती है कि पूरा का पूरा आंदोलन ही हिंसक और उग्र है। परंतु हमारी न्याय प्रणाली और विधि व्यवस्था इस बात पर विशेष जोर देती है कि जब तक ठोस और प्रामाणिक साक्ष्य न मिल जाएं, तब तक केवल सोशल मीडिया पर तैर रहे किसी वीडियो या अधूरी क्लिप को अंतिम सत्य मानकर किसी अंतिम नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता। इसके साथ ही, लोकतंत्र में यदि किसी मुद्दे, नीति या कानून के विरोध में लोग सड़कों पर आएंगे, तो उस नीति या कानून के समर्थन में भी कुछ लोग जरूर खड़े होंगे। लोकतंत्र विचारों की विविधता का नाम है, जहां समर्थन और विरोध दोनों के लिए समान स्थान होता है। लेकिन विरोध या समर्थन का अधिकार किसी को भी हिंसा करने या कानून हाथ में लेने की छूट नहीं देता। सरकार, प्रशासन और आंदोलनकारियों सभी पक्षों को अहंकार छोड़कर संवाद की मेज पर आना चाहिए, ताकि देश की लोकतांत्रिक मर्यादा और सामाजिक ताना-बाना अक्षुण्ण बना रहे।



प्रदर्शनकारियों के हर समूह को किसी न किसी राजनीतिक दल का मोहरा मान लेना या उनकी निष्ठा पर सवाल उठाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं कहा जा सकता। इसके बावजूद, एक बात हमेशा सर्वोपरि रहनी चाहिए कि जो कुछ भी हो रहा है, वह पूरी तरह से कानून-सम्मत और संविधान के दायरे में ही होना चाहिए।

पत्रकारिता की प्रतिष्ठा पर गहराता संकट



चौथा स्तंभ

चरण जीत

स्वतंत्र स्तंभकार

किसी भी देश के लोकतंत्र की मजबूती के लिए मुख्यतः चार स्तम्भों की चर्चा की जाती है। लोकतंत्र के चार स्तम्भों के रूप में प्रायः विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया का उल्लेख किया जाता है। वैसे तो सभी स्तम्भ महत्पूर्ण हैं, लेकिन मीडिया को इसलिए सबसे मत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि प्रेस की स्वतंत्रता के अभाव में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सत्ता के अनुचित दबाव का खतरा बढ़ जाता है। जिस देश का मीडिया स्वतंत्र नहीं होता, वहां सरकारें अपनी मनमानी करती हैं। इसी बिंदु पर एक दूसरा प्रश्न उठता है। क्या मीडिया की स्वतंत्रता के साथ कुछ क़ानूनी और नैतिक जिम्मेदारियां भी नहीं जुड़ी होनी चाहिए? यदि पत्रकारिता के नाम पर कुछ लोग पेशेवर मर्यादाओं का उल्लंघन करने लगें तो पुरे मीडिया संस्थान और पत्रकारिता के पेशे की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगते हैं।

हाल के दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों में, खासकर दिल्ली के जंतर मंतर पर होने वाले आन्दोलनों से कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिनमें पत्रकारिता का दावा करने वाले लोगों का व्यवहार सवालों के घेरे में है। जुलाई में होने वाले नीट आंदोलन से लेकर एसआईआर विवाद में कुछ ऐसे लोग सामने आए हैं, जो स्वयं को पत्रकार बताते हैं लेकिन वो पत्रकारों की अपेक्षा किसी राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं जैसे अधिक प्रतीत होते हैं। हाथ में मोबाइल और कॉलर पर एक माइक लगा कर घूमते युवक-युवतियां जिस तरह से प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के सामने अकड़कर खड़े होते हैं, वह व्यवहार कई बार विवाद का कारण बनता है। अनावश्यक और असंगत प्रश्न करते हैं। जवाब न मिलने या फटकार दिए जाने पर स्वयं को पीड़ित बताने लगते हैं। ऐसी घटनाओं से पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं और पूरे समुदाय की छवि धूमिल होती है। डिजिटल क्रांति के इस दौर में आम नागरिकों तक पहुंचने वाले संचार माध्यम अनियंत्रित हो जाएं, सही और सटीक तथ्य पहुंचाने की बजाय भ्रामक सूचनाएं फैलाने लगें तो लोकतांत्रिक व्यवस्था और मीडिया की जवाबदेही पर गंभीर सवाल उठेंगे। क्योंकि अधूरी या भ्रामक जानकारी समाज तनाव, भ्रम और टकराव पैदा कर सकती है। नागरिक पत्रकारिता की अवधारणा इस विचार के साथ विकसित हुई कि देश के दूर-दराज इलाकों में मौजूद समस्याएं सरकार और प्रशासन तक पहुंच सकें। जिन स्थानों पर मुख्यधारा के पत्रकार नहीं पहुंच पाते, वहां की ज़मीनी सच्चाई भी सनसनीखेज थंबनेल के साथ वीडियो अपलोड करते हैं। हाथ में मोबाइल और माइक पकड़े हुए कोई व्यक्ति वास्तव में पेशेवर पत्रकार है या किसी जिम्मेदार मीडिया संस्थान का प्रतिनिधि है या स्वतंत्र कॉन्टेंट क्रिएटर है, यह स्पष्ट होना चाहिए। उसकी भूमिका और संबद्धता के बारे में पारदर्शिता होनी चाहिए। एसआईआर विवाद के बाद समूचे मीडिया जगत के सामने यह चुनौती है कि पत्रकारिता की शाख कैसे बचाई जाए? अब समय आ गया है कि जब पत्रकारिता से जुड़े सभी संगठनों और मीडिया घरानों को स्वयं स्पष्ट और पारदर्शी मानक तय करने होंगे। स्वयं ही आत्म-नियमन और आत्म-सुधार की पहल करनी होगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के लागू नियमों और सम्बन्धित आचार संहिताओं का पालन सुनिश्चित करते हुए या स्पष्ट होना चाहिए कि व्यक्ति किसी मीडिया संस्थान से जुड़ा है या स्वतंत्र रूप से सामग्री तैयार करता है। अन्यथा निश्चित मर्यादाओं के अभाव में यह अनुमान लगाना कठिन होगा कि अनियंत्रित और गैर-जिम्मेदाराना सूचना प्रसार से कब गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए आत्म-सुधार और जवाबदेही की प्रक्रिया निरंतर चलती रहनी चाहिए।



एसआईआर विवाद के बाद समूचे मीडिया जगत के सामने यह चुनौती है कि पत्रकारिता की शाख कैसे बचाई जाए? अब समय आ गया है कि जब पत्रकारिता से जुड़े सभी संगठनों और मीडिया घरानों को स्वयं स्पष्ट और पारदर्शी मानक तय करने होंगे। स्वयं ही आत्म-नियमन और आत्म-सुधार की पहल करनी होगी।

देश के सामने आनी चाहिए। लेकिन पत्रकारिता के इस पेशे की अपनी मर्यादाएं, नैतिक मानक, और जिम्मेदारियां भी हैं। इसीलिए एक पत्रकार के लिए औपचारिक प्रशिक्षण, सम्पादकीय निगरानी तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके विपरीत आज डिजिटल माध्यमों के कारण कोई भी व्यक्ति फ़ोन और माइक की मदद से समाचार संबंधी सामग्री तैयार कर सकता है। अधिक से अधिक व्यूज़ पाने की कोशिश में इनमें से कुछ लोग न केबल अनावश्यक विवाद खड़ा करते हैं, बल्कि एक

बेखौफ तस्कर, गांजे के लेनदेन की खबर प्रकाशित होने के बाद भी डील, रायपुर भी पहुंच गया



हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी



इंस्टा पर 'ओडिशा साग' का विज्ञापन, ग्राहक बनकर हरिभूमि-आईएनएच ने बिछाया जाल, तस्कर ओडिशा से रायपुर पहुंचा, पुलिस ने किया गिरफ्तार

खुलेआम विज्ञापन

जरा यहां भी देखें

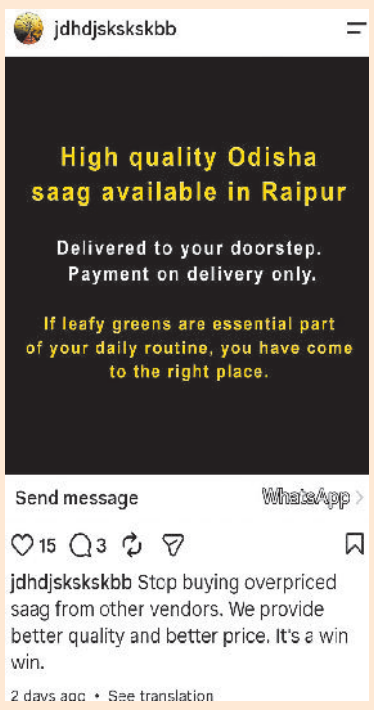

गिरीश केसरवानी के साथ
मनोज नायक

इंस्टाग्राम पर विज्ञापन, व्हाट्सऐप के जरिए संपर्क, घर तक डिलीवरी और सामान मिलने पर भुगतान। ऑनलाइन खरीदारी का यह तरीका गांजे की तस्करी में भी इस्तेमाल किए जाने का खुलासा हरिभूमि और आईएनएच न्यूज चैनल के स्टिंग ऑपरेशन में हुआ है। इंस्टाग्राम पर 'ओडिशा साग' के नाम से रायपुर में उपलब्धता का दावा किया गया था। टीम ने ग्राहक बनकर ओडिशा के टिटलागढ़ में सक्रिय एक पैडलर से संपर्क किया और गांजे का सौदा तय किया। शुरुआत में 200 ग्राम गांजा देने की बात हुई, लेकिन बातचीत के बाद सौदा आधा किलो गांजे तक पहुंच गया। डिलीवरी देने के लिए पैडलर खुद ओडिशा से रायपुर पहुंचा। हरिभूमि-आईएनएच ने इसकी खबर रायपुर ▶▶शेष पेज 6 पर

हरिभूमि लाइव

इंस्टाग्राम पोस्ट से शुरू हुई पड़ताल

*इंस्टाग्राम पर एक अकाउंट से '**High quality Odisha saag available in Raipur**' लिखकर पोस्ट की गई थी। इसमें रायपुर में घर तक डिलीवरी और केवल सामान मिलने पर भुगतान करने की बात कही गई थी। पोस्ट के कैप्शन में दूसरे विक्रेताओं से बेहतर गुणवत्ता और कम कीमत का दावा भी किया गया था। हरिभूमि-आईएनएच की टीम ने इसी विज्ञापन के आधार पर पड़ताल आगे बढ़ाई। टीम ने ओडिशा के टिटलागढ़ के एक पैडलर से संपर्क किया।* ▶▶शेष पेज 6 पर

हरिभूमि-आईएनएच की रिपोर्ट पर पुलिस का एक्शन
युवक को गिरफ्तार कर जीआरपी को सौंपा



हरिभूमि ने 8 अक्टूबर को खबर प्रकाशित की थी

हैरत की बात यह है कि इसी पैडलर से हुई बातचीत की खबर हरिभूमि ने 8 अक्टूबर को प्रकाशित की थी। तस्कर ने उस वक्त वाट्सएप के जरिए गांजा सप्लाई करने के संदर्भ में बात की। मोलभाव किया। हरिभूमि में खबर प्रकाशित होने के बाद भी तस्कर सप्लाई के लिए तैयार हो गया। ▶▶शेष पेज 6 पर

ट्रेन आउटर पर रुकी फिर स्टेशन पहुंचा

दोपहर पौने तीन बजे के करीब टीम ने पैडलर से संपर्क किया तो उसने ट्रेन के आउटर पर खड़ी होने की बात कही। उसने अपनी लाइव लोकेशन भी भेजी और टीम को वहां पहुंचने के लिए कहा। टीम ने आउटर पर आने से इनकार किया तो उसने इंतजार करने को कहा। करीब आधे घंटे के ▶▶शेष पेज 6 पर

85 किलो गांजा जब्त

मध्यप्रदेश के तस्करों को गांजा की डिलीवरी देते तीन गिरफ्तार



रायपुर। ओडिशा, बलांगीर से गांजा तस्करी कर मध्यप्रदेश के तस्करों को डिलीवरी देने पहुंचे तीन गांजा तस्करों को सिविल लाइंस पुलिस, एसीसीयू तथा एंटी नारकोटिक्स की टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करों के कब्जे से 85 किलो गांजा जब्त किया है। साथ ही तस्करी में इस्तेमाल कार भी पुलिस ने जब्त की है। जब्त गांजा तथा अन्य सामान की कीमत 58 लाख रुपए से आंकी गई है। गांजा तस्करी करने के आरोप में पुलिस ने मध्यप्रदेश, सागर निवासी अनीश साहू, मध्यप्रदेश, मंडला निवासी राकेश साहू, ▶▶शेष पेज 6 पर

गांजा तस्कर के साथ डील

- *पैडलर : मैसेज देखिए कि नहीं आप मेरा?*
- *रिपोर्टर: ग्राम कम हो जाएगा, मेरे कुछ कस्टमर भी हैं, थोड़ा रेट ज्यादा हो रहा है। नौ मंहगा पड़ रहा है ना, आप तो मेरे को बताए थे 15 में दे देंगे करके, फिर आप रेट बढ़ा रहे हो , ऐसे में अपने ग्राहकों के साथ थोड़ी ये हो जाएगी ना, ग्राहक फिर असंतुष्ट हो जाएंगे।*



- *पैडलर - सर, सुनिए ना सर, कि मतलब जब मैं एक किलो लूंगा, देने जाऊंगा, उस बार मैं आपको 15 में ही दे दूंगा, ठीक है?*
- *रिपोर्टर: लेकिन ज्यादा पड़ रहा है ना दोस्त, इसमें नहीं पूरा रह रहा है ना अपने को 20 इस बार कम कर दीजिए।*
- *पैडलर - साढ़े आठ कर देता हूं। तो कहां मुलाकात होगी? मैं स्टेशन पहुंचने के बाद आपको कॉल करूंगा।*
- *रिपोर्टर: स्टेशन पहुंचने के बाद... आठ में अगर पूरा रह रहा है* ▶▶शेष पेज 6 पर

विकास पर होगी बात

हरिभूमि-आईएनएच जिला संवाद 23 को बालोद में



डॉ. हिमांशु द्विवेदी



विजय शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बालोद

विष्णुदेव साय सरकार के ढाई साल पूरा होने पर हरिभूमि-आईएनएच जिला संवाद 23 अक्टूबर को बालोद में आयोजित किया जाएगा। संवाद में हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं और अन्य प्रमुख हस्तियों से जिले के मुद्दों, विकास और विकास की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा प्रमुख रूप से शिरकत करेंगे।

बालोद के माहेश्वरी भवन गंजपारा में 23 अक्टूबर शुक्रवार को शाम साढ़े चार बजे से आयोजित जिला संवाद में छह सत्रों में जिले के विकास पर जीवंत चर्चा होगी। स्थानीय सांसद भोजराज नाग, विधायक संगीता सिन्हा, अनिला भेड़िया, कुंवर सिंह निषाद के अलावा इन विधानसभा क्षेत्रों के भाजपा प्रत्याशियों से तीखे सवाल होंगे। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती तारिणी चंद्राकर भी होंगी। वहीं भाजपा और कांग्रेस के जिलाध्यक्ष भी जिले के विकास पर चर्चा में हिस्सा लेंगे। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा और एसपी किरण गंगाराम चौहान जिले के प्रशासन ▶▶शेष पेज 6 पर

मोटी फीस के कारण एनआरआई कोटे का मोह कम, छत्तीसगढ़ में 87 रिक्त

इंजीनियरिंग की राह पर एमबीबीएस! मॉपअप के बाद देश में 3426 सीटें खाली

जिस तरह देश में मेडिकल कालेजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है उस हिसाब से आने वाले दिनों इसका हाल भी इंजीनियरिंग और नर्सिंग जैसा होने की आशंका बनने लगी है। तीन राउंड की कांउसिलिंग पूरी होने के बाद देश में एमबीबीएस की 3426 सीटें खाली है इनमें छत्तीसगढ़ की 87 सीट शामिल है। जानकारों का तर्क है कि निजी मेडिकल कालेजों में मोटी फीस वाले एनआरआई कोटे की तरफ लोगों का मोह कम हुआ है। वहीं निजी मेडिकल कालेजों की संख्या के साथ यूजी की सीट भी तेजी से बढ़ रही है। छत्तीसगढ़ में कुल 3 हजार 25 एमबीबीएस की सीटें हैं। इनमें से 6 निजी चिकित्सा महाविद्यालयों में 1300 सीटों को प्रवेश के लिए अनुमति प्रदान की गई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

देश में मेडिकल कालेजों की बाढ़ सी आ गई है। निजी के साथ शासकीय सेक्टर में भी दनादन कालेज खुल रहे है जिससे एमबीबीएस की सीटों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इस बार देशभर के करीब 836 चिकित्सा महाविद्यालयों में 1 लाख 40 हजार से ज्यादा एमबीबीएस की सीटों पर एडमिशन दिलाने की कवायद की जा रही है। तीन राउंड यानी मॉपअप के बाद विभिन्न राज्यों के चिकित्सा महाविद्यालयों में यूजी की थोक में सीटें खाली रह गई है। आंकड़ों के अनुसार वर्तमान में देशभर में एमबीबीएस ▶▶शेष पेज 6 पर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव



निजी सेक्टरों में तेजी से बढ़ रही मेडिकल की सीटें, निजी कालेजों में 1300 पर एडमिशन

थोक में डाक्टर तो आकर्षण होगा कम

चिकित्सा की पढ़ाई के एक अलग आकर्षण होता है। जिस तरह राज्यों में एमबीबीएस के सीटों की संख्या बढ़ रही उस हिसाब से पांच साल के बाद छत्तीसगढ़ में हर साल ढाई से तीन हजार से ज्यादा डाक्टर तैयार होंगे। इनकी संख्या के हिसाब से रोजगार के अवसर कम होंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बात की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है आने वाले समय में एमबीबीएस का हाल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वालों जैसा होकर रह जाएगा। खासतौर पर केवल एमबीबीएस करने वालों के सामने संकट खड़ा हो सकता है।

राज्य में अभी 21 कालेज

राज्य में अभी शासकीय और निजी मेडिकल कालेजों की संख्या 21 हो चुकी है। इनमें 15 सरकारी कालेज हैं जिनकी संख्या आने वाले दिनों में और बढ़ने की पूरी संभावना है। निजी सेक्टर में मेडिकल कालेजों की एंट्री होने से इंकार नहीं किया जा रहा है। इस बार शासकीय कालेजों में एमबीबीएस की 1725 तथा प्रायवेट में 1300 सीटों पर एडमिशन दिए जाने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। एमबीबीएस की तरह बीडीएस की करीब 93 सीटों पर एडमिशन दिए जाने का काम अधूरा है।

एनआरआई सीट के कारण संख्या ज्यादा

तीन राउंड के एडमिशन के बाद एनआरआई सीट के निजी मेडिकल कालेज के प्रबंधन कोटे में परिवर्तित किया गया है जिससे संख्या ज्यादा दिख रही है। शासकीय और प्रबंधन कोटे की सीटों पर प्रवेश लगभग पूरा हो चुका है। आम तौर पर तीसरे राउंड के बाद विभिन्न कारणों से काफी संख्या में सीटें शेष रहती है जो पात्र अभ्यर्थियों को चौथे दौर आवंटित किया जाता है।

-डा. विष्णु दत्त, पूर्व डीएमई

शिकायतों के निराकरण में लापरवाही, पीडब्ल्यूडी के 13 अफसरों को नोटिस



संतोषजनक निराकरण नहीं होने पर शासन ने दिखाई सख्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

सीएम हेल्पलाइन-1076 पर नागरिकों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर लोक निर्माण विभाग ने 13 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इनमें तीन अधीक्षण अभियंता, पांच कार्यपालन अभियंता और पांच अनुविभागीय अधिकारी शामिल हैं। विभागीय समीक्षा में सामने आया कि अधिकारियों ने कई शिकायतों को संतोषजनक समाधान की जानकारी दिए ही बंद कर ▶▶शेष पेज 6 पर

खास खबर

15 दिन में देना होगा लिखित जवाब

सभी संबंधित अधिकारियों को नोटिस प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर लोक निर्माण विभाग के सचिव के समक्ष अपना लिखित प्रतिवाद प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समय-सीमा में जवाब नहीं मिलने पर उनके विरुद्ध एकपक्षीय कार्रवाई की जा सकती है। इस कार्रवाई के जरिए विभाग ने स्पष्ट संकेत दिया है कि सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतों को केवल औपचारिकता पूरी करने के लिए बंद करना स्वीकार्य नहीं होगा। शिकायतों का निराकरण ऐसा होना चाहिए, जिससे नागरिकों की समस्या के समाधान की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो और पोर्टल पर दर्ज जानकारी भी सही बनी रहे।

रूस के तेल प्रतिबंधों में छूट, भारत पर 100% टैरिफ का खतरा टला!

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रीय हितों का हवाला देते हुए रूस और ईरान पर प्रतिबंध लगाने संबंधी कानून के तहत प्रतिबंधों, पाबंदियों और शुल्कों से छूट दी है। ट्रंप ने शुक्रवार रात जारी एक कार्यकारी आदेश में कहा कि कुछ प्रतिबंधों को लागू नहीं करना अमेरिका के 'राष्ट्रीय हित' में है। ट्रंप ने कहा, मैं ग्राहम कानून के तहत ऐसे प्रतिबंधों, पाबंदियों और शुल्कों को लागू करने से छूट दे रहा हूं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अमेरिकी संसद को एक प्रमाणपत्र सौंपा है, जिसमें कहा गया है कि इस समय ऐसी छूट देना ▶▶शेष पेज 6 पर



अमेरिकी राष्ट्रपति ने पांच देशों को दी राहत, पर अनिश्चितता बरकरार

क्या है ग्राहम एक्ट?

लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 कानून का उद्देश्य उन वित्तीय संसाधनों को कम करना था, जो यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध को जारी रखने में मदद कर रहे हैं। इसमें रूसी अधिकारियों, बैंकों, ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं और मास्को के सैन्य अभियानों का समर्थन करने वाली विदेशी इकाइयों को निशाना बनाया गया था। इस कानून ने ट्रंप को उन देशों पर टैरिफ लगाने का अधिकार दिया, जो रूस के साथ व्यापार करते हैं, ताकि रूसी तेल और गैस पर उनकी निर्भरता को कम किया जा सके। इसके अलावा, इसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और रूसी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ प्रतिबंध भी शामिल थे।

उग्र हुए ग्रामीण, तहसीलदार, एसडीओपी और टीआई से हाथापाई, बनाया बंधक





हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिहारपुर/सूरजपुर

ट्रैक्टर से कुचलकर महिला की मौत के बाद शुरू हुआ विवाद ने शनिवार शाम उग्र रूप ले लिया। दिनभर चले चक्का जाम और विरोध प्रदर्शन के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मौके पर लोगों को समझाइश देने पहुंचे तहसीलदार, एसडीओपी और टीआई के साथ हाथापाई की और उन्हें बंधक बना लिया।

- क्रेशर प्लांट में डीजी सेट और ट्रैक्टर आग के हवाले, ट्रैक्टर से कुचलकर महिला की मौत के बाद शुरू हुआ था आंदोलन, रात में तनावपूर्ण हुए हालात

ग्रामीणों ने क्रशर प्लांट में खड़े एक ट्रैक्टर और डीजी सेट को भी आग के हवाले कर दिया। ▶▶शेष पेज 6 पर

नौ घंटे बाद भी घटनास्थल पर पड़ा था शव

हैरानी की बात यह रही कि दोपहर में हुई घटना के करीब नौ घंटे बाद भी रात 9.30 बजे तक महिला का शव घटनास्थल पर पड़ा था। इस दौरान न तो पुलिस पंचनामा की कार्रवाई पूरी हो सकी थी और न ही मामले में कोई अन्य कार्रवाई हो पाई थी।परिजन और ग्रामीण मृतका के परिवार को 50 लाख रुपए मुआवजा देने, बच्चों की स्वास्थ्य और शिक्षा की व्यवस्था करने तथा नाबालिग ट्रैक्टर चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा बस्ती के बीच अवैध रूप से संचालित क्रशर प्लांट को पूरी तरह बंद कर अन्यत्र स्थानांतरित करने और अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की जा रही है। रात तक शव घटनास्थल पर ही पड़ा था और ग्रामीणों का आंदोलन जारी था। पुलिस मृतका के परिजन और कुछ ग्रामीणों को लेकर थाने भी गई थी, ▶▶शेष पेज 6 पर

चल रही है कार्रवाई

"घटना के बाद ग्रामीणों और परिजन को समझाइश दी गई है। मामले में अपराध दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।"

- लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता, टीआई, चांदनी

स्थिति नियंत्रण में

तहसीलदार के साथ हल्की धक्का मुक्की हुई है। अधिकारी भीड़ में घिर गए थे। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। जांच चल रही है, जांच के बाद कार्रवाई होगी।

-योगेश पटेल, एसपी, सूरजपुर

दीपके को जमानत, नेहा रिहा कांग्रेस की 1 नवंबर को रैली

नई दिल्ली। दिल्ली में सियासी घमासान और विरोध-प्रदर्शनों के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके को जमानत मिलने और नेहा की रिहाई से राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। वहीं, कांग्रेस ने 1 नवंबर को बड़ी रैली का ऐलान कर सियासी तापमान और बढ़ा दिया है। अब सबकी निगाहें कांग्रेस की इस रैली पर टिकी हैं, जिसे लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। दीपके को शनिवार को सशर्त जमानत दे दी गई और उनसे शांति बनाए रखने संबंधी बॉण्ड पर हस्ताक्षर करने को कहा गया। पुलिस सूत्रों ▶▶शेष पेज 6 पर



दिल्ली में सियासी घमासान, अब कांग्रेस की रैली पर टिकी निगाहें

रामलीला मैदान में जुटेंगे कांग्रेसी

दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस को 1 नवंबर को रामलीला मैदान में रैली करने की अनुमति दे दी है। दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस को एक नवंबर को रामलीला मैदान में रैली आयोजित करने की अनुमति दे दी है। इसके लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र भी जारी कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि सभी दल इस बात पर सहमत हैं कि चुनाव इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के बजाय मतपत्रों से कराए जाने चाहिए। उन्होंने घोषणा की थी कि कांग्रेस एक नवंबर को दिल्ली में एक रैली आयोजित करेगी। कांग्रेस ने एक नवंबर को रामलीला मैदान में रैली आयोजित करने की योजना बनाई है और इसके लिए आवश्यक एनओसी प्राप्त करने के वास्ते दिल्ली पुलिस से संपर्क किया था।



हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रविवार 18 अक्टूबर 2026



विशेषः विजय दशमी, 20 अक्टूबर

विजय दशमी का पर्व आततायी रावण पर श्रीराम की विजय के उल्लास में मनाया जाता है। लेकिन श्रीराम का विराट चरित्र केवल रावण का वध करने की वजह से ही हमारे लिए पूजनीय नहीं है। वे अगर युगों से आज भी भारतीय जनमानस में आदर्श पुरुषोत्तम के रूप में प्रतिष्ठित हैं, तो इसकी वजह है कि उन्होंने संपूर्ण मनुष्यता के लिए मर्यादा स्थापित की। इसीलिए अनेक भाषाओं, संस्कृति और सभ्यताओं में वे प्रतिष्ठित हैं।

भारत के जन-मन में युगों से विराजमान हैं श्रीराम

आवरण कथा
लोकमित्र गौतम

सदियों से विजय दशमी की रात रावण का पुतला दहन किया जाता है। आतिशबाजी थमती है। भीड़ लौट जाती है और मैदान में बच जाती है कुछ राख। लेकिन श्रीराम की कथा यहीं नहीं खत्म होती। अगले दिन भी श्रीराम मौजूद रहते हैं, अगले वर्ष भी और अगली पीढ़ी में भी। यही श्रीराम की सबसे बड़ी विशेषता है। वे किसी एक कथा के नायक नहीं हैं, समूची भारतीय सभ्यता के अविराम नायक हैं। 'अविराम' यानी जिसके प्रवाह में कोई विराम न हो। राम का यही स्वरूप उन्हें दूसरे महान चरित्रों से अलग एक विशिष्ट प्रतिष्ठा प्रदान करता है। वे किसी एक ग्रंथ में बंद नहीं हैं, किसी एक भाषा के नहीं हैं और न ही किसी एक युग भर की जरूरत हैं। वे जितने वाल्मीकि के हैं, उतने ही तुलसी के हैं। जितने संस्कृत के हैं, उतने ही अवधी के हैं। वह जितने तमिल, तेलुगू, बांग्ला, उड़िया, मराठी, मलयालम के हैं, उतने ही असंख्य लोकभाषाओं के भी हैं। वह जितने ग्रंथों में हैं, उससे कहीं ज्यादा लोकस्मृति और लोकचेतना में भी व्याप्त हैं।

आत्मसंयम की विराट चेतना

श्रीराम की पहली विराट साहित्यिक छवि हमें वाल्मीकि के रामायण में मिलती है। यहां श्रीराम का नायकत्व केवल उनके शौर्य में नहीं है, वे एक ऐसे महापुरुष के रूप में सामने आते हैं, जिसके सामने जीवन लगातार अपने कठिन से कठिन निर्णय रखता है। राजपाट छोड़ना, वन गमन, प्रिय का वियोग सहना, मित्र बनाना, युद्ध करना और विजय के बाद अयोध्या लौटना। श्रीराम की यात्रा दरअसल, बाहरी युद्ध से कहीं अधिक अंतर्संघर्ष की यात्रा है। यही कारण है कि श्रीराम के नायकत्व को आत्मसंयम की विराट चेतना माना जाता है। भारतीय सभ्यता ने उन्हें केवल पूजा नहीं, उन्हें बार-बार इसलिए पुनर्सृजित किया है कि कोई भी युग बिना श्रीराम के आदर्श नायकत्व के अधूरा है।

रामकथा का भौगोलिक विस्तार

तुलसीदास ने 'रामचरितमानस' के माध्यम से राम को लोकभाषा और भक्ति की एक ऐसी धारा में उतारा है, जिसने उन्हें राजमहलों और विद्वानों के संसार से निकालकर आमजन के जीवन का अभिन्न हिस्सा बना दिया। रामलीलाओं ने उन्हें जनमानस में प्रतिष्ठित किया, लोकगीतों ने उन्हें गांव-गांव तक पहुंचाया, चित्रकला ने उनके अनेक रूप गढ़े, मंदिरों ने उनके लिए असंख्य स्थापत्य रचे और श्रीराम की वर्षों तक चली यात्राओं ने रामकथा को भौगोलिक विस्तार प्रदान किया। अयोध्या से चित्रकूट, पंचवटी से रामेश्वरम तक फैला भूगोल आज भी एक ऐसी सांस्कृतिक स्मृति का विस्तार है, जिसमें रामकथा और उनके साक्षी रहे अनेक स्थल एक-दूसरे में घुल-मिल जाते हैं, यही राम की सभ्यतागत महाशक्ति है।







स्थापित किया मर्यादा का आदर्श

भारतीय जनमानस में श्रीराम के साथ ही श्रीकृष्ण और शिव भी युगों से आराध्य हैं। श्रीकृष्ण भारतीय चेतना में जटिल परिस्थितियों के बीच, विवेक, रणनीति और जीवन की बहुरंगी लीला के नायक हैं, जबकि शिव विराग, तप, संहार और पुनर्सृजन का प्रतिनिधित्व करते हैं। श्रीराम का विराट स्वरूप ऐसा है कि वे संसार से दूर नहीं जाते और न ही हर परिस्थिति को अपनी इच्छा के मुताबिक मोड़ते हैं। वे संसार के भीतर रहकर मर्यादा का अर्थ खोजते हैं। श्रीकृष्ण हमें बताते हैं कि जटिल संसार में धर्म को कैसे पहचाना जाए? शिव हमें चेताते हैं कि आसक्ति से परे उठना क्या होता है? लेकिन राम अपने जीवन से संदेश देते हैं कि मनुष्य होकर अपनी शक्ति, इच्छा और अधिकार को मर्यादा में कैसे रखा जाए? इसलिए श्रीराम का चरित्र भारतीय सभ्यता के लिए केवल धार्मिक आदर्श नहीं है, उनके जीवन से आदर्श सामाजिक संरचना का भी एक आधार रूप निर्मित होता है।

सामाजिक सहभागिता के पोषक

श्रीराम की कथा में एक और महत्वपूर्ण बात निहित है। उनकी विजय अकेले उनकी विजय नहीं है। राम जब वन में जाते हैं तो निषादराज उनके साथ मित्रवत खड़े दिखाई देते हैं। सुग्रीव और वानर समुदाय उनके संघर्ष में सहभागी बनते हैं। हनुमान, उनकी शक्ति का विस्तार बनते हैं, तो विभीषण शत्रु पक्ष से निकलकर उनके साथ आते हैं। कहने का मतलब रामकथा एक ऐसे नायक की कथा भी है, जो विविध समुदायों को साथ लेकर अपनी लोकयात्रा पूरी करता है। इस दृष्टि से भी श्रीराम भारतीय सभ्यता की बहुलतावादी स्मृति के नायक हैं।

प्रशस्त करते हैं आदर्श जीवन की राह

श्रीराम मर्यादित आदर्श जीवन की राह भी बताते हैं- शक्ति मिलने के बाद मनुष्य कैसा रहे? अधिकार मिलने के बाद उसका आचरण कैसा हो? निजी सुख और सार्वजनिक दायित्व में टकराव हो तो क्या चुना जाए? विजय के बाद अहंकार से कैसे बचा जाए और सबसे कठिन प्रश्न- क्या महान होना केवल दूसरों पर विजय पाना है या स्वयं पर नियंत्रण रखना भी महानता है? शायद इसी कारण श्रीराम की सबसे बड़ी विजय लंका पर विजय नहीं है, उनकी सबसे बड़ी विजय उस निरंतर मानवीय प्रयास में है, जिसमें मनुष्य शक्ति के बावजूद मर्यादा, संकट के बावजूद धैर्य और विजय के बावजूद आत्मसंयम बनाने की कोशिश करता है। *

विश्वव्यापी हैं श्रीराम

श्रीराम की कथा भारत की भौगोलिक सीमाओं तक ही नहीं सिमटती है। दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया की अनेक सांस्कृतिक परंपराओं में रामायण के अलग-अलग रूप मिलते हैं। कहीं श्रीराम आदर्श राजा हैं, कहीं राम नायक हैं, कहीं सांस्कृतिक पूर्वज और कहीं लोककथा के पात्र हैं। अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में कथा बदलती रही, पात्रों के नाम और अर्थ भी बदलते रहे, लेकिन श्रीराम की उपस्थिति निरंतर बनी रही। वास्तव में यही उनके अविराम होने का अर्थ है। श्रीराम, हर युग में एक जैसे नहीं रहे और शायद उन्हें एक जैसा रहना भी नहीं था। किसी युग ने उनमें मर्यादा देखी, किसी ने लोकमंगल, किसी ने आदर्श शासक, किसी ने त्याग, किसी ने करुणा और किसी ने मनुष्य के नैतिक संघर्ष का नायक।



दशहरे के पर्व से कई पौराणिक मान्यताएं और कथाएं जुड़ी हुई हैं। इनमें सबसे प्रमुख श्रीराम कथा, महिषासुर मर्दिनी दुर्गाजी की कथा और शमी वृक्ष शस्त्र पूजन कथा हैं। इन कथाओं में क्या निहितार्थ हैं और इनकी पूजन परंपरा के बारे में जानिए।

धर्म-सत्य-आत्मविजय का प्रतीक पर्व है दशहरा

निहितार्थ / वीरेंद्र बहादुर सिंह

दशहरा यानी विजय दशमी भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व है। यह दिन बुराई पर अच्छाई, अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक माना जाता है। हिंदू परंपरा में इस पर्व से भगवान श्रीराम द्वारा रावण के वध और देवी दुर्गा द्वारा महिषासुर के संहार की कथाएं जुड़ी हैं। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में इसे अपनी-अपनी परंपराओं और मान्यताओं के अनुसार मनाया जाता है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व का धार्मिक महत्व तो है ही, इसके साथ शस्त्र पूजन, शमी पूजन और नए कार्यों के शुभारंभ जैसी परंपराएं भी जुड़ी हुई हैं।

रावण पर श्रीराम की विजयः दशहरे की सबसे प्रसिद्ध कथा रामायण से जुड़ी है। सीता हरण के बाद श्रीराम और रावण के बीच भीषण युद्ध हुआ। अंततः श्रीराम ने रावण का वध किया। इसी स्मृति में दशहरे पर रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन किया जाता है। इसका संदेश केवल किसी पुतले को जलाने तक सीमित नहीं है। यह अपने भीतर मौजूद अहंकार, क्रोध, लोभ और अन्याय जैसी प्रवृत्तियों को समाप्त करने के संकल्प का भी प्रतीक माना जाता है।



महिषासुर मर्दन की कथाः विजय दशमी का संबंध देवी दुर्गा और महिषासुर की कथा से भी है। धार्मिक ग्रंथों में वर्णित मान्यता के अनुसार महिषासुर को ऐसा वरदान प्राप्त था कि कोई पुरुष उसका वध नहीं कर सकता था। वरदान के कारण उसका अहंकार बढ़ गया और उसने तीनों लोकों में उत्पात मचा दिया। देवताओं की शक्तियों के समन्वय से देवी दुर्गा का प्राकट्य हुआ। देवी ने महिषासुर से नौ दिनों तक युद्ध किया और दसवें दिन उसका वध किया। इसी कारण विजय दशमी को शक्ति और अनिष्ट पर विजय का प्रतीक माना जाता है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा सहित कई क्षेत्रों में यह दिन विशेष उत्साह से मनाया जाता है।

श्रीराम-दुर्गा पूजनः दशहरे के दिन भगवान श्रीराम और देवी दुर्गा की पूजा करने की परंपरा है। पूजा के लिए घर के स्वच्छ स्थान को तैयार कर वहां भगवान राम अथवा देवी दुर्गा का चित्र या मूर्ति स्थापित की जाती है। स्वच्छ वस्त्र धारण कर पूजा स्थल को साफ करें और श्रद्धानुसार कलश स्थापित करें। कलश में जल, आम के पत्ते और नारियल रखने की परंपरा है। इसके बाद भगवान श्री गणेश का पूजन करें। उन्हें फूल, धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित करें। फिर श्रीराम और देवी दुर्गा को रोली, अक्षत, पुष्प अर्पित करें। फल और मिठाई का भोग लगाएं। 'ॐ दुर्गायै नमः' या 'श्री रामाय नमः' मंत्र का जाप करें। अंत में आरती करें।

पांडवों और शमी वृक्ष की परंपराः दशहरे से महाभारत की एक घटना भी जोड़ी जाती है। मान्यता है कि पांडवों ने अपने 12 वर्ष के वनवास और एक वर्ष के अज्ञातवास के दौरान अपने शस्त्र शमी के वृक्ष पर छिपा दिए थे। अज्ञातवास पूरा होने के बाद उन्होंने विजय दशमी के दिन अपने शस्त्र वापस प्राप्त किए। इसी परंपरा के कारण दशहरे पर शस्त्रपूजन और शमी पूजन का विशेष महत्व माना जाता है। प्राचीन समय में योद्धा और सैनिक विजय दशमी पर अपने शस्त्रों की पूजा करते थे। आज इस परंपरा का विस्तार हो गया है। व्यापारी अपने प्रतिष्ठान, कारीगर अपने औजार, किसान कृषि उपकरण, चालक वाहन और दूसरे पेशे से जुड़े लोग अपने कार्य में उपयोग होने वाली वस्तुओं का पूजन करते हैं। पूजा के लिए उपकरणों को साफ करके स्वच्छ स्थान पर रखें। रोली, अक्षत और पुष्प अर्पित करें। दीप जलाकर अपने कार्य में सफलता, सुरक्षा और सद्बुद्धि की प्रार्थना करें। इस परंपरा का आधुनिक अर्थ यह भी हो सकता है कि हम उन साधनों का सम्मान करें, जिनसे हमारी आजीविका चलती है और उनका जिम्मेदारी से उपयोग करें। दशहरे की शाम श्रद्धालु शमी वृक्ष के पास जाकर जल, अक्षत और कुमकुम अर्पित करते हैं। इन धार्मिक विधियों का पालन अपनी पारिवारिक और क्षेत्रीय परंपरा के अनुसार किया जा सकता है।

दशहरे का संदेशः दशहरे का महत्व केवल रावण दहन या पूजा तक सीमित नहीं है। आज के समय में इसका सबसे उपयोगी संदेश आत्मचिंतन और आत्मसंयम से जुड़ा है। हम अपने भीतर के अहंकार को कैसे मिटा सकते हैं? क्रोध पर कितना नियंत्रण रख सकते हैं? दूसरों के अधिकार और सम्मान का कितना ध्यान रखते हैं? अपने काम में ईमानदारी और जिम्मेदारी कितनी निभाते हैं? ये प्रश्न विजय दशमी के अवसर पर स्वयं से पूछकर आत्मविवेचन करना चाहिए। रावण का पुतला जलाने के साथ यदि हम अपने भीतर की किसी एक नकारात्मक आदत को छोड़ने का संकल्प भी लें, तो पर्व का संदेश हमारे दैनिक जीवन से जुड़ सकता है। विजय दशमी का पर्व हमें याद दिलाता है कि वास्तविक विजय केवल किसी बाहरी शत्रु पर नहीं, बल्कि अपने भीतर के अहंकार, क्रोध, लोभ और अन्याय पर नियंत्रण पाने में भी है। यही दशहरे की परंपरा को वर्तमान जीवन में सार्थक बनाने का उचित मार्ग है। *



दोहे
प्रो. शरद नारायण खरे

विजया दशमी के दोहे

विजया दशमी पर्व तो, कहे यही हर बार।
नीति, सत्य, सत्कर्म से, पलता है उजियार।।
अहंकार से हो सदा, इंसां की तो हार।
विनत भाव से हो सतत, मानव का सत्कार।।
मर्यादा का आचरण, करे विजय-उद्घोष।
कितना भी सामर्थ्य पर, खोना ना तुम होश।।
लंकापति मद में भरा, करता था अभिमान।
तभी हुआ संपूर्ण कुल, का देखो अवसान।।
विजया दशमी पर्व नित, देता यह संदेश।
विनत भाव से जो रहे, उससे हार क्लेश।।
निज गरिमा को त्यागकर, रावण बना असंत।
इसीलिए असमय हुआ, उस पापी का अंत।।
पुतला रावण का नहीं, जलता पाप-अधर्म।
समझ-बूझ लें आप सब, यही पर्व का मर्म।।
विजय राम की कह रही, सम्मानित हर नार।
नारी के सम्मान से, ही सुखमय संसार।।
उजियारा सबने किया, हुई राम की जीत।
आओ हम गरिमा रखें, बनें सत्य के मीत।।
कहे दशहरा मारना, अंतर का अंधियार।
भीतर जो रावण रहे, उस पर करना वार।।
बुरे कर्म ना पोसना, वरना तय अवसान।
निरभिमान की भावना, लाती है उत्थान।।

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

यूं तो एक पुस्तक लिखकर भी कालजयी लेखक हुआ जा सकता है, तिस पर प्रकाश जी की तेरह पुस्तकें छप चुकी हैं। वह काल से परे हो चुके हैं। प्रकाश जी की विशेषता है कि वे फुटकर में नहीं लिखते। जब भी लिखते हैं, मोटा ग्रंथ ही लिखते हैं।

सम्मान की शॉलें और बेनतीजा बहसें

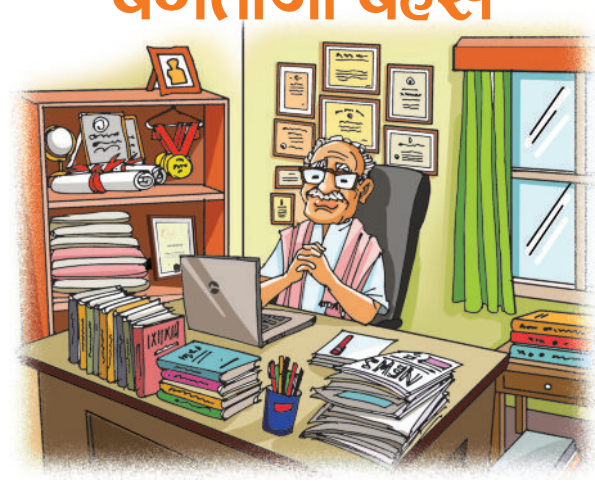

एक हैं प्रकाश जी, दूसरे हैं परीक्षित जी। एक ही शहर में रहते हैं। दोनों में कुल जमा दो बातों को छोड़कर और कुछ भी उभयनिष्ठ नहीं है। वो ये है कि दोनों स्वयं की दृष्टि में व्यंग्य के बड़े लेखक और प्राध्यापक हैं। दूसरी बात, दोनों के नाम के आगे 'डॉक्टर' और पीछे 'जी' लगा हुआ है। ये दोनों जहां पर भी आमंत्रित होते हैं, अपने सम्मान की शॉलें घर से ओढ़कर जाते हैं। प्रकाश जी कहते हैं, 'घर पर ऐसी ही पचास शॉलें रखी हुई हैं।' परीक्षित जी कहते हैं, 'अपने पास तो इतनी शॉलें हैं कि एक ठीक-ठाक दुकान खुल सकती है।'

प्रकाश जी की विशेषता है कि वे फुटकर में नहीं लिखते। जब भी लिखते हैं, मोटा ग्रंथ ही लिखते हैं। उनकी एक पुस्तक तीन-चार साल में प्रकाशित होती है। उसकी सरकारी खरीद हो जाती है। वह पुस्तक सार्वजनिक पुस्तकालयों में संरक्षित हो जाती है। इस तरह प्रकाशित बीस प्रतिशत पुस्तकें, प्रकाशक उनको रॉयल्टी के बदले सौंप देते हैं। इसका कुछ भाग पत्र-पत्रिकाओं में समीक्षा के नाम पर भेंट चढ़ जाता है। यथा आवश्यकता प्रकाश जी खुद ही समीक्षा लिखते हैं और अपने घनिष्ठ मित्रों के नाम से छपाने का जुगाड़ बिठाते हैं। बच गई बाकी पुस्तकों को वे सुपात्रों को 'सप्रेम भेंट' कर देते हैं। इस तरह वे सतत चर्चा में बने रहते हैं। आखिर मुफ्त की भेंट की चर्चा सभी करते हैं।

यूं तो एक पुस्तक लिखकर भी कालजयी लेखक हुआ जा सकता है, तिस पर प्रकाश जी की तेरह पुस्तकें छप चुकी हैं तो वे काल से परे हो चुके हैं। प्रकाश जी खुद भी मानते हैं कि इतने सृजन के पश्चात साहित्य में जिसे अमर होना कहा जाता है, वह वे हो चुके हैं। दूसरे लेखक उन्हें अमर मानें न मानें, वे इसकी परवाह नहीं करते। उनकी मान्यता है कि अंतरात्मा की आवाज ही सच्ची होती है और उनकी अंतरात्मा से सतत अमर होने की ध्वनि आती रहती है।

परीक्षित जी कुछ अलग किस्म के जीव हैं। व्यवस्थित लिखाड़ हैं। प्रकाश जी कलम से लिखते हैं तो परीक्षित जी लैपटॉप में। परीक्षित जी फुटकर में लेखन करते हैं। वे पुस्तकों को घास का गट्ठर बांधना कहते हैं। उनका दावा है कि अगर वे अपने व्यंग्य लेखों को संकलित कर छपवा दें तो बीस-बाइस गट्ठर तैयार हो सकते हैं। परीक्षित जी कम-से-कम बीस समाचार पत्रों में नियमित स्तंभ लिखते हैं। वे व्यंग्य लेखन को नित्य कर्म की तरह करते हैं। कभी-कभी तो बाथरूम में भी लैपटॉप लेकर बैठ जाते हैं। अखबारों के पाठक उनके लेखों से ज्यादा परीक्षित जी के नाम से परिचित हैं, इसलिए परीक्षित जी एक सुपरिचित लेखक कहे जाते हैं।

प्रकाश जी और परीक्षित जी के खेमे अलग-अलग हैं। शाश्वत लेखन और तात्कालिक लेखन की पारस्परिक श्रेष्ठता को लेकर दोनों के खेमे लगभग हर माह संगोष्ठियों के बंदनवार सजा देते हैं। कभी इस शहर में तो कभी उस शहर में पताकाएं फहरती रहती हैं। एक जैसी और बेनतीजा समाप्त होने वाली इन संगोष्ठियों से सिर्फ इतना होता है कि कभी प्रकाश जी की शॉलों की संख्या बढ़ जाती है तो कभी परीक्षित जी की।

बहरहाल, दोनों ही आश्वस्त हैं कि उनके चलते व्यंग्य लेखकों में राजनीति, गुटबाजी, मस्काबाजी, पुरस्कार के जोड़-तोड़ और फिजूल बहसबाजी की पुरातन परंपरा आज भी बदस्तूर जारी है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

काव्यचेतना का उद्घोष

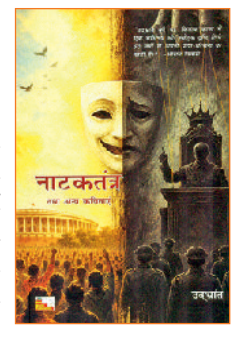

वरिष्ठ कवि उद्भ्रांत अनेक विधाओं में करीब छह दशकों से निरंतर सक्रिय हैं। काव्य सृजन के क्षेत्र में उनकी रचनाशीलता ने नए आयाम स्थापित किए हैं। लगभग पांच दशक बाद उनके चर्चित कविता संग्रह 'नाटकतंत्र तथा अन्य कविताएं' का पुनर्प्रकाशन हुआ है। इस संग्रह में कुल बारह कविताएं हैं। इनमें ग्यारह छोटी और एक बड़ी कविता शामिल है। 'कविता के विरुद्ध' कविता की पंक्तियां 'यह आग किसी को जला देती है/ और किसी को तपा देती है।' न केवल अपने रचे जाने के दौर में बल्कि आज के समय में भी कविता की सामर्थ्य और उसकी विवशता का आख्यान प्रस्तुत करती हैं। 'इनके गुस्से को शांत करें' कविता की ये पंक्तियां, 'सन्नाटे का शोर/इसलिए बढ़ रहा है/क्योंकि इनका पारा/सातवें आसमान पर चढ़ रहा है।' आज से पांच दशक पहले की सामाजिक-राजनीतिक परिस्थिति का सटीक चित्रण प्रस्तुत करती हैं। दशकों बाद भी इन कविताओं की प्रासंगिकता बनी हुई है। *

पुस्तकः नाटकतंत्र तथा अन्य कविताएं, **लेखकः** उद्भ्रांत, **मूल्यः** 225 रुपए, **प्रकाशकः** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

लघुकथा / बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

कमी पूरी हो गई

जैसे ही महेंद्र वहां पहुंचा, एक युवक ने प्रशंसात्मक भाव से कहा, 'आप जिन सधे कदमों से अंदर आए वह आपके व्यक्तित्व को बताता है। आप यहां बैठिए।' उसने बगल में खाली कुर्सी की ओर इशारा किया।

उसे आश्चर्यमिश्रित प्रसन्नता हुई और बैठते हुए उसके मुंह से निकला, 'धन्यवाद।' इस बीच एक अन्य युवक कमरे में दाखिल हुआ। वह उसके बाजू वाली कुर्सी पर आकर बैठा ही था कि उसके चेहरे पर नजर पड़ते ही बोल उठा, 'आपकी हेयरस्टाइल बहुत बढ़िया है, आपके चेहरे पर जंच रही है।'

महेंद्र फूलकर कुप्पा हो गया और बोला, 'शुक्रिया।' उसके स्वर में आत्मविश्वास झलक रहा था। इंटरव्यू प्रारंभ होने वाला था। इस बीच सामने वाली कुर्सी पर बैठा युवक कुछ देर उसे ध्यान से देखता रहा, फिर कहने लगा, 'आपके कपड़ों की फिटिंग और आपकी कलर चॉइस लाजवाब है। मैं भी कुछ इसी तरह से पसंद करता हूं।' फिर उसने पूछा, 'आप कपड़े कहां से सिलवाते हैं?'

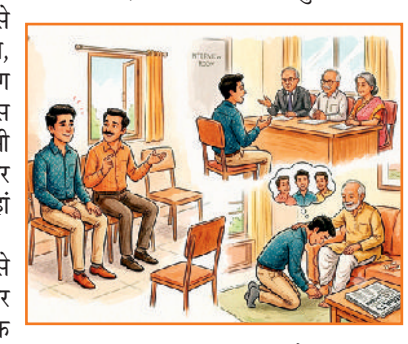

महेंद्र ने मुस्कराते हुए उसे टेलर का नाम बताया, फिर कुछ खुलकर कहा, 'तारीफ के लिए धन्यवाद। जानकर खुशी हुई कि आपकी पसंद भी मेरी तरह है।' तभी महेंद्र का नाम पुकारा गया। वह साक्षात्कार कक्ष की ओर बढ़ा तो महसूस हुआ कि उसकी चाल कुछ सधी हुई है। वह अनुमति लेकर साक्षात्कारकर्ताओं के सामने की कुर्सी पर धीरे से बैठ गया। उसके होंठों पर सहज स्मित थी। उसने पूछे गए सभी प्रश्नों के उत्तर आत्मविश्वास के साथ दिए। हालांकि इक्का-दुक्का सवालों के सटीक जवाब वह नहीं जानता था, फिर भी हड़बड़ाया या हकलाया नहीं। बाहर निकला तो सोचा कि तारीफ करने वालों का एक बार फिर आभार व्यक्त कर दूं, किंतु उनमें से कोई चेहरा नजर नहीं आया।

महेंद्र को आश्चर्य तो हुआ कि वे लोग इंटरव्यू के बिना ही कैसे चले गए, पर उसने इस बारे में ज्यादा सोचा नहीं। एक महीने बाद अंतिम परिणाम घोषित हुआ तो महेंद्र अच्छी रैंक के साथ चयनित हो गया था। उसे आठ अलग-अलग प्रयासों के बाद अंततः नवीं कोशिश में नौकरी मिल गई थी। जब वह पिता का आशीर्वाद लेने पहुंचा तो दिल में उमड़ता प्रश्न होंठों पर आ ही गया, 'पापा, पता नहीं क्यों मैं पहले इंटरव्यू के दौरान हताश हो जाता था, परंतु इस बार तो जैसे चमत्कार हो गया। मुझे थोड़ी-सी भी झिझक या भय महसूस नहीं हुआ।' पिता उसे गले लगाते हुए बोले, 'बेटा, तुम्हारी समझ और जानकारी कभी कम नहीं थी। कमी थी तो सिर्फ आत्मविश्वास की। यह कमी मेरे भेजे लोगों ने पूरी कर दी।'

सहसा महेंद्र की आंखों के सामने वे तारीफ करने वाले चेहरे उभर आए। *

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



वनदेवी...जहां चढ़ाए जाते हैं कंकड़ और पत्थर

नवरात्रि-7 दिन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

वैसे तो सैकड़ों ऐसे मंदिर हैं, जहां देवी-देवताओं के चढ़ावे के लिए प्रसाद, चुनरी या अन्य कई तरह की सामग्री चढ़ाई जाती है। लेकिन कुछ ऐसे देवी देवता भी हैं जिन्हें चढ़ावे के रूप में अलग तरह की वस्तु पसंद हैं और उनकी पसंद की वस्तु चढ़ाने ⏭शेष पेज 6 पर

खमतराई में है वनदेवी का एक अनोखा मंदिर



स्वयंभू स्थापित हैं देवी

वनदेवी के बारे में कहा जाता है कि वह स्वयंभू स्थापित हैं, क्योंकि लगभग 500 सालों से लोग यहां आ रहे हैं, लेकिन किसी को यह नहीं मालूम है कि देवी की प्रतिमा कौन लेकर आया है और यहां कैसे पहुंची। कहते हैं कि पेड़ के नीचे ही लोगों को देवी की प्रतिमा दिखी थी। लेकिन बाद में धीरे-धीरे लोगों को देवी मां के चमत्कार की जानकारी लगने लगी और छोटे से मंदिर के रूप में निर्माण कराकर देवी को स्थापित कर दिया गया।



मन्नत वाली महाकाली

प्रतिमा स्थापना के लिए 2056 तक बुकिंग, समिति ने बुकिंग बंद की

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबलपुर

संस्कारधानी जबलपुर के रांझी स्थित मन्नत वाली महाकाली का दरबार श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का केंद्र है। यहां माता के प्रति भक्तों का विश्वास ऐसा है कि प्रतिमा स्थापना के लिए वर्ष 2056 तक बुकिंग हो चुकी है। बढ़ती मांग और लंबी प्रतीक्षा सूची के बीच समिति ने अब नई बुकिंग बंद कर दी है। इस दरबार की विशेषता यह है कि भक्तों की मान्यता के अनुसार, मनोकामना पूरी होने पर वे माता की प्रतिमा स्थापित कर अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। यही परंपरा इस स्थान को विशिष्ट पहचान ⏭शेष पेज 6 पर

मनोकामना पूरी होने पर स्थापित करते हैं प्रतिमा

रांझी की मन्नत वाली महाकाली के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था केवल दर्शन और पूजा तक सीमित नहीं है। यहां भक्त माता के समक्ष अपनी मनोकामना रखते हैं और मुराद पूरी होने पर प्रतिमा स्थापित करने का संकल्प लेते हैं। श्रद्धालु इसे माता के प्रति आभार व्यक्त करने का माध्यम मानते हैं। इसी मान्यता के चलते प्रतिमा स्थापना के लिए लोगों में विशेष उत्साह रहता है। बुकिंग का वर्ष 2056 तक पहुंचना इस परंपरा से जुड़े लोगों की संख्या और इसके प्रति उनके लगाव को दर्शाता है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

भारी भीड़ और तेज बारिश के बीच हुआ बड़ा हादसा

कोलकाता के दुर्गा पूजा पंडाल में भगदड़, 17 की मौत, 40 घायल

अचानक मची भगदड़, चारों ओर अफरा-अफरी का माहौल

कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल में शनिवार शाम तेज बारिश के बीच भगदड़ मचने से बड़ा हादसा हो गया। सप्तमी के दिन दर्शन के लिए उमड़ी भीड़ के बीच मची भगदड़ में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 40 लोग घायल हो गए।

एजेंसी ⏭ कोलकाता

उत्तर कोलकाता में दुर्गा पूजा के एक पंडाल में शनिवार को भगदड़ में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गयी और 40 अन्य लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घायलों में से एक की हालत गंभीर है। घटना के बाद कलकत्ता मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पहुंचे अधिकारी ने कहा, 17 लोगों को अस्पताल में मृत अवस्था में लाया गया, जबकि 40 अन्य घायल हुए हैं।

- मुख्यमंत्री शुभेंदु घायलों से मिले, मुआवजे का ऐलान

उन्होंने कहा कि उत्तर कोलकाता में चित्तरंजन एवेन्यू के पास चोरबागान में सामुदायिक दुर्गा पूजा के आयोजकों की एक घोषणा के बाद श्रद्धालुओं में अचानक आगे बढ़ने की होड़ मच गई, जिससे यह 'दुखद घटना' हुई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जैसे ही बारिश शुरू हुई, चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल के बाहर प्रतीक्षा कर रही भीड़ आगे की ओर भागी, जिससे कुछ लोग सड़क पर गिर गए और भगदड़ मच गई। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल ने सरकारी अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना। पश्चिम बंगाल के स्वास्थ्य मंत्री सरदवत मुखर्जी और वरिष्ठ अधिकारी तुरंत अस्पताल पहुंचे। अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर आपदा प्रबंधन कर्मियों को तैनात किया गया है। ⏭शेष पेज 6 पर



कमेटी के पदाधिकारियों ने दिया इस्तीफा: चोरबागान सार्वजनीन दुर्गा पूजा पंडाल में हादसे की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए चोरबागान सार्वजनीन दुर्गोत्सव समिति के महासचिव जयंत बनर्जी और कार्यकारिणी के तमाम पदाधिकारियों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। घटना के बाद से ही पूजा समिति और स्थानीय प्रबंधन पर लगातार सवाल उठाए जा रहे थे।



राष्ट्रपति, पीएम, शाह और राहुल ने दुख जताया

दुर्गा पूजा पंडाल में हुई लोगों की मौत पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गहरा दुख जताया। प्रधानमंत्री ने हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी हादसे पर दुख जताया है।

अंधेरा, भारी भीड़ और संकरा रास्ता

घटनास्थल पर मौजूद एक चश्मदीद ने भयावह मंजर को याद करते हुए बताया, कई लोग बेहोश हो गए थ। कुछ लोगों को मोटरसाइकिलों पर लादकर ले जाया जा रहा था। मैंने अपने आस-पास यही सब होते देखा। जब लोग बेहोश हुए, तो उन्हें बाइकों पर बैठाकर अस्पताल ले जाया गया। वहां भारी भीड़ थी और चारों तरफ अफरा-तफरी मची हुई थी। एक अन्य चश्मदीद ने व्यवस्थाओं की पोल खोलते हुए कहा, प्रवेश द्वार बहुत संकरा था और निकास द्वार भी बेहद संकरा था. सबसे बड़ी बात यह है कि उस जगह पर रोशनी का कोई इंतजाम नहीं था। इस लापरवाही ने स्थिति को और बिगाड़ दिया। मेरी अपनी बेटी और पोती इस हादसे के बाद अस्पताल में भर्ती हैं। एक अन्य शख्स सुब्रत चटर्जी ने बताया, मेरे एक दोस्त की जान चली गई। भीड़ में वह कुचला गया। वह मेरे घर के पास ही रहता था।

127 वर्षों से विराजमान जबलपुर की महारानी, 2045 तक की बुकिंग

गढ़ा फाटक की महाकाली माता के दर्शन के लिए नवरात्रि में उमड़ते हैं हजारों श्रद्धालु

हरिभूमि ⏭ जबलपुर

संस्कारधानी जबलपुर की धार्मिक पहचान में गढ़ा फाटक की महाकाली माता का विशेष स्थान है। 127 वर्षों से प्रतिमा स्थापना की परंपरा से जुड़ी माता को भक्त श्रद्धापूर्वक 'जबलपुर की महारानी' कहते हैं। नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ⏭शेष पेज 6 पर

आस्था और परंपरा का 127 वर्षों का सफर

जबलपुर में दुर्गोत्सव की परंपरा वर्षों पुरानी है। शहर में नवरात्रि के दौरान स्थापित होने वाली भव्य प्रतिमाएं धार्मिक आस्था के साथ सांस्कृतिक विरासत की पहचान भी हैं। गढ़ा फाटक की महाकाली माता इसी परंपरा का प्रमुख केंद्र हैं। माता की प्रतिमा के दर्शन के लिए न केवल शहर, बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं। समय के साथ इस आयोजन ने व्यापक पहचान बनाई और माता को 'जबलपुर की महारानी' के रूप में ख्याति मिली।

खबर संक्षेप

लंदन में ज्ञानेश के खिलाफ प्रदर्शन

लंदन। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस और ब्रिटेन स्थित भारतीय छात्र संगठनों द्वारा मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ आयोजित प्रदर्शन में शनिवार को लंदन के 'पार्लियामेंट स्क्वायर' में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास सैकड़ों लोग जुटे। 'स्टॉप वोट चोरी' प्रदर्शन में यूट्यूबर ध्रुव राठी के मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे। लोगों ने उनका उत्साह बढ़ाया। वहीं गांधी प्रतिमा के दूसरी ओर एक छोटे समूह ने 'मोदी, मोदी' के नारे लगाए। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अधिकारियों ने दोनों समूहों को अलग रखा। दोनों समूहों के बीच तनाव बढ़ने लगा, क्योंकि वे एक-दूसरे के नारों की आवाज को दबाने के लिए और तेज नारेबाजी की कोशिश कर रहे थे।

यह कहा राठी ने- राठी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'हम विदेशी हस्तक्षेप नहीं चाहते। मैं यहां पार्लियामेंट स्क्वायर में भारतीयों और प्रवासी भारतीयों को संबोधित करने आया हूं।' उन्होंने कहा, 'हमारे देश में 'वोट चोरी' के खिलाफ संदेश फैलाना महत्वपूर्ण है।

गहरे नाले में गिरी मिनी बस चार की मौत

कोटा। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह करीब 17 यात्रियों को लेकर जा रही एक मिनी बस के 15 फुट गहरे नाले में गिरने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और दो अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना सुबह करीब छह बजे एक्सप्रेसवे पर सिमलिया थाना क्षेत्र में हुई।

तमिलनाडु के जाने-माने संगीतकार देवा का निधन



चेन्नई। अपनी अनूठी 'गाना' संगीत शैली के लिए लोकप्रिय संगीतकार देवा (75) का चेन्नई में निधन हो गया। तमिल भाषी लोगों के बीच लोकप्रिय 'गाना' संगीत शैली को पहचान दिलाने में देवा का अहम योगदान रहा। इस शैली के जरिए उन्होंने समाज के वंचित तबकों के जीवन, उनकी पसंद-नापसंद और युवाओं की रोजमर्रा की जिंदगी के उतार-चढ़ाव को मुख्यधारा के संगीत में जगह दी।











बैंक एफडी से आगे निकल सकते हैं ये म्यूचुअल फंड?

ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ बाजार जोखिम भी, निवेश से पहले समझें कौन-सा विकल्प आपके लिए बेहतर



बिजनेस डेस्क

बैंक की सावधि जमा यानी एफडी को सुरक्षित निवेश का भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। इसमें ब्याज दर पहले से तय रहती है और निर्धारित अवधि पूरी होने पर मिलने वाली रकम का अनुमान लगाया जा सकता है। लेकिन जो निवेशक थोड़ा जोखिम उठाकर बेहतर रिटर्न की संभावना तलाशना चाहते हैं, उनके सामने म्यूचुअल फंड भी एक विकल्प हो सकते हैं। भारतीय स्टेट बैंक म्यूचुअल फंड की कुछ योजनाएं अपेक्षाकृत कम अवधि या सीमित जोखिम वाले निवेश के उद्देश्य से बनाई गई हैं। हालांकि, इन्हें बैंक एफडी जितना सुरक्षित मानना सही नहीं है। म्यूचुअल फंड में रिटर्न की गारंटी नहीं होती और बाजार की परिस्थितियों के कारण निवेश की रकम घट भी सकती है।

1. एसबीआई सेविंग्स फंड

जिन निवेशकों को अपनी रकम कुछ महीनों के लिए निवेश करनी है, वे एसबीआई सेविंग्स फंड पर विचार कर सकते हैं। यह योजना मुख्य रूप से मनी मार्केट और अन्य अल्पकालिक ऋण साधनों में निवेश करती है। इसका उद्देश्य कम अवधि के लिए रकम का प्रबंधन करना होता है। हालांकि, इसका रिटर्न ब्याज दरों और पोर्टफोलियो में शामिल प्रतिभूतियों के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। यदि किसी निश्चित तारीख पर पूरी रकम की जरूरत है, तो निवेश से पहले निकासी की शर्तें और जोखिम जरूर समझें।

2. एसबीआई लो ड्यूरेशन फंड

यह फंड उन निवेशकों के लिए एक विकल्प हो सकता है, जिन्हें कुछ समय तक रकम की जरूरत नहीं है और वे ऋण आधारित निवेश चाहते हैं। इसमें ब्याज दरों में बदलाव तथा बॉन्ड जारी करने वाली कंपनियों की भुगतान क्षमता से जुड़ा जोखिम रहता है। निवेश करने से पहले फंड की क्रेडिट गुणवत्ता, पोर्टफोलियो की अवधि और खर्च का आकलन करना जरूरी है। कम अवधि का फंड होने का अर्थ यह नहीं है कि इसमें नुकसान की आशंका नहीं है।

3. एसबीआई बैंकिंग एंड पीएसयू फंड

इस श्रेणी के फंड मुख्य रूप से बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और वित्तीय संस्थानों की ऋण प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं। इन संस्थानों की साख अच्छी हो सकती है, लेकिन निवेश पूरी तरह जोखिम मुक्त नहीं होता। ब्याज दरों में बदलाव से बॉन्ड की कीमत प्रभावित हो सकती है। इसलिए निवेश की अवधि और जोखिम सहने की क्षमता के अनुसार ही फैसला लें।

4. एसबीआई आर्बिट्राज फंड

जो निवेशक सीधे शेयरों में पैसा लगाने से बचना चाहते हैं, वे आर्बिट्राज फंड की कार्यप्रणाली समझ सकते हैं। ऐसे फंड नकदी और वायदा बाजार में एक ही शेयर की कीमतों के अंतर से लाभ कमाने की कोशिश करते हैं। इनका जोखिम सामान्य इक्विटी फंड से अलग होता है, लेकिन रिटर्न निश्चित नहीं होता। निवेश से पहले खर्च, कर नियम और संभावित रिटर्न को समझना जरूरी है।

5. एसबीआई कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड

इस श्रेणी के फंड का बड़ा हिस्सा ऋण साधनों में और कुछ हिस्सा शेयरों में लगाया जाता है। इससे निवेशक को दोनों परिसंपत्ति श्रेणियों में भागीदारी मिलती है, लेकिन ब्याज दरों और शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का असर भी पड़ सकता है। इसे चुनने से पहले निवेश अवधि और जोखिम क्षमता का आकलन करें।

एफडी या म्यूचुअल फंड, क्या चुनें?

यदि आपको निश्चित ब्याज दर और तय अवधि में रकम की जरूरत है, तो बैंक एफडी आपकी जरूरत के अधिक अनुकूल हो सकती है। पात्र बैंक जमा पर डीआईसीजीसी के नियमों के तहत एक जमाकर्ता को एक बैंक में समान अधिकार और क्षमता में रखे मूलधन तथा ब्याज को मिलाकर अधिकतम पांच लाख रुपये तक जमा बीमा सुरक्षा मिलती है। दूसरी ओर, म्यूचुअल फंड में बेहतर रिटर्न की संभावना के साथ नुकसान का जोखिम भी रहता है।

त्योहार पर ऑफर देखकर न ललचाएं वरना बढ़ सकता है ईएमआई का बोझ

नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज नहीं देने का दावा कर रहे बैंक

लेकिन छूट छोड़ने और अतिरिक्त शुल्क चुकाने से महंगी पड़ सकती है खरीदारी

मोबाइल, टीवी, फ्रिज से लेकर लैपटॉप तक हर सामान पर छूट और आसान किस्तों का लालच

बिजनेस डेस्क

त्योहारी सीजन में ऑनलाइन और ऑफलाइन बाजार आकर्षक ऑफरों से भरे हैं। मोबाइल, टीवी, फ्रिज से लेकर लैपटॉप तक, हर सामान पर छूट और आसान किस्तों का लालच दिया जा रहा है। इनमें नो-कॉस्ट ईएमआई का ऑफर खास तौर पर ग्राहकों को आकर्षित करता है। एकमुश्त रकम खर्च किए बिना सामान घर लाने और ब्याज नहीं देने का दावा पहली नजर में फायदे का सौदा लगता है। लेकिन सावधान! केवल कम मासिक किस्त देखकर खरीदारी का फैसला करना जेब पर भारी पड़ सकता है। कई बार नो-कॉस्ट ईएमआई के चक्कर में ग्राहक को नकद खरीदारी पर मिलने वाली छूट छोड़नी पड़ती है या प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क चुकाने पड़ते हैं। ऐसे में त्योहार की खरीदारी से पहले ऑफर की चमक के बजाय उसकी वास्तविक लागत समझना जरूरी है।

नो-कॉस्ट ईएमआई का गणित?

नो-कॉस्ट ईएमआई में ग्राहक सामान की कीमत एक साथ चुकाने के बजाय तय अवधि में मासिक किस्तों के जरिए भुगतान करता है। सामान्य ईएमआई में मूल रकम के साथ ब्याज भी देना होता है, जबकि नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज का खर्च किसी दूसरे तरीके से समायोजित किया जाता है। कई ऑफरों में बैंक या वित्तीय संस्थान के ब्याज की भरपाई विक्रेता या कंपनी की ओर से की जाती है। कुछ मामलों में इसके बदले ग्राहक को नकद खरीदारी पर मिलने वाली छूट नहीं मिलती। यानी ब्याज शून्य होने का दावा जरूरी नहीं कि खरीदारी को सबसे सस्ता बना दे। मान लीजिए, किसी मोबाइल की कीमत 30,000 रुपये है और नकद भुगतान पर 3,000 रुपये की छूट मिल रही है। ऐसे में मोबाइल 27,000 रुपये में खरीदा जा सकता है। वहीं, नो-कॉस्ट ईएमआई में यदि ग्राहक को यह छूट नहीं मिलती और उसे 30,000 रुपये किस्तों में चुकाने पड़ते हैं, तो बिना ब्याज के भुगतान करने के बावजूद वह 3,000 रुपये अधिक खर्च करेगा। इसके अलावा प्रोसेसिंग फीस या अन्य लागू शुल्क भी कुल लागत बढ़ा सकते हैं। इसलिए फैसला केवल ईएमआई की रकम देखकर नहीं, बल्कि दोनों विकल्पों की कुल कीमत की तुलना करके करना चाहिए।



खरीदारी से पहले इन बातों पर दें ध्यान

- **नकद कीमत से तुलना करें:** पता करें कि बिना ईएमआई के सामान कितने में मिल रहा है और किस्तों में लेने पर कुल भुगतान कितना होगा।
- **छूट का हिसाब लगाएं:** जांचें कि नो-कॉस्ट ईएमआई चुनने पर तत्काल छूट, कैशबैक या बैंक ऑफर का लाभ तो नहीं छूट रहा।
- **अतिरिक्त शुल्क देखें:** प्रोसेसिंग फीस, उस पर लागू कर और अन्य शुल्क जोड़कर वास्तविक लागत निकालें।
- **किस्त चुकाने की क्षमता परखें:** पहले से चल रहे कर्ज और ईएमआई के साथ नई किस्त जोड़कर देखें कि मासिक बजट पर कितना असर पड़ेगा।
- **देर से भुगतान की शर्तें पढ़ें:** किस्त चूकने पर लगने वाले शुल्क, ब्याज और अन्य नियमों की जानकारी पहले ही लें।
- **जरूरत को प्राथमिकता दें:** केवल त्योहार की छूट या सीमित समय के ऑफर के दबाव में गैरजरूरी सामान न खरीदें।

बचत को किस्तों से बचाएं

- त्योहारी खरीदारी के लिए सबसे बेहतर रणनीति बजट तय करके चलना है। पहले जरूरी सामान की सूची बनाएं, फिर अलग-अलग विक्रेताओं की कीमतों और भुगतान विकल्पों की तुलना करें। यदि एकमुश्त भुगतान के बाद आपातकालीन बचत प्रभावित होती है, तो उचित शर्तों वाली ईएमआई पर विचार किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आने वाले महीनों की आय से किस्तें आसानी से चुकाई जा सकें।
- नो-कॉस्ट ईएमआई का असली फायदा तभी है, जब वह नकदी का बेहतर प्रबंधन करे, न कि भविष्य की आय पर अनावश्यक बोझ डाले। त्योहार की खुशियां कुछ दिनों की होती हैं, लेकिन ईएमआई कई महीनों तक चल सकती है। इसलिए ऑफर देखकर नहीं, जरूरत, कुल लागत और अपनी भुगतान क्षमता देखकर खरीदारी करें।

कब फायदेमंद यह विकल्प

- नो-कॉस्ट ईएमआई हर स्थिति में नुकसान का सौदा नहीं है। यदि किसी जरूरी उपकरण की तत्काल आवश्यकता है और एकमुश्त भुगतान करने से घर का बजट बिगड़ सकता है, तो किस्तों में भुगतान उपयोगी विकल्प बन सकता है। इससे बचत की पूरी रकम एक साथ खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ती और उपलब्ध नकदी का इस्तेमाल दूसरी जरूरी जरूरतों के लिए किया जा सकता है। बशर्ते किस्तों पर खरीदारी की कुल लागत नकद कीमत के मुकाबले उचित हो और मासिक किस्त आसानी से चुकाई जा सके।
- हालांकि, केवल इसलिए महंगा मोबाइल, बड़ा टीवी या नया लैपटॉप खरीदना उचित नहीं है कि उसकी किस्त कम दिखाई दे रही है। यदि सामान की जरूरत नहीं है या मौजूदा उपकरण ठीक काम कर रहा है, तो केवल ऑफर के आकर्षण में खरीदारी करना खर्च बढ़ाने जैसा है।

घर का बजट न बिगड़ने दें

त्योहार की खरीदारी का असली फायदा तभी है, जब उससे घर का बजट न बिगड़े। नो-कॉस्ट ईएमआई का इस्तेमाल वित्तीय सुविधा के रूप में करें, अतिरिक्त खर्च करने के बहाने के तौर पर नहीं। खरीदारी से पहले यह तय करना जरूरी है कि सामान अभी लेना कितना आवश्यक है और उसके लिए भविष्य की कितनी आय खर्च करनी पड़ेगी। यदि किस्त चुकाने के बाद बचत, जरूरी खर्चों या आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त पैसा नहीं बचेगा, तो खरीदारी टालना बेहतर है।एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि कई छोटी-छोटी ईएमआई मिलकर महीने के बजट पर बड़ा दबाव बना सकती हैं। इसलिए हर नई किस्त को अलग-अलग देखने के बजाय अपनी कुल मासिक देनदारी का हिसाब लगाएं। क्रेडिट कार्ड से जुड़ी ईएमआई में भुगतान की शर्तें और बकाया राशि पर लगने वाले शुल्क भी समझें। केवल विज्ञापन में दिख रही किस्त की रकम के आधार पर निर्णय न लें। आर्थिक समझदारी का अर्थ हर सुविधा से दूर रहना नहीं, बल्कि सुविधा का सही समय पर इस्तेमाल करना है। यदि नो-कॉस्ट ईएमआई से नकदी बचती है और कुल लागत भी उचित रहती है, तो इसका लाभ उठाया जा सकता है। लेकिन त्योहार का उत्साह क्षणिक है, जबकि भुगतान की जिम्मेदारी लंबे समय तक रहती है। खरीदारी ऐसी करें, जिसका आनंद बाद में आर्थिक चिंता में न बदले।



एसआईपी पर भरोसा बरकरार

सितंबर में रिकॉर्ड 32,490 करोड़ का निवेश, इक्विटी फंड में भी निवेश बढ़ा

तैयारी
बिजनेस डेस्क

स्मॉलकैप और मिडकैप फंड में सबसे ज्यादा पैसा आया; बाजार की चाल से ज्यादा निवेश की अवधि और जोखिम क्षमता पर ध्यान देना जरूरी

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और निवेश को लेकर अनिश्चितताओं के बीच म्यूचुअल फंड में नियमित निवेश करने वाले निवेशकों का भरोसा कायम है। सितंबर 2026 में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश बढ़कर रिकॉर्ड 32,490 करोड़ रुपये पहुंच गया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में एसआईपी के जरिए 32,297 करोड़ रुपये का निवेश आया था। वहीं, इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश भी अगस्त के 29,329 करोड़ रुपये से बढ़कर सितंबर में 38,307 करोड़ रुपये हो गया। यह करीब 30.6 प्रतिशत की मासिक वृद्धि है। आंकड़े बताते हैं कि निवेशक बाजार में पैसा लगाने के लिए नियमित निवेश का रास्ता अपना रहे हैं। हालांकि, निवेश प्रवाह बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि बाजार में तेजी निश्चित है या हर श्रेणी का फंड बेहतर रिटर्न देगा।

फ्लेक्सीकैप फंड में शुद्ध निवेश 32.5 प्रतिशत बढ़कर 6,702 करोड़ पहुंचा

निवेश लगातार बढ़ रहा

एसआईपी निवेश का सबसे बड़ा फायदा नियमितता है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय रकम म्यूचुअल फंड में लगाते हैं। इससे बाजार की चाल देखकर बार-बार निवेश का फैसला करने की जरूरत कम होती है। सितंबर में एसआईपी निवेश पिछले साल के इसी महीने के 29,361 करोड़ रुपये के मुकाबले करीब 11 प्रतिशत बढ़ा है। यह वृद्धि बताती है कि अधिक निवेशक नियमित निवेश की आदत बनाए हुए हैं। एसआईपी के जरिए निवेश करने पर बाजार नीचे होने पर समान रकम से अधिक और बाजार ऊपर होने पर अपेक्षाकृत कम यूनिट खरीदी जाती हैं। इसे रुपये की औसत लागत का लाभ कहा जाता है। हालांकि, इससे नुकसान की आशंका समाप्त नहीं होती और न ही मुनाफे की गारंटी मिलती है।

ये फंड चमके : सितंबर में स्मॉलकैप फंड निवेशकों की पहली पसंद रहे। इस श्रेणी में शुद्ध निवेश अगस्त के 7,973 करोड़ रुपये से बढ़कर 9,039 करोड़ रुपये हो गया।

बाजार में उतार-चढ़ाव : ऐसे में बाजार की चाल का अनुमान लगाने के बजाय निवेश की रणनीति बनाएं

एकमुश्त रकम लगाने से बचें, 5 से 10 लाख रुपये निवेश करने से पहले तय करें लक्ष्य, समयावधि और जोखिम उठाने की क्षमता

बिजनेस डेस्क। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह तय करना है कि पैसा कब और कहां लगाया जाए। जिन लोगों के पास 5 से 10 लाख रुपये की एकमुश्त राशि है, वे अक्सर बाजार में गिरावट का इंतजार करते हैं या तेजी देखकर पूरी रकम निवेश कर देते हैं। दोनों ही स्थितियों में जल्दबाजी नुकसान का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों की सलाह है कि बाजार की अगली चाल का अनुमान लगाने के बजाय निवेश की अवधि, जोखिम उठाने की क्षमता और विविधीकरण पर ध्यान देना चाहिए। पूरी रकम एक ही दिन लगाने के बजाय चरणबद्ध निवेश करना जोखिम संभालने में मदद कर सकता है। हालांकि, इससे नुकसान की आशंका पूरी तरह समाप्त नहीं होती। जानकारों का कहना है कि हालिया गिरावट के बाद लार्जकैप शेयरों का मूल्यांकन अपेक्षाकृत आकर्षक नजर आ रहा है। 12 अक्टूबर के आंकड़ों के मुताबिक, निफ्टी-50 का पिछला 12 महीने का मूल्य-आय अनुपात 19.1 गुना था, जबकि निफ्टी मिडकैप-150 का 28.1 गुना और निफ्टी स्मॉलकैप-250 का 34.4 गुना था।



स्मॉलकैप में जोखिम को न भूलें : लंबी अवधि के निवेशकों के लिए स्मॉलकैप कंपनियों में विकास की संभावनाएं हो सकती हैं। लेकिन इन शेयरों में उतार-चढ़ाव अधिक होता है और गिरावट के दौरान नुकसान बड़ा हो सकता है। इसलिए स्मॉलकैप में निवेश तभी उचित है, जब निवेशक कम से कम पांच वर्ष तक पैसा लगाए रखने की स्थिति में हों और बाजार की गिरावट के दौरान घबराकर निवेश निकालने से बच सकें।

विविधीकरण से संभालें जोखिम : फ्लेक्सीकैप फंड बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। मल्टीकैप फंडों में इन तीनों श्रेणियों में कम से कम 25-25 प्रतिशत निवेश करना अनिवार्य है। वहीं, मल्टी-एसेट फंड इक्विटी, ऋण आधारित साधनों और सोने जैसी अलग-अलग परिसंपत्तियों में निवेश करते हैं। इससे किसी एक श्रेणी पर निर्भरता कम हो सकती है। हालांकि, हर फंड का जोखिम अलग होता है।

40:60 की रणनीति अपना सकते हैं : यदि आपके पास 10 लाख रुपये हैं, तो एक विकल्प के तहत 4 लाख रुपये शुरुआती चरण में और शेष 6 लाख रुपये अगले तीन से छह महीने में किस्तों में निवेश किए जा सकते हैं। पांच लाख रुपये की राशि के लिए यही अनुपात 2 लाख और 3 लाख रुपये होगा। इससे पूरी रकम बाजार के किसी एक स्तर पर लगाने का जोखिम कम हो सकता है। यह अनुपात हर निवेशक के लिए उपयुक्त हो, ऐसा जरूरी नहीं है; इसे लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुसार तय करना चाहिए।

निवेश से पहले लागत, गुणवत्ता और ग्राहकों की जरूरत का करें आकलन

दिवाली से पहले शुरू करें ये कारोबार, कम पूंजी में कमाई का मौका

आइडिया
बिजनेस डेस्क

त्योहारों का मौसम छोटे कारोबारियों और अपना काम शुरू करने की योजना बना रहे लोगों के लिए अतिरिक्त कमाई का अवसर लेकर आता है। दिवाली पर घरों की सजावट से लेकर मिठाई, उपहार और चॉकलेट तक की खरीदारी बढ़ जाती है। इस साल 8 नवंबर को दिवाली मनाई जाएगी। ऐसे में तैयारी के लिए सीमित समय बचा है। इच्छुक लोग अपनी पूंजी और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार छोटा कारोबार शुरू कर सकते हैं। कुछ काम घर से भी किए जा सकते हैं, जिससे दुकान का किराया बच सकता है। हालांकि, केवल त्योहार में मांग बढ़ने के अनुमान के आधार पर निवेश करना सही नहीं है। पहले स्थानीय बाजार, संभावित ग्राहकों, सामान की लागत और बिक्री की योजना समझना जरूरी है।

तोरण और सजावटी सामान का कारोबार

दिवाली पर घरों और दुकानों को सजाने के लिए तोरण, बंदनवार, कृत्रिम फूल, रंगोली सामग्री, दीये, लाइटें और सजावटी वस्तुओं की खरीदारी होती है। कम पूंजी में इस कारोबार की शुरुआत सीमित उत्पादों से की जा सकती है। स्थानीय थोक बाजार से सामान खरीदकर घर, छोटी दुकान या इंटरनेट के माध्यम से बिक्री का विकल्प अपनाया जा सकता है। इस कारोबार में



अलग-अलग बजट के उत्पाद रखना उपयोगी है। पारंपरिक सजावट के साथ आधुनिक डिजाइन और दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले उत्पाद भी ग्राहकों को आकर्षित कर सकते हैं। दिवाली के बाद क्रिसमस और नए साल की सजावट से संबंधित सामान बेचने की योजना भी बनाई जा सकती है। हालांकि, बचा हुआ मौसमी स्टॉक अगली बिक्री तक पूंजी फंसा सकता है, इसलिए जरूरत से ज्यादा सामान खरीदने से बचें।

मिठाई का काम

दिवाली पर मिठाइयों की मांग बढ़ने से यह कारोबार कमाई का अवसर दे सकता है। जिन लोगों को मिठाई बनाने का अनुभव है, वे सीमित मात्रा से शुरुआत कर सकते हैं। अन्य लोग किसी भरोसेमंद निर्माता से सामान लेकर बिक्री का विकल्प तलाश सकते हैं। पारंपरिक मिठाइयों के साथ छोटे पैक और उपहार पैक भी रखे जा सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक ग्राहकों के लिए कम चीनी या बिना अतिरिक्त चीनी वाले उत्पादों की मांग का आकलन किया जा सकता है। हालांकि, ऐसे उत्पादों पर स्पष्ट सामग्री और पोषण संबंधी जानकारी देना जरूरी है। मिठाई जल्दी खराब हो सकती है, इसलिए ताजगी, भंडारण, स्वच्छता और समय पर आपूर्ति का ध्यान रखें। खाद्य कारोबार शुरू करने से पहले लागू खाद्य सुरक्षा नियमों और एफएसएसएआई पंजीकरण या लाइसेंस की जरूरत की जानकारी अवश्य लें।

उपहारों की टोकरी बनाकर बेचें

दिवाली पर परिवारों, मित्रों और कारोबारी सहयोगियों को उपहार देने की परंपरा है। इसका

तोरण-सजावट, मिठाई, उपहारों की टोकरी और चॉकलेट की त्योहारों में बढ़ती मांग का उठाएं लाभ

लाभ उठाकर सूखे मेवे, सजावटी सामान, उपयोगी घरेलू वस्तुओं और अन्य उत्पादों की आकर्षक उपहार टोकरी तैयार की जा सकती है। ग्राहक के बजट के अनुसार छोटे, मध्यम और प्रीमियम पैक बनाए जा सकते हैं। इस कारोबार की खासियत यह है कि शुरुआत में बहुत अधिक स्टॉक रखना जरूरी नहीं। पहले नमूने तैयार करके ग्राहकों से ऑर्डर लिए जा सकते हैं। स्थानीय दुकानों, कार्यालयों और परिचित कारोबारियों से संपर्क करना भी उपयोगी हो सकता है। पैकिंग, उत्पादों की गुणवत्ता और समय पर आपूर्ति पर विशेष ध्यान दें। हर टोकरी की लागत में सामान, पैकिंग, परिवहन और अपने श्रम को शामिल करके ही कीमत तय करें।

घर से चॉकलेट बनाकर बेचें

हस्तनिर्मित चॉकलेट, उपहार पैक और आकर्षक पैकेजिंग वाले उत्पाद त्योहारों पर उपहार के विकल्प बन सकते हैं। चॉकलेट बनाने का कौशल रखने वाले लोग छोटे बैच से शुरुआत कर सकते हैं। स्थानीय ग्राहकों, परिचितों और इंटरनेट आधारित माध्यमों से ऑर्डर जुटाए जा सकते हैं। इस कारोबार में कच्चे माल की गुणवत्ता, स्वाद, पैकिंग और भंडारण महत्वपूर्ण हैं। गर्म मौसम या अनुचित भंडारण से चॉकलेट की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इसलिए उत्पादन क्षमता के अनुसार ही ऑर्डर लें और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करें। बड़े निवेश से पहले कुछ नमूने बनाकर ग्राहकों की प्रतिक्रिया लेना बेहतर होगा।

निवेश से पहले बनाएं खर्च का हिसाब

इन चारों कारोबारों में शुरुआती लागत उत्पादों की संख्या, गुणवत्ता, उपकरण, पैकिंग और बिक्री के माध्यम पर निर्भर करेगी। शुरुआत छोटी रखकर मांग के अनुसार विस्तार करना जोखिम सीमित कर सकता है। संभावित बिक्री को निश्चित मुनाफा न मानें। सामान की लागत के साथ परिवहन, बिजली, पैकिंग, खराब होने वाले उत्पाद और बिना बिके स्टॉक का खर्च भी जोड़ें। त्योहारों में कारोबार का अवसर जरूर है, लेकिन कमाई की गारंटी नहीं। ग्राहकों की जरूरत समझकर, गुणवत्ता बनाए रखकर और पूंजी का हिसाब रखते हुए शुरुआत की जाए तो छोटा मौसमी कारोबार आगे चलकर नियमित आय का जरिया भी बन सकता है।

हेल्थ प्लस

अपोलो हास्पिटल में हार्निया का किया गया सफल आपरेशन



बिलासपुर। अपोलो हास्पिटल में 57 वर्षीय महिला का बेहद जटिल बार-बार होने वाले हार्निया का सफल आपरेशन किया गया। मरीज की यह पेट से संबंधित नौवीं सर्जरी थी। इससे पहले वह सी सेक्शन, ओवरी की समस्या, फाइब्रॉइड, पित्ताशय की पथरी और हार्निया सहित अलग-अलग कारणों से आठ बार आपरेशन करा चुकी थीं। बार-बार सर्जरी के कारण पेट की अंदरूनी संरचना काफी जटिल हो चुकी थी। इस बार मरीज को हार्निया के साथ आंत में रूकावट की समस्या थी। इसके अलावा उन्हें डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, सांस की बीमारी और अत्यधिक मोटापे जैसी कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण यह आपरेशन सामान्य हार्निया सर्जरी की तुलना में काफी चुनौतीपूर्ण और जोखिमपूर्ण था। मामले की गंभीरता को देखते हुए अपोलो हास्पिटल के जीआई सर्जन डॉ. लाजपत अग्रवाल ने मरीज की पूरी मेडिकल हिस्ट्री और पिछली सर्जरियों को ध्यान में रखते हुए विशेष योजना के साथ आपरेशन किया। आपरेशन के दौरान पेट की अंदरूनी स्थिति को ठीक करते हुए कमजोर पेट की दीवार को मजबूत किया गया और विशेष सर्जिकल जाली लगाकर हार्निया की मरम्मत की गई। जटिलता के बावजूद आपरेशन सफल रहा, जिसके बाद मरीज को सर्जिकल आईसीयू में विशेषज्ञों की निगरानी में रखा गया। लगातार देखभल और निगरानी के बाद मरीज की स्थिति में अच्छा सुधार हुआ और वह स्वस्थ होकर रिकवरी कर रही है। इस उपचार में डॉ. दिवाकर एवं एनेस्थीसिया टीम, डॉ. गुरविंदर सिंह, डॉ. जावेद, डॉ. अक्षय और सर्जिकल आईसीयू टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

APPROVED RERA APPROVED



पहले फेज़ के शानदार रिस्पॉन्स के बाद
अब अगला मौका आपके लिए

रायपुर के विकसित
होते कमर्शियल ज़ोन में

स्मार्ट निवेश का
स्मार्ट विकल्प

- ☑ आसान किस्तों में भुगतान
- ☑ 80% तक फायनेंस उपलब्ध
- ☑ सुरक्षित और लाभदायक निवेश

डुमरतराई का
प्राइम लोकेशन,
आज का निर्णय, कल की सफलता

Project Developed By -
SHRI DWARKA BUILDERS

श्री द्वारिका बिल्डर्स
औषधि वाटिका, मेडिकल कॉम्प्लेक्स के पास,
डूमरतराई, रायपुर (छत्तीसगढ़)

76173 90000,
88179 55000, 70677 53237

SCAN FOR LOCATION

Proejct RERA No. : PCGRERA070126002020 | www.rera.cgstate.gov.in



गोल्ड कॉइन और बहुत कुछ जीतने का मौका पाएं@

इंस्टेंट डिस्काउंट
₹10 000$ तक
SBI card HDFC BANK pine labs

कम डाउन पेमेंट
₹4 999* से शुरू

कॉर्पोरेट ऑफर्स
₹3 200* तक

For bulk / institutional inquiries, please write to us at : institutionalsales@heromotocorp.com | Available in CSD

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY *Conditions apply

Hero GoodLife

Also Available on: Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. ^Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. $T&C apply, Offer available only on limited stores. @Limited period offer, T&C apply.

TOLL FREE
1800 266 0018

अधिकृत डीलरः बिलासपुरः सत्या हीरो 9289922464, गैलेक्सी हीरो, 9289922706, अंबिकापुरः आनंद हीरो, 9289922359, सरगुजा हीरो, 9289923110, कोरबाः शांति हीरो, 9289922813, छत्तीसगढ़ हीरो, 9289923057, रायगढ़ः गोयल हीरो, 9289922373, आदित्य हीरो, 9289923091, जांजगीरः आनंद हीरो, 9289922772, बैकुंठपुरः आर.के. हीरो, 9289922812, जशपुरः आकाश हीरो, 9289922909, एसोशिएट डीलरः खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415, चौराः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सरियाः अग्रवाल ऑटो सेण्टर, 9993121909, गौरेलाः श्री माँ नर्मदा मोटर्स, 7587796622/7587796611, सनावलः सोनी ऑटोमोबाइल्स, 9479235816, रतनपुरः माँ महामाया मोटर्स, 9754240437/8839972027, बलोदाः श्री कमला ऑटो, 9926515216, मरवाहीः राहुल ऑटोमोबाइल्स, 8889467369/8719087320, मुंगेलीः महावीर, 9993855199, मनेन्द्रगढ़ः विवेक ट्रेडर्स, 6261178785, कटघोराः श्री शारदा एंटरप्राइज, 9809809925, शिवरीनारायणः सुल्तानिया ऑटो केयर, 9407600319, सक्तीः गोयल ऑटो, 9303571001/7000490324, खरसियाः विजय ऑटो एजेंसी, 9993093829, सीतापुरः श्रीराम हीरो, 7000043001, पत्थलगांवः ज्योति ऑटो, 9406399000, सारंगढ़ः गोपाल ऑटो सेंटर, 9827893203, सूरजपुरः आशा ऑटोमोबाईल्स, 9826440096, अकलतराः श्री ऑटो, 9424174274, कोटाः उर्मिला मोटर्स, 9340252857, श्री पुष्कर मोटर्स, 6268000180/8718888789, रामानुजगंजः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 8827674000, बाराद्वारः दुर्गा ऑटो एजेंसी, 8319982160, उदयपुरः बंसत ऑटोमोबाईल्स, 9406022927, तपकराः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 7354334545/7999851514, प्रतापपुरः तायल ऑटोमोबाईल्स, 9617218005, पटनाः आयुश ऑटोमोबाईल्स, 8839141926, पालीः आनंद ऑटोमोबाईल्स, 7089519999, राजपुरः महामाया एजेंसी, 9516209272/9340726288, मदनपुरः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सीपतः मेसर्स गणेश मोटर्स, 9993194005, महापालीः साहू ऑटोमोबाईल्स, 7746028455, लखनपुर : पीएन ऑटोमोबाइल्स, 8839193005, बटौली : इक्छा ऑटोमोबाइल्स, 8770232677, कुसमीः बोल्बम ऑटो, 8120191597, विश्रामपुरः ख़ुशी ऑटोमोबाइल, 9826775718, झरगांवः ऐबानी मोटर्स, 7849000000, रामानुजनगर : जयसवाल ऑटो , 9926015773, बलंगीः नमो ऑटोमोबाइल्स, 9977876863, भैयाथानः आनंद ऑटोमोबाइल्स, 9977221111, प्रेमनगरः मानस ऑटोमोबाइल्स, 9131301594, लोरमीः महेश मोटर्स, 7974700929, खैरागढ़ः पुष्पक बिक्री, 9425554343, भानपुरीः अपराशा ऑटोमोबाइल्स, 9981009491, ऐडिशनल वर्कशॉपः अम्बिकापुरः आनंद ऑटोमोबाईल्स, देवीगंज, 7771008601/9289922359, जेन्युइन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्टः ओरियन ऑटोव्हील्स, 07752-252088, अधिकृत सिटी वर्कस्ः उरगाः बालाजी सर्विस स्टेशन, 279600, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः बिलासपुर (सकरी): सत्या सर्विसेज़, 9111107951, गैलेक्सी हीरो (जगमल चौक) 8085152612, चम्पाः आनंद हीरो, 7909901444, कोरबाः शांति हीरो, 7440299000, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बिलासपुरः सत्या हीरो, 9289922464, खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415.

एनटीपीसी कोरबा में 44 साल पहले 20 लाख का घोटाला, आरोपियों की दोषमुक्ति के खिलाफ पेश सीबीआई की अपील खारिज

बिलासपुर। एनटीपीसी कोरबा में बिना सामान की आपूर्ति के करीब 20 लाख रुपए का भुगतान लेने के कथित 44 साल पहले के मामले में हाईकोर्ट ने मेसर्स अटलांटिक इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के दो पूर्व निदेशकों एसएस संधू और डीएस संधू को राहत दी है। जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की सिंगल बेंच ने दोनों को बरी किए जाने के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अपील खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी के आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा है।

मामले के मुताबिक वर्ष 1981 में अटलांटिक इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को एनटीपीसी के कोरबा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट के तीसरे चरण में वेंटिलेशन सिस्टम और वातानुकूलन संयंत्र की आपूर्ति एवं स्थापना का ठेका मिला था। सीबीआई को सूचना मिली थी कि जनवरी से नवंबर 1982 के बीच कंपनी के निदेशकों और एनटीपीसी के कुछ अधिकारियों ने कथित साजिश के तहत बिना सामान की आपूर्ति किए करीब 20 लाख रुपए का भुगतान करा लिया। इसके लिए फर्जी बिल और वाउचर का इस्तेमाल किया गया, जिससे एनटीपीसी को आर्थिक नुकसान हुआ। सीबीआई ने वर्ष 1986 में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की और आरोपियों के खिलाफ चालान पेश किया। मामले में विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट, सीबीआई, रायपुर ने 10 जनवरी 2018 को एसएस संधू, डीएस संधू सहित



आरोपियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 420 और 120-बी के तहत दोषी ठहराया था। हालांकि, अपील पर विशेष न्यायाधीश, सीबीआई मामलों की विशेष अदालत, रायपुर ने 13 सितंबर 2019 को दोषसिद्धि का फैसला निरस्त कर आरोपियों को बरी कर दिया।

तीन अन्य आरोपियों की हो गई मौत

इसी फैसले को चुनौती देते हुए केंद्र सरकार की ओर से सीबीआई ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। मुकदमे की सुनवाई के दौरान तीन अन्य आरोपियों की मृत्यु हो गई थी। हाईकोर्ट में बचाव पक्ष का कहना था कि एनटीपीसी के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद भुगतान में सामने आई विसंगतियों का समाधान कर लिया गया था। कथित रूप से अधिक भुगतान की गई राशि वापस की गई और बाद में संबंधित सामान की आपूर्ति भी कर दी गई। आरोपियों ने यह भी कहा कि उन्होंने कभी धोखाधड़ी नहीं की और न ही कोई फर्जी बिल जारी किया। बचाव पक्ष के अनुसार, सामान की आपूर्ति से पहले और उसके गंतव्य पर पहुंचने के बाद एनटीपीसी के अधिकारी उसका सत्यापन करते थे। कंपनी ने सिंगरौली स्थित एनटीपीसी का करीब 1.40 करोड़ रुपए का ठेका भी बिना किसी शिकायत के पूरा किया था।

समझौते का विश्वसनीय साक्ष्य होना जरूरी

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि आपराधिक साजिश साबित करने के लिए आरोपियों के बीच किसी गैरकानूनी कार्य को अंजाम देने के समझौते का विश्वसनीय साक्ष्य होना जरूरी है। इस मामले में एनटीपीसी के उन अधिकारियों को आरोपी नहीं बनाया गया, जिनकी कथित भूमिका लेन-देन में महत्वपूर्ण थी। अभियोजन पक्ष ऐसा कोई प्रत्यक्ष या परिस्थितिजन्य साक्ष्य पेश नहीं कर सका, जिससे आरोपियों के बीच आपराधिक साजिश साबित हो सके। कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि कथित लेन-देन के संबंध में एनटीपीसी की ओर से कोई शिकायत नहीं की गई थी और घटना के कई वर्ष बाद प्राथमिकी दर्ज हुई थी। हालांकि, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शिकायत का अभाव और प्राथमिकी में देरी अपने आप में अभियोजन समाप्त करने के पर्याप्त आधार नहीं हैं। हाईकोर्ट ने अपीलीय अदालत के फैसले में हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं पाया और सीबीआई की अपील खारिज करते हुए दोनों पूर्व निदेशकों को बरी करने का फैसला बरकरार रखा।

फील्ड में खुद उतरे कंट्रोलर, मिठाइयों में कॉकरोच मक्खियां देख भड़के, 4 दुकानों का लाइसेंस सस्पेंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर



ग्राहकों को बेचने के लिए दुकानों में सजाकर रखी मिठाइयों में कॉकरोच और मक्खियां भिनभिना रही थीं। रखे पनीर में गंदगी के मिलावट का संदेह भी था। जांच के लिए तेलीबांधा के चार प्रतिष्ठानों में पहुंची खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए लाइसेंस सस्पेंड कर दिया है। न्यू जनता स्वीट्स, मां अंबे, स्वीट हट एंड बेकर्स और रायपुर ढाबा में जांच के लिए स्वयं एफडीए के कंट्रोलर दीपक अग्रवाल फील्ड पर उतरे थे। जांच के बाद प्रतिष्ठानों से जब्त 150 किलो मिठाई और 10 किलो पनीर नष्ट कराया गया।

शनिवार को जांच टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तेलीबांधा इलाके के चार बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को जांच के दायरे में लाया। जांच के दौरान संबंधित प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई की व्यवस्था अत्यंत खराब पाई गई। जांच के दौरान इन दुकानों में बिकने के लिए रखे गए खोवा, कुंदा, पनीर, बूंदी, बेसन, कलाकंद पर मक्खियां भिनभिना रही थीं और कुछ के आसपास कॉकरोच घूम रहे थे। मिठाइयों को बिक्री के लिए असुरक्षित ढंग से दराज में रखा गया था, जिससे वहां धूल-मिट्टी घुसने का अंदेशा था। इसी तरह वहां ग्राहकों को बेचने के लिए रखा गया 10 किलो पनीर भी मिला, जिसमें मिलावट का अंदेशा था। जांच टीम ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए चारों प्रतिष्ठानों का लाइसेंस निलंबित कर और कमियों को दूर करने तक वहां खाद्य पदार्थों के निर्माण और बिक्री पर रोक लगा दी है।

हाईकोर्ट में 18 मई से 11 जून 2027 गर्मी की छुट्टी रहेगी, रजिस्ट्री ऑफिस खुला रहेगा

शीतकालीन छुट्टी 23 से 31 दिसंबर 2027 तक रहेगी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने साल 2027 के लिए गर्मी और सर्दी की छुट्टी की तारीखों का कैलेंडर जारी किया है। जारी लिस्ट के मुताबिक, गर्मी की छुट्टी 18 मई से 11 जून 2027 तक रहेगी। इस दौरान कोर्ट में सुनवाई नहीं होगी, कोर्ट बंद रहेगा, लेकिन रजिस्ट्री ऑफिस खुला रहेगा। वहीं सर्दी की छुट्टी 23 से 31 दिसंबर 2027 तक रहेगी। सर्दी की छुट्टी के दौरान रजिस्ट्री ऑफिस 20 से 24 दिसंबर तक खुला रहेगा, जबकि 27 से 31 दिसंबर तक बंद रहेगा।

जारी कैलेंडर के अनुसार साल भर के बड़े त्योहारों पर भी छुट्टी रहेगी। लिस्ट के अनुसार 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस, 6 मार्च को महाशिवरात्रि, 10 मार्च को ईद-उल-फितर, 26 मार्च को गुड फ्राइडे, 14 अप्रैल को डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती और 15-16 अप्रैल को रामनवमी की छुट्टी रहेगी। इसके अलावा 17 मई को ईद-उल-जुहा, 16 जून को मुहर्रम, 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस, 17 अगस्त को रक्षाबंधन, 25 अगस्त को कृष्ण जन्माष्टमी, 3 सितंबर को हरतालिका तीज और 4 सितंबर को गणेश चतुर्थी पर कोर्ट बंद रहेगा। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती और 25 दिसंबर को क्रिसमस की छुट्टी रहेगी।

शनिवार-रविवार को रहे अलग शेड्यूल

छुट्टियों की लिस्ट के अनुसार महीने के दूसरे और तीसरे शनिवार को हाईकोर्ट और रजिस्ट्री ऑफिस दोनों बंद रहेंगे। बाकी शनिवार को कोर्ट में सुनवाई नहीं होगी, लेकिन रजिस्ट्री ऑफिस खुला रहेगा। हालांकि 6 नवंबर और 4 दिसंबर 2027 को शनिवार होने के बाद भी वर्किंग डे रहेगा, उस दिन कोर्ट खुलेगा। साल के सभी रविवार को हाईकोर्ट और रजिस्ट्री ऑफिस में छुट्टी रहेगी। ये नियम गर्मी और सर्दी की छुट्टी के दौरान पड़ने वाले रविवार पर भी लागू होगा। नोटिफिकेशन में बताया गया है कि चांद दिखने पर मनाए जाने वाले त्योहार मिलाद-उन-नबी, ईद-उल-फितर, ईद-उल-जुहा और मुहर्रम की डेट में बदलाव हो सकता है। अगर राज्य सरकार डेट में बदलाव करती है तो चीफ जस्टिस की मंजूरी के बाद नई डेट लागू होगी।

सौतेले पिता ने तीन साल के मासूम को सिगरेट से दागा

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

सौतेले पिता द्वारा अपने तीन साल के बेटे के साथ बुरी तरह से मारपीट करने के साथ सिगरेट से दागने का मामला सामने आया है। बच्चे की छह साल की बड़ी बहन ने मोहल्ले वालों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद स्थानीय रहवासी घटना की शिकायत दर्ज कराने सिविल लाइंस थाने पहुंचे। मारपीट से बच्चे का एक हाथ फ्रैक्चर हो गया है। हाथ में प्लास्टर चढ़ाना पड़ा है। चोट के कारण बच्चे की आंख बुरी तरह से सूज गई है।

तीन साल के मासूम के साथ मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने राजा उर्फ सुरेश दीप तथा अन्नू देवी को गिरफ्तार किया है। महिला अपने पहले पति से अलग रहती थी। दोनों के अलग रहने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अब तक महिला के साथ शादी नहीं की है, लेकिन दोनों पति-पत्नी की तरह एक साथ रहते हैं। पुलिस ने माता-पिता के खिलाफ बच्चे के साथ क्रूरता, जानबूझकर चोट पहुंचाने और मिलकर अपराध करने के आरोप में केस दर्ज किया है। किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 75 और बीएनएस की धारा 115(2) व 3(5) के तहत एफआईआर दर्ज की है। बच्ची के साथ मारपीट की घटना 13 अक्टूबर की बताई जा रही है। बड़ी बहन लक्ष्मी अपने छोटे भाई के साथ मारपीट से बुरी तरह से आहत थी। उसने रोते हुए मोहल्ले वालों के अपने भाई के साथ हुई घटना की जानकारी दी।

इसके बाद मोहल्ले वाले आरोपी के घर पहुंचे, तो उन लोगों ने देखा कि बच्चे की दोनों आंखें सूजी हुई हैं। हाथ में प्लास्टर बंधा हुआ है। पीठ में सिगरेट से दागे जाने के निशान मिले। आरोपी तरुण नगर, लोधीपारा में रहते हैं। स्थानीय रहवासियों ने आरोप लगाया है कि राजा का जब-जब महिला के साथ विवाद होता था, वह तीन साल के बच्चे के साथ अकारण मारपीट करता था। उसकी मां मारपीट का किसी तरह से विरोध नहीं करती थी। स्थानीय रहवासियों ने पुलिस से दोनों बच्चों का मेडिकल परीक्षण कराने और उन्हें बाल कल्याण समिति (सीडब्लूसी) के सामने पेश करने की मांग की है। साथ ही दोनों बच्चों को सुरक्षित बाल गृह में रखने की भी मांग की है, जिससे उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

छत्तीसगढ़ के 8 नेताओं को मिली बड़ी जिम्मेदारी

रायपुर। कांग्रेस आलाकमान ने संगठन को मजबूत करने और आगामी रणनीतियों को धार देने के लिए अपने महत्वाकांक्षी वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान की तैयारी तेज कर दी है। इस राष्ट्रव्यापी अभियान को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए पार्टी ने कुल 208 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। यह अभियान कांग्रेस आलाकमान ने संगठन को मजबूत करने और आगामी रणनीतियों को धार देने के लिए अपने महत्वाकांक्षी 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान की तैयारी तेज कर दी है। यह अभियान देश के अलग-अलग राज्यों और जिलों में जमीनी स्तर पर चलाया जाएगा, जिसकी कमान अनुभवी नेताओं के हाथों में सौंपी गई है। इस राष्ट्रीय अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के 8 प्रमुख एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। केंद्रीय नेतृत्व द्वारा जारी सूची में राज्य के पूर्व मंत्रियों और वरिष्ठ संगठन प्रमुखों को शामिल किया गया है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

फा.क्र./संपदा/15/भवन/2026 11106 — **लीज हस्तांतरण हेतु आम सूचना** — कोरबा दिनांक 14.10.26

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्ति के द्वारा आबंटित भवन/भूखण्ड/दुकान के विक्रय/लीज हस्तांतरण के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था/निकाय को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय प्रमाण सहित इस आम सूचना प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के भीतर नगर पालिक निगम कोरबा कार्यालय साकेत भवन में उपस्थित होकर अथवा अपने प्रतिनिधि के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	लीजकर्ता का नाम	लीज ग्रहिता का नाम	योजना का नाम	प्रकार/क्रमांक
भवन				
1	श्री राजेश चन्द्र अग्रवाल पिता विसम्भर दयाल अग्रवाल, निवासी मकान नंबर 813 दीपका बस्ती, तहसील-दीपका, जिला-कोरबा (छ.ग.)	श्री विजय कुमार अग्रवाल, उम्र 50 वर्ष, पिता श्री विशम्भर दयाल अग्रवाल, निवासी म.नं. एल. आई.जी 66 सरदार वल्लभ भाई पटेल नगर, तहसील-दर्दी, जिला-कोरबा (छ.ग.)	सरदार वल्लभ भाई पटेल नगर, पश्चिमी कोरबा	एल.आई.जी. 66
2	श्रीमती सीमा तिवारी, पति श्री राम शंकर तिवारी, निवासी प्लाट नं. 2, बहतराई रोड, श्री श्याम रेसीडेंसी, प्रथम हास्पीटल नियर भुकम्प आफिस बहतराई, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)	लितेश साहू उम्र 27 वर्ष, पिता श्री खेदू राम साहू, निवासी एल.आई.जी. 55 एम.पी. नगर कोरबा, तहसील व जिला-कोरबा (छ.ग.)	पं. रविशंकर शुक्ल नगर कोरबा	एम. आई.जी. 1/193
3	श्री रमेश चंद्रा दे, पिता स्व.ललित मोहन दे, निवासी एम.आई.जी.40 पं. रविशंकर शुक्ल नगर कोरबा, तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.)	श्रीमती हेमलता राठौर, उम्र 44 वर्ष, पति श्री बनमाली राठौर, निवासी हरदीबाजार, पो.आ. हरदीबाजार, जिला-कोरबा (छ.ग.)	पं. रविशंकर शुक्ल नगर कोरबा	एम.आई.जी. 40
4	श्रीमती गीता अवस्थी, पति श्री योगेश कुमार अवस्थी, निवासी म.नं. 82 कन्हैयाल सिटी, बंधवापारा सरकंडा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)	श्रीमती निधि जैन, उम्र 28 वर्ष, पति श्री अमित जैन, निवासी एम.आई.जी. 07 डॉ.आर.पी.नगर कोरबा, तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.)	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नगर कोसाबाड़ी कोरबा	ई.डब्ल्यू.एस. 20
5	योगेश कुमार अवस्थी पिता जय नारायण अवस्थी एवं श्रीमती गीता अवस्थी, पति श्री योगेश कुमार अवस्थी, दोनो निवासी म.नं.82 कन्हैयाल सिटी, बंधवापारा सरकंडा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)	श्रीमती निधि जैन, उम्र 28 वर्ष, पति श्री अमित जैन, निवासी एम.आई.जी. 07 डॉ.आर.पी. नगर कोरबा, तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.)	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नगर कोसाबाड़ी कोरबा	ई.डब्ल्यू.एस. 21
6	श्री जुगल किशोर शर्मा आ.स्व. केदारनाथ शर्मा, निवासी सीनि.एम.आई.जी 27 नेहरू नगर कोरबा, तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.) स्वयं एवं मुख्तयार आम (1) किरण शर्मा पति श्री नरेश कुमार (2) पूनम शर्मा, पति श्री शिव कुमार शर्मा (3) सुषमा देवी, पति स्व.अश्वनी शर्मा	दिलीप कुमार जायसवाल, उम्र 45 वर्ष, पिता स्व. सुरेश प्रसाद जायसवाल, निवासी एम.आई.जी. 26 बुधवारी, नेहरू नगर कोरबा, तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.)	नेहरू नगर कोरबा	सीनि.एम. आई.जी. 27
7	1/ बी.वी. लखेरा पिता स्व.आर.पी.लखेरा, निवासी -कृष्णा होटल के पास सहडोल, जिला-सहडोल (म.प्र.), 2/ विनोद कुमार लखेर पिता स्व. रामप्रताप लखेर, निवासी 164/ए मार्थोमा सयारीन चर्च कोसाबाड़ी कोरबा, जिला कोरबा (छ.ग.) 3/ प्रमोद कुमार लखेर, पिता स्व. रामप्रताप लखेर, निवासी डी-193 एम.पी.एस.ई.बी. कॉलोनी, प्रकाश नगर पाली, एसजीटीपीएस पाली, उमरिया, जिला उमरिया (छ.ग.)	उषा गौतम पिता कपिलेश्वर गौतम, निवासी-एम.आई.जी. 95 महाराणा प्रताप नगर कोसाबाड़ी कोरबा, तहसील व जिला-कोरबा (छ.ग.)	महाराणा प्रताप नगर कोसाबाड़ी कोरबा	एल.आई.जी. 245

संपदा अधिकारी
नगर पालिक निगम
कोरबा (छ.ग.)

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक

(विकसित भारत - रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) (VB-GRAM-G)) जिला-राजनांदगांव, छत्तीसगढ़

संविदा नियुक्ति हेतु विज्ञापन

क्रमांक/318 जि.पं./स्था./VB-G RAMG/2026-27 — राजनांदगांव, दिनांक 16/10/2026

पंचायत एवं ग्रामीण विकास के अधीन कार्यालय आयुक्त, विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण), तृतीय तल, विकास भवन, नवा रायपुर के पत्र कमांक 1/566646/2026/वि-7/VB-GRAM G/स्था./नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 06.08.2026 एवं आयुक्त कार्या. का पत्र क्र. 1/608889/2026/वि-7/VB-GRAM G/स्था./ नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 31.08.2026 द्वारा विकसित भारत जी राम जी, योजना अंतर्गत जिला राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई, मोहला-मानपुर-अं.चौकी हेतु निम्नानुसार स्वीकृत पदों की भर्ती किये जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत संविदा पदों में चयन हेतु शैक्षणिक अर्हता व मेरिट अंक के निर्धारण के अनुक्रम पर जिला एवं जनपद पंचायत स्तर पर अधोलिखित पदों व उनके सम्मुख दर्शाये विवरण अनुसार निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के अर्हताधारी, इच्छुक अभ्यर्थियों से दिनांक 10-11-2026 को सायं 05:30 बजे तक निम्नलिखित नियम एवं शर्तों के अधीन आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में आमंत्रित किये जाते है:-

क्र.	पद का नाम	पुनर्निर्णित संविदा एक मुश्त वेतन (प्रतिमाह)	अनारक्षित					अनुसूचित जाति					अनुसूचित जनजाति					अन्य पिछड़ा वर्ग					योग				
			मुक्त	महिला	नि:शक्त	भू.पू.सै.	योग	मुक्त	महिला	नि:शक्त	भू.पू.सै.	योग	मुक्त	महिला	नि:शक्त	भू.पू.सै.	योग	मुक्त	महिला	नि:शक्त	भू.पू.सै.	योग	मुक्त	महिला	नि:शक्त	भू.पू.सै.	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28
1	कम्प्यूटर प्रोग्रामर	51780	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	2	0	0	0	2
2	कार्यक्रम अधिकारी	39875	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	2	0	0	0	2
3	सहायक प्रोग्रामर	35165	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1
4	लेखापाल	23350	3	0	0	0	3	1	0	0	0	1	2	0	0	0	2	2	0	0	0	2	8	0	0	0	8
	कुल योग		5	0	0	0	5	1	0	0	0	1	5	0	0	0	5	2	0	0	0	2	13	0	0	0	13

विज्ञापन अनुसार प्रत्येक पदों हेतु न्यूनतम शैक्षणिक आर्हता, भर्ती हेतु नियम एवं शर्तें तथा आवेदन का नमूना जिला राजनांदगांव के वेबसाईट https://rajnandgaon.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है एवं कार्यालयीन सूचना पटल पर भी देखा जा सकता है।

कलेक्टर
जिला राजनांदगांव

संवाद- 49502

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA

e-Procurement Tender Notice

Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in KORBA
NIT No:- 413/2026 — Dated: 13.10.2026

SN	System Tender No.	Name of Work/ Description of Work	Probable Amount of Contract
1.	201666 (2nd Call)	CONSTRUCTION OF SYNTHETIC TRACK AT P.G COLLEGE, KORBA MUNICIPAL CORPORATION, KORBA (C.G.) (DMF Fund)	Rs.1431.97 Lakh

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh http://eproc.cgstate.gov.in from 13.10.2026 at 15.30 Hours. (IST) onwards.

Superintending Engineer
Municipal Corporation
Korba (C.G.)

राशिफल

मेष — वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

वृष — धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं।

मिथुन — माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी।

कर्क — आत्मवश्विास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। उच्च शक्षिा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है।

सिंह — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे, संतान सुख में वृद्धि होगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है।

कन्या — स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा ।पारिवारिक जम्मिदारियां बढ़ सकती हैं।

तुला — वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि की ओर रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

धनु — कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

मकर — कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कुंभ — कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं, भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें, वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे।

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, किसी मत्रि के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा।

शब्द पहेली - 6381

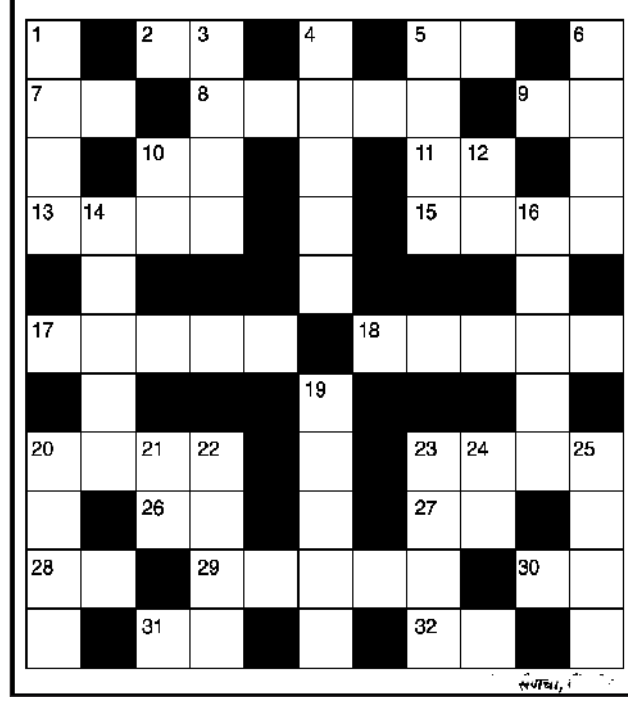

बाएँ से दाए-
2. पिता की बहन-2
5. कठोर-2
7. खून, रुधिर-2
8. मशरुम, फफूंद-3,2
9. इसे मकड़ी बुनती है-2
10. अपशिष्ट पदार्थ-2
11. धैर्य, संयम-2
13. स्फूर्ति, चंचलता-4
15. ओस, निशाजल-4
17. राशि निर्धारण-5
18. हलकापन-5
20. खालीपन, रिक्तता-4
23. स्नान करवाना-4
26. दंड-2
27. कार्य-2
28. कुर्बानी-2
29. कहानी का लेखक-5
30. प्रतिबिंब-2
31. गाना, नगमा-2
32. मां की मां-2

ऊपर से नीचे
1. बंदूक की गोली-4
3. व्याकुलता-4
4. दौरान, मध्य में-5
5. सत्ताधारी-4
6. नरम, अकठोर-4
10. शराब, सुरा-2
12. ईश्वर-2
14. गतिशीलता-5
16. नवीन, नया -2,3
19. उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20. प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21. मवाद-2
22. नाजुकता-4
23. मना करना-4
24. मैं का बहुवचन -2
25. नाकारा, बेकार-4

शब्द पहेली -6380 का हल

का	म	या	ब		र		श	ब	न	म
	ग्मी		र	फू	च	क	र		मं	
आ		या	स		ना		मा	ह		प्र
स	ह	ला	ना		का		ना	रा	य	ण
	ब				र				ज्ञो	
ह	क	ब	का	ना		अ	प	ना	प	न
	र				छ				वी	
मे	धा	ल	य		ल		क	म	त	र
ष		त	म		ना		ल	त		ज्ञा
	वं		रा	सा	य	नि	क		कै	
म	हा	रा	ज		क		ल	ग्वो	द	र

सूडोकु नवताल - 6391

सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6390 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के ढोलिड़ा गरबा महोत्सव में पहुंचीं अभिनेत्री-सांसद कंगना रनौत

बॉलीवुड में अपनी बॉस, राजनीति में माननी होती है पार्टी की गाइडलाइन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर



बॉलीवुड में अपने फैसले खुद लेने की स्वतंत्रता है, लेकिन राजनीति में पार्टी के नियमों और गाइडलाइन का पालन करना होता है। बॉलीवुड अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने शनिवार रात हरिभूमि-आईएनएच न्यूज मीडिया पार्टनर की ओर से गुंजन आयोजन के ढोलिया गरबा महोत्सव में उक्त बातें कही।

कार्यक्रम में पहुंचीं कंगना रनौत ने मंच पर आते ही हाथ हिलाकर उपस्थित लोगों का अभिवादन किया। इसके बाद उन्होंने अपने संबोधन में हरिभूमि-आईएनएच न्यूज को गरबा महोत्सव के आयोजन के लिए बधाई दी।

उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से लोगों को गरबा करने और अपनी संस्कृति से जुड़ने का मंच मिलता है। इस अवसर पर हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी भी मौजूद रहे।

सीएम साय बोले-आयोजन में शामिल होना मेरा सौभाग्य



आईएनएच-हरिभूमि ढोलिडा गरबा गुंजन आयोजन में शामिल होते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज सौभाग्य का विषय है कि यह मेरा पांचवा गरबा है। सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं। शक्ति स्वरूपा माता-बहनों को मेरा प्रणाम है। आज माता रानी की उपासना में पूरा देश जुटा है। पिछले सात दिनों से पूरा छत्तीसगढ़ माता की उपासना में डूबा है। छत्तीसगढ़ में सब तरफ माता ही माता विराजती है। माता का आशीर्वाद छत्तीसगढ़ को मिल रहा है। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की भूमि है। चारों तरफ भोले बाबा विराजमान हैं। हमें छत्तीसगढ़ को विकसित छत्तीसगढ़ के रूप में खड़ा करना है। इसमें हम सभी को प्रयास करना है। पिछले साल मैं आयोजन में शामिल नहीं हो पाया था। इस वर्ष शामिल होकर हर्ष हो रहा है।

20 साल से अभिनय कर रही

मंच पर हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने कंगना से बॉलीवुड और राजनीति से जुड़े रोचक सवाल किए। इस पर कंगना ने कहा कि बॉलीवुड में वे अपनी बॉस हैं और बेझिझक अपनी बात रखती हैं। अभिनय करते हुए उन्हें 20 साल हो चुके हैं, इसलिए इस क्षेत्र में वे अपने फैसले खुद लेती हैं। वहीं राजनीति में अभी शुरुआत है और पार्टी के नियम, गाइडलाइन का पालन करना पड़ता है।

मंच पर किए गरबा के स्टेप्स

कार्यक्रम के दौरान कंगना रनौत ने सनेड़ो गीतों पर मंच से गरबा कर रहे लोगों का साथ दिया। उन्होंने मंच पर चहलकदमी करते हुए गरबा के आसान स्टेप्स किए। उनकी मौजूदगी और गरबा में सहभागिता से कार्यक्रम में शामिल लोगों का उत्साह बढ़ गया।

'अंतरराष्ट्रीय डंका बजाने का समय आ गया है'

लंदन पहुंचे यू-ट्यूबर ध्रुव राठी वोट चोरी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय विरोध प्रदर्शन का ऐलान



नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयोग के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के 10 अक्टूबर को विरोध प्रदर्शन करने के लिए भारत आए ध्रुव राठी अब देश छोड़ चुके हैं और लंदन पहुंच गए हैं।

यहां उन्होंने वोट चोरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का अंतरराष्ट्रीयकरण करने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि वे लंदन में भारत के निर्वाचन आयोग और केंद्र सरकार का विरोध करेंगे। ध्रुव राठी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, अब समय आ गया है कि दुनिया वोट चोर और लोकतंत्र के हत्यारे की सच्चाई देखे। अंतरराष्ट्रीय डंका बजाने का समय आ गया है। अगर आप यहाँ हैं तो कल दोपहर 12 बजे संसद चौक में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने होने वाले विरोध प्रदर्शन में शामिल हों।

'भारत दौरे में सीजेपी के प्रदर्शन का करें जिक्र'

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के आगामी भारत दौरे से ठीक पहले अमेरिकी राजनीति में हलचल तेज हो गई है। अमेरिका के छह डेमोक्रेटिक सांसदों ने विदेश मंत्री रुबियो को एक संयुक्त पत्र लिखकर आग्रह किया है कि वे अपनी भारत यात्रा के दौरान भारतीय अधिकारियों के समक्ष छात्रों के विरोध प्रदर्शनों, मानवाधिकारों और 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाएं। विदेश मंत्री मार्को रुबियो को पत्र भेजने वाले सांसदों में प्रमिला जयपाल, इलहान उमर, जिम मैक्गवर्न, रशीदा तलाइब, एलिनॉर होम्स नॉर्टन और जीसस गार्सिया शामिल हैं।



छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक
CHHATTISGARH GRAMIN BANK
क्षेत्रीय कार्यालय- अम्बिकापुर, कुसुमतारा कॉम्प्लेक्स, द्वितीय तल, हनुमान गली, न्यू महामाया रोड, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)
Telephone :6232033095 , 6232033100, Email – adv.ro.amb@cgbank.in

- वाहन नीलामी सूचना -

बैंक द्वारा जब्त किए गये निम्नलिखित वाहन की नीलामी " जहां है जैसा है जो भी है" के आधार पर दर्शायी गयी तिथि एवं स्थान पर किया जाना प्रस्तावित है ।

क्र.	संबंधित शाखा का नाम	ऋणी का नाम व पता	वाहन का नाम/ जानकारी	वाहन का पंजीयन क्रमांक	प्रारक्षित मूल्य रू.	धरोहर राशि रू.
1.	अंबिकापुर	मोहम्मद जुबैर, पिता- मोहम्मद अलीम पताः 34/242, अग्रसेन वार्ड, न्यू बस्ती, खरसिया नाका, अंबिकापुर, सरगुजा.	महिंद्रा थार LX D MT 2WD 4S HT मॉडल 2024	JH-01 FZ-7404	₹ 7,40,000/-	₹ 74,000/-
2.	कुसमी	असरफ अली, पिता- असलम अंसारी पताः मेला डांड, वार्ड नं. 10, कुसमी, जिला बलरामपुर, छत्तीसगढ़- 497224	टाटा मोटर्स इंट्रा V30 नॉन एसी BS-VI, मॉडल 2023	TEMREG	₹ 3,00,000/-	₹ 30,000/-
3.	लक्ष्मीपुर	अजय यादव पिता राम बढ़ाई वार्ड-23, बौरीपारा, अम्बिकापुर	E RICKSHAW (KUKU AUTOMOTIVES MARS)	CG-15 EA-9057	₹ 22,000/-	₹ 2,200/-
4.	लक्ष्मीपुर	श्रीमती सुषमा गोस्वामी पति महेश गोस्वामी	E RICKSHAW (SAERA ELECTRIC AUTO PVT LTD MAYURI STAR)	CG-15 E-B3847	₹ 18,000/-	₹ 1,800/-
5.	गांधीनगर	श्री उत्कर्ष सिन्हा पिता सुजीत कुमार सिन्हा, उम्र 26 वर्ष, सामान्य वर्ग निवासी- केनाबांध, बौरिपारा, अंबिकापुर	(TATA ALTROZ XZ+ 1.5) मॉडल 2023	TEMPREG	₹ 4,14,000/-	₹ 41,400/-

वाहन का निरीक्षण स्थानः महामाया यार्ड, बाबरा पेट्रोल पंप के पास, गांधी नगर, अंबिकापुर (छ.ग.)
नीलामी स्थलः छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय अंबिकापुर. पता- द्वितीय तल, कुसुमतारा, न्यु महामाया रोड, अम्बिकापुर छ. ग. 497001. नीलामी तिथिः दिनांक 07.11.2026, समय प्रातः11 बजे ।
1. यह की इस नीलामी में भाग लेने हेतु इच्छुक व्यक्तियों को छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक के पक्ष में धरोहर/अमानत राशि का भुगतान आदेश/मांग ड्राफ्ट सहित आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक,क्षेत्रीय कार्यालय अंबिकापुर के पास दिनांक 07.11.2026 सुबह 10.45 बजे तक जमा करना होगा । 2. आवेदन में शाखा का नाम, वाहन क्र.,स्पष्ट रूप से लिखकर बोली राशि अंको एवं शब्दों में लिखकर स्वयं के पहचान पत्र की फोटो कापी सहित, वाहन धरोहर राशि, आदेश/मांग ड्राफ्ट का विवरण आवश्यक रूप से देना होगा । 3. सफल बोली लगाने वाले को विक्रय मूल्य की 25% राशि छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक के पक्ष में नगद/ भुगतान आदेश/मांग ड्राफ्ट द्वारा तुरंत (24 घंटे के अन्दर) जमा करना होगा, पूर्व में जमा की गयी राशि को इसमें समायोजित किया जायेगा एवं शेष 75% राशि नीलामी विक्रय की पुष्टि से 15 दिन अथवा उसके पूर्व जमा करना होगा, ऐसा न करने पर उक्त 25% राशि जप्त कर ली जाएगी, एवं उक्त वाहन की पुनः नीलामी की जावेगी । 4. नियम एवं शर्तों के अधीन पूर्ण रूपेण सही एवं सर्वाधिक बोली पाय जाने वाली सीलबंद निविदा को सफल घोषित किया जायेगा व् अन्य व्यक्तियों के भुगतान आदेश/मांग ड्राफ्ट नीलामी के बाद बिना ब्याज के वापस कर दिया जायेगा । निविदा/नीलामी को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार उक्त कार्य हेतु गठित कमिटी का होगा । 5. बिक्री प्रमाण पत्र पूरे निविदा मूल्य एवं अन्य खर्चों के जमा करने पश्चात् ही सुपुर्द किये जावेंगे । 6. इस विज्ञापन के माध्यम से ऋणी को नीलामी की सूचना दी जा रही है ।

दिनांकः 17.10.2026, स्थानः अंबिकापुर (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी, कोरबा

प्रियागोल्ड बिस्किट में जानवरों के चारे वाला चोकर!

नई दिल्ली। खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने तीन प्रमुख खाद्य कंपनियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू की है। इनमें बिस्किट बनाने वाली कंपनी सूर्या फूड एंड एग्रो, दोदला डेयरी और यूईआईआर ऑर्गेनिक फूड्स शामिल हैं।

इन कंपनियों पर गंभीर खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। एफएसएसएआई ने शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये इस कार्रवाई की जानकारी दी। सूर्या फूड एंड एग्रो के खिलाफ पशु आहार के चोकर का उपयोग करने के लिए मुकदमा चलाया जा रहा है। यह चोकर बिस्किट के निर्माण में फाइबर के स्रोत के रूप में इस्तेमाल हो रहा था। एफएसएसएआई ने उपभोक्ता शिकायत के बाद सूर्या फूड एंड एग्रो का निरीक्षण किया था। निरीक्षण में गंभीर खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता कमियां पाई गईं। चोकर के बोरों पर पशु आहार के लिए होने का निशान भी था।



दोदला डेयरी के फुल क्रीम दूध का नमूना घटिया पाया गया। जांच में दूध में डिटर्जेंट या कॉस्टिक सोडा और निर्धारित सीमा से कम दूध वसा की पुष्टि हुई।

नियमों का उल्लंघन

दोदला डेयरी के फुल क्रीम दूध का नमूना विश्लेषण के लिए लिया गया था। खाद्य विश्लेषक ने इसे दूध वसा मानकों का पालन न करने के कारण घटिया घोषित किया। रेफरल खाद्य प्रयोगशाला ने पुष्टि की कि नमूना डिटर्जेंट या कॉस्टिक सोडा की उपस्थिति के कारण असुरक्षित था। यूईआईआर ऑर्गेनिक फूड्स की पोली किशमिश में कीटनाशक अवशेष पाए गए, जो नियमों का उल्लंघन है। एफएसएस एक्ट, 2006 के तहत इन उल्लंघनों के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।





प्रथम पृष्ठ का शेष

इंस्टा पर 'ओडिशा सागं'...

पुलिस को दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जीआरपी को सौंप दिया।

ओडिशा से दूसरे राज्यों तक तस्करी का मुनाफे वाला गणित

स्टिंग के दौरान हुई बातचीत में कीमत को लेकर लगातार मोलभाव हुआ। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, ओडिशा में गांजे की कीमत करीब 2,000 से 3,000 रुपये प्रति किलो बताई गई, जबकि दूसरे राज्यों में इसकी बिक्री 15,000 से 20,000 रुपये प्रति किलो तक होने का दावा किया गया। इस अंतर के कारण तस्करी में शामिल लोग जोखिम उठाकर गांजा दूसरे राज्यों तक पहुंचाने की कोशिश करते हैं। हालांकि वास्तविक खरीद मूल्य, परिवहन खर्च और आरोपियों की कमाई की पुष्टि स्वतंत्र रूप से किया जाना जरूरी है। स्टिंग में आधा किलो गांजे के लिए 8,500 रुपये का सौदा तय हुआ था।

पहले 200 ग्राम, फिर आधा किलो देने को तैयार-

बातचीत के दौरान पैडलर शुरुआत में 200 ग्राम गांजा लाकर देने के लिए राजी हुआ। टीम ने अधिक मात्रा की जरूरत बताई और कीमत को लेकर भी मोलभाव किया। पैडलर ने पहले अधिक मात्रा में गांजा लेने पर कम दर देने की बात कही, लेकिन तत्काल सौदे के लिए 8,500 रुपये पर तैयार हुआ। टीम करीब एक सप्ताह तक पैडलर के संपर्क में रही। इसके बाद डिलीवरी के लिए रायपुर आने की बात तय हुई। पैडलर ने शनिवार को दोपहर 1:27 बजे मैसेज कर रायपुर पहुंचने की सूचना दी। उसने करीब 90 मिनट के भीतर रेलवे स्टेशन पहुंचकर डिलीवरी देने की बात कही।

इंस्टाग्राम पोस्ट से...

बातचीत के दौरान गांजे की मात्रा और कीमत को लेकर सौदेबाजी हुई। टीम ने अधिक मात्रा में गांजा देने और कीमत कम करने की बात कही। अंततः आधा किलो गांजे का सौदा 8,500 रुपये में तय हुआ।

हरिभूमि ने 8 ....

उसने मोलभाव जारी किया। उसके बाद टीम हरिभूमि ने इसकी खबर पुलिस को दी। पुलिस की सहमति के बाद डील की गई।

ट्रेन आउटर पर...

भीतर वह रेलवे स्टेशन पहुंचा और फोन कर संपर्क किया। डिलीवरी देने पहुंचते ही सादी वर्दी में मौजूद क्राइम ब्रांच के पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने गांजे को निजी इस्तेमाल के लिए लाने की बात कही। उसने यह भी दावा किया कि वह पहली बार गांजा देने रायपुर आया था और इससे पहले यहां नहीं आया था।

मध्यप्रदेश के तस्करों...

महासमुंद निवासी सूरज कलेत को गिरफ्तार किया है। आरोपी सिविल लाइंस थान क्षेत्र के दुर्गा चौक मैदान के पास गांजा की डिलीवरी देने के लिए पहुंचे थे। आरोपियों से गांजे की उपलब्धता, परिवहन, बिक्री एवं सप्लाई नेटवर्क के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

गांजा तस्कर के...

क्या? देखो ना थोड़ा, मेरा कुछ बच जाएगा पैसा, यहां कॉम्पिटिशन भी बहुत है ना रायपुर में। कॉम्पिटिशन इतना ज्यादा है कि ना लोग क्या है कि रेट थोड़ा कुछ अपने को भी पड़ता हो, एक तो एक यहां धर पकड़ भी ज्यादा हो गई है...

पैडलर ज्यादा लेंगे तब तो 15 कर दूंगा आपको।

हरिभूमि-आईएनएच जिला...

और पुलिसिंग पर बात करेंगे। यशवंत जैन प्रदेश महामंत्री भाजपा, यज्ञदत्त शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष लघु वनोपज (राज्य मंत्री) और तोमन साहू चेयरमेन राज्य रेड क्रॉस सोसाइटी एवं उपाध्यक्ष जिला पंचायत भी संवाद में भागीदारी करेंगे। इनके अलावा चैम्बर ऑफ कॉमर्स बालोद के अध्यक्ष हरीश सांखला, अरिहंत एकेडेमी के डायरेक्टर डॉ प्रदीप जैन और आईएमए अध्यक्ष डॉ राहुल अग्रवाल अपने क्षेत्र की दिक्कतों और विकास की संभावनाओं पर बात करेंगे।

इंजीनियरिंग की ...

की 3 हजार 426 सीटों पर एडमिशन के लिए स्ट्रे राउंड पूरा किया जाना है। इसमें छत्तीसगढ़ की 87 सीट शामिल है। जानकारों का तर्क है कि स्ट्रे राउंड के लिए रिक्त सीटों की संख्या ज्यादा दिखने की वजह अप्रवासी भारतीय यानी एनआरआई की सीटों पर कम प्रवेश है। यह सीटें खाली रहने की वजह से उन्हें प्रबंधन कोटे को वापस दिया गया है। छत्तीसगढ़ में शासकीय की 2 और निजी कालेजों में स्टेट और प्रबंधन की लगभग आधा दर्जन सीटों पर प्रवेश नहीं हुआ है। नियम के हिसाब से चौथे राउंड में इसे निजी मेडिकल कालेज प्रबंधन कोटे को वापस कर दिया गया है जिसकी वजह से वहां खाली सीटों की संख्या काफी अधिक दिखाई पड़ रही है।

शिकायतों के निराकरण...

दिया। इससे शिकायतों के वास्तविक निराकरण पर सवाल उठे हैं। राज्य शासन नागरिकों की शिकायतों के समयबद्ध और प्रभावी समाधान को लेकर गंभीर है। इसी क्रम में अगस्त और सितंबर के दौरान सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर लोक निर्माण विभाग से संबंधित शिकायतों की समीक्षा की गई। इसमें पाया गया कि एल-1, एल-2 और एल-3 स्तर पर अनेक शिकायतों को ऐसी टिप्पणियों के साथ बंद किया गया, जिनसे यह स्पष्ट नहीं होता कि संबंधित समस्या का समाधान हुआ है या नहीं।

एल-1 स्तर के पांच अधिकारियों को नोटिस-

शिकायतों के असंतोषजनक निराकरण के मामले में एल-1 स्तर पर राष्ट्रीय राजमार्ग उप संभाग बिलासपुर के अनुविभागीय अधिकारी अतुल राज पेगवार, बेमेतरा उप संभाग के राजेश कुमार बाजपेयी, पेंड्रा उप संभाग के जगदीश प्रसाद, सेतु उप संभाग दुर्ग के अशोक कुमार हरियाले और पाटन उप संभाग की सोनल ढालेन्द्र को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

एल-2 स्तर पर पांच कार्यपालन अभियंता घेरे में-

एल-2 स्तर पर शिकायतों का उचित निराकरण नहीं किए जाने पर बेमेतरा संभाग के कार्यपालन अभियंता केशव प्रसाद लहरे, कोरबा संभाग के घासीराम जांगड़े, राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग बिलासपुर के रोशन कुमार साहू, सारंगढ़ संभाग के प्यारे लाल पैकरा और कांकेर संभाग की प्रज्ञा नंद को नोटिस जारी किया गया है।

एल-3 स्तर के तीन अधीक्षण अभियंताओं से जवाब तलब-

इसी तरह, एल-3 स्तर पर शिकायतों को बिना सारगर्भित टिप्पणी के बंद करने के मामले में रायपुर मंडल क्रमांक-2 के अधीक्षण अभियंता डीके नेताम, दुर्ग मंडल की अधीक्षण अभियंता अर्पणा चौरपगार और राष्ट्रीय राजमार्ग मंडल बिलासपुर के अधीक्षण अभियंता महादेव लहरे को कारण बताओ नोटिस दिया गया है।

रूस के तेल...

अमेरिका के राष्ट्रीय हित में है।लिंड्से ओ. ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम ट्रंप को मॉस्को पर व्यापक प्रतिबंध लगाने और रूस से सबसे अधिक तेल एवं गैस खरीदने वाले देशों, जिनमें चीन और भारत शामिल हैं, पर भारी शुल्क लगाने का अधिकार देता है। इस कानून को ग्राहम कानून के नाम से जाना जाता है। इसे अमेरिकी कांग्रेस ने 16 सितंबर को पारित किया था और ट्रंप ने दो दिन बाद इस पर हस्ताक्षर किए थे। इस कानून के तहत ट्रंप को इसे लागू किए जाने के 30 दिन के भीतर रूस से कच्चा तेल या गैस आयात करने वाले पांच सबसे बड़े देशों से अमेरिका में आने वाले सभी सामान पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का अधिकार दिया गया था। कानून की धारा 115 में यह प्रावधान भी है कि यदि प्रतिबंधों, पाबंदियों और शुल्कों को लागू करने से छूट देना अमेरिका के राष्ट्रीय हित में हो, तो राष्ट्रपति ऐसी छूट दे सकते हैं। ट्रंप ने कहा, ग्राहम कानून की धारा 115(ए) के तहत, मैं ग्राहम कानून की धारा 112 और 113 या इस आदेश में निर्धारित किसी भी शुल्क को लागू करने से छूट देता हूं। ग्राहम कानून की धारा 113 में रूस से कच्चा तेल या प्राकृतिक गैस खरीदने वाले देशों अथवा उसे प्रतिबंधों से बचने में मदद करने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का प्रावधान है। यह छूट ऐसे समय दी गई है, जब राष्ट्रपति ट्रंप ने कुछ दिन पहले रूस के साथ अमेरिका और वैश्विक बाजारों के लिए डीजल की आपूर्ति का समझौता किया। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के भारत दौरे में कुछ ही दिन शेष हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पिछले महीने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर रुबियो के साथ बैठक के दौरान ग्राहम कानून को लेकर चिंता जताई थी। समझा जाता है कि जयशंकर ने रुबियो को बताया था कि भारत की तेल रिफाइनरी मुख्य रूप से मध्यम श्रेणी के सल्फरयुक्त कच्चे तेल के प्रसंस्करण के लिए तैयार की गई हैं जिसकी आपूर्ति पश्चिम एशिया के देशों और रूस से होती है। उन्होंने रुबियो को यह भी बताया था कि वेनेजुएला से भारी ग्रेड का कच्चा तेल मिलता है, जबकि अमेरिका से हल्के ग्रेड का कच्चा तेल आता है। भारत की रिफाइनरियों में इस्तेमाल से पहले इन्हें दूसरे तेल के साथ मिलाना होगा। ईरान युद्ध के कारण पश्चिम एशिया के देशों से तेल की आपूर्ति प्रभावित होने के कारण भारत अपनी अर्थव्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए रूसी कच्चे तेल पर निर्भर है।

पहले लगाया था 500 फीसदी-

रूस और यूक्रेन के बीच जंग जारी है। अमेरिका का कहना है कि रूस को पैसे का सपोर्ट रूसी तेल बेचकर मिल रहा है, जिस कारण ये जंग लंबी खींच रही है। ऐसे में अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ लगाने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव के शुरुआत में रूसी तेल और गैस की खरीद जारी रखने वाले देशों पर 500% तक का टैरिफ लगाने की परिकल्पना की गई थी। इसका उद्देश्य उन देशों के लिए अमेरिकी बाजार तक पहुंच को लगभग खत्म कर देना था।

100 फीसदी से शून्य किया टैरिफ-

500 फीसदी के बाद 100 फीसदी टैरिफ किया गया। इसके बाद बदलाव 17 अक्टूबर को आया, जब ट्रंप ने ग्राहम अधिनियम के तहत छूट प्रावधान का इस्तेमाल किया। उनके कार्यकारी आदेश ने अमेरिकी राष्ट्रीय हितों का हवाला देते हुए कानून के तहत प्रतिबंधों, सीमाओं और शुल्कों के आवेदन को निलंबित कर दिया। इस आदेश ने न तो कानून को रद्द किया और न ही राष्ट्रपति के इसके इस्तेमाल के अधिकार को स्थायी रूप से समाप्त किया। इसके बजाय, फिलहाल रोक दिया, लेकिन बाद में उन्हें बहाल करने का विकल्प बरकरार रखा है।

उग्र हुए ग्रामीण,...

घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। अधिकारियों को बंधक बनाए जाने और उनके साथ हाथापाई की सूचना मिलने पर एसपी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल के लिए रवाना हुए। सुरक्षा की दृष्टि से क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया।

बता दें कि शनिवार दोपहर 12.15 बजे क्षेत्र के ग्राम कुबेरपुर में एक नाबालिग ट्रैक्टर चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए स्कूटी सवार 28 वर्षीय चंद्रावती जायसवाल, पति संजय जायसवाल, को कुचल दिया था। महिला स्वास्थ्य केंद्र से उपचार कराने के बाद घर लौट रही थी। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ मुख्य मार्ग पर कुबेरपुर चौक पर चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। दोपहर से शाम 5 बजे तक आंदोलन शांतिपूर्ण ढंग से चलता रहा। ग्रामीण और परिजन अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते रहे। हालांकि, मांगों पर सहमति नहीं बनने के बाद शाम होते-होते ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ गया।ग्रामीणों ने चौक के आसपास स्थित घरों और सड़क की लाइटों में तोड़फोड़ कर उन्हें बंद कर दिया। कार्रवाई की मांग पर अड़े ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए अधिकारी क्रशर प्लांट को सील करने पहुंचे थे। इसी दौरान उग्र ग्रामीणों ने क्रशर प्लांट में मौजूद डीजी सेट और एक ट्रैक्टर को आग के हवाले कर दिया। ग्रामीणों को समझाइश देने के बाद जब अधिकारी स्थिति को देखते हुए पीछे हटने लगे, तो ग्रामीणों ने तहसीलदार करम चंद जाटवर, ओड़गी एसडीओपी राजेंद्र मंडावी और टीआई लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता के साथ हाथापाई की और उन्हें बंधक बना लिया।अधिकारियों के साथ हाथापाई, उन्हें बंधक बनाए जाने और आगजनी की घटना से क्षेत्र में तनाव बढ़ गया। सूचना मिलने पर एसपी योगेश पटेल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल के लिए रवाना हुए। हालांकि तक अधिकारी मौके पर नहीं पहुंच पाए थे।

नौ घंटे बाद भी ...

ताकि मामले में अपराध दर्ज करने की कार्रवाई की जा सके। हालांकि, उस समय तक अपराध दर्ज नहीं हो सका था।

पुलिस बल तैनात, खुलवाया गया जाम-अधिकारियों के साथ हाथापाई और उन्हें बंधक बनाए जाने की सूचना के बाद क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस और अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाइश दी। इसके बाद रात 8 बजे के बाद मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ मुख्य मार्ग पर चल रहा चक्काजाम समाप्त कराया गया और आवागमन बहाल किया गया।

दीपके को जमानत...

ने यह जानकारी दी। शुक्रवार को कनॉट प्लेस में कॉजपा के 'लहरा दो तिरंगा' प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली के झंडेवालान स्थित घर से बाहर निकलते ही दीपके को हिरासत में ले लिया गया था। दीपके को 10 अक्टूबर को दिए गए शांति बॉण्ड का उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।शांति बॉण्ड के बाद रिहाई-पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, शांति बॉण्ड में दिए गए आश्वासन के आधार पर, उन्हें छोड़ दिया गया। हम आगे की जानकारी के लिए लिखित आदेश का इंतजार कर रहे हैं। दीपके को मंदिर मार्ग पुलिस थाने में विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां उन्हें कुछ शर्तों के साथ जमानत दे दी गई। हालांकि, पुलिस ने इस घटनाक्रम पर कोई बयान जारी नहीं किया है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस थाने और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई।

वनदेवी...जहां चढ़ाए...

पर इंसान की हर मनोकामना पूरी हो जाती है। बिलासपुर में भी इसी तरह की देवी हैं, जिन्हें भक्त पत्थर चढ़ाते हैं, मान्यता है कि पत्थर के चढ़ावे से देवी मां खुश जा जाती हैं। खमतराई में वनदेवी का एक अनोखा मंदिर है, जहां माता को नारियल, फूल, पूजा सामग्री का चढ़ावा नहीं चढ़ाया जाता, बल्कि यहां प्रसाद के रूप में कंकड़ व पत्थर का चढ़ावा चढ़ाया जाता है। इस अनोखी परंपरा का पालन सदियों से किया जा रहा है।

इस मंदिर के पुजारी अश्वनी तिवारी बताते हैं कि वनदेवी के मंदिर में मान्यता है कि मन्नत पूरी होने से पहले और बाद में श्रद्धालुओं को पांच-पांच कंकड़ या पत्थर का चढ़ावा चढ़ाना पड़ता है। उन्होंने बताया कि मंदिर में कोई भी पत्थर चढ़ावे के रूप में नहीं चढ़ाया जा सकता, बल्कि खेतों में मिलने वाला गोटा पत्थर ही बस चढ़ाने की परंपरा है। इस पत्थर को चमरगोटा कहते हैं। इस अनोखी परम्परा के बारे में जानकर दर्शन करने और मनोकामना लिए श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं. यहां उनकी मन्नत पूरी भी होती है। इस मंदिर की स्थापना और बगदाई देवी की कहानी बेहद रोचक है। करीब 100 साल पहले यहां घना जंगल हुआ करता था। इस जंगल में जंगली जानवरों का बसेरा था, उस दौरान एक चरवाहे को माता वनदेवी के दर्शन हुए। माता ने सपने में आकर बताया कि वे जंगल में विराजमान हैं और जब चरवाहे ने वहां जाकर देखा तो सचमुच माता की मूर्ति दिखाई दी। उसने माता से कहा कि वह गरीब है और उसके पास पूजा के लिए कुछ नहीं है, तब माता ने उसे समझाया कि जो चीज आस-पास मिले, वही अर्पित कर दें। व्यक्ति ने खेत में पड़े गोटे उठाकर माता को अर्पित कर दिए। तभी से यहां गोटा चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई और आज तक जारी है।

1990 में हुआ मंदिर का निर्माण-

बगदाई मंदिर के मुख्य पुजारी अश्विनी महाराज ने बताया कि साल 1990 में इस मंदिर का निर्माण हुआ है। 1 एकड़ के आसपास वन देवी मंदिर को लोगों के सहयोग से निर्मित किया गया और नई भव्य प्रतिमा स्थापित की गई। उसके बाद भक्तों की आस्था लगातार यहां बढ़ती जा रही है। साल 2018 में द्वादश ज्योतिर्लिंग स्थापित किया गया। उसके बाद यहां साल 2021 में राम-जानकी व राधा-कृष्ण दरबार का निर्माण कराया गया।

मन्नत वाली महाकाली...

दिलाती है। मध्यप्रदेश से बाहर तक फैली ख्यातिः मन्नत वाली महाकाली के प्रति आस्था का दायरा जबलपुर और मध्यप्रदेश तक सीमित नहीं है। महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान सहित दूसरे राज्यों के श्रद्धालु भी यहां प्रतिमा स्थापित करने के लिए उत्सुक रहते हैं। दूर-दराज से जुड़े भक्तों के लिए माता की प्रतिमा स्थापित करना विशेष धार्मिक अवसर माना जाता है। लंबे इंतजार के बावजूद श्रद्धालुओं की रुचि इस परंपरा के प्रति उनके विश्वास को दर्शाती है।

22 साल बाद मिला श्यामा बाई वर्मा को अवसरः-

इस परंपरा से जुड़ी एक खास कहानी सेवानिवृत्त शिक्षिका श्यामा बाई वर्मा की भी है। उन्हें 22 साल बाद माता की प्रतिमा स्थापित करने का अवसर मिला है। लंबे इंतजार के बाद मिले इस मौके को वे अपने लिए विशेष सौभाग्य मानती हैं। उनके लिए यह अवसर केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि वर्षों से जुड़ी आस्था और संकल्प की पूर्ति से भी जुड़ा है। उनका अनुभव इस परंपरा से जुड़े श्रद्धालुओं की भावनाओं को समझने का अवसर देता है।

समिति संभालती है व्यवस्थाः -माता की प्रतिमा स्थापना की बुकिंग और उससे संबंधित व्यवस्था समिति के माध्यम से संचालित होती है। समिति के अनुसार, वर्ष 2056 तक बुकिंग हो चुकी है और नई बुकिंग बंद कर दी गई है। काली माता के पंडा रमेश शर्मा और कोषाध्यक्ष पंकज शर्मा बताते हैं कि 2056 के बाद बुकिंग अभी नहीं ली जा रही है।

127 वर्षों से विराजमान...

माता के प्रति भक्तों की अटूट आस्था का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रतिमा स्थापना के लिए वर्ष 2045 तक बुकिंग हो चुकी है। इसके बाद समिति ने अपने निर्णय के अनुसार बुकिंग बंद कर दी है। अब माता के भव्य स्वरूप को और आकर्षक बनाने के लिए करीब दो किलो सोने का मुकुट तैयार कराने की तैयारी की जा रही है।

2045 तक बुकिंग, आगे के लिए बंद- गढ़ा फाटक की महाकाली माता की प्रतिमा स्थापना को लेकर श्रद्धालुओं और आयोजकों में विशेष उत्साह रहता है। समिति के अनुसार, प्रतिमा स्थापना के लिए वर्ष 2045 तक बुकिंग हो चुकी है। इसके बाद की बुकिंग बंद करने का निर्णय लिया गया है। **महारानी के लिए बनेगा दो किलो सोने का मुकुट-** माता के प्रति श्रद्धा को भव्य स्वरूप देने के लिए अब करीब दो किलो सोने का मुकुट तैयार कराने की योजना है। मुकुट तैयार होने के बाद माता का शृंगार और आकर्षक होगा। नवरात्रि में माता के दर्शन के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के बीच यह विशेष आकर्षण का केंद्र बन सकता है। गढ़ा फाटक की महाकाली माता का आयोजन धार्मिक आस्था, सामूहिक सहभागिता और जबलपुर की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक बना हुआ है।

कोलकाता के दुर्गा...

पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह चोरबागान पूजा पंडाल में भगदड़ जैसी स्थिति की खबर से बेहद स्तब्ध हैं। उन्होंने कहा, चोरबागान पूजा पंडाल में भगदड़ की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख और सदमा पहुंचा है। मैं मां दुर्गा से प्रार्थना करती हूं कि सभी घायल लोग जल्द स्वस्थ हो जाएं और इस कठिन समय में उनके परिवारों को शक्ति और साहस मिले। **तेज बारिश के बीच बिगड़े हालात-** घटना के समय बाहर तेज बारिश हो रही थी। बारिश के बीच पंडाल में लोगों की भीड़ बढ़ गई। इससे वहां अफरा-तफरी मच गई। चोरबागान सर्वजनीन दुर्गा पूजा पंडाल में मची भगदड़ जैसी स्थिति पर एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि इस पूजा के 91 वर्षों के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। यह पहली बार है जब ऐसी घटना घटी है। अचानक बारिश शुरू हो गई, और बारिश की वजह से कुछ लोग फिसलकर गिर गए, जिससे वहां भीड़ में अफरा-तफरी मच गई।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया (छ.ग.)

Phone No. 07836-232224 Email ID- nppbkp@gmail.com

क्र. / 3099/ न.पा.परि. / लो.नि. / 2026 बैकुण्ठपुर, दिनांक 16/10/2026

-:: मैनुअल पद्धति निविदा सूचना ::-

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत के ठेकेदारों/फर्म से नगर पालिका परिषद बैकुण्ठपुर में विभिन्न निर्माण कार्य करने हेतु प्रथम एवं चतुर्थ निविदा का प्रकाशन किया गया है। उक्त निविदा रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से जमा किये जाने हेतु प्रथम निविदा की अंतिम तिथि 06.11.2026 एवं चतुर्थ निविदा की अंतिम तिथि 27.10.2026 को सायं 3:00 बजे एवं प्राप्त प्रथम निविदा खोलने हेतु दिनांक 07.11.2026 एवं चतुर्थ निविदा खोलने हेतु दिनांक 27.10.2026 सायं 4:00 बजे है। एवं उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधी में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। एवं विस्तृत जानकारी हेतु विभागीय वेवसाईट www.uad.cg.gov.in का अवलोकन करें।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् बैकुण्ठपुर
जिला कोरिया (छ.ग.)

- : स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत निर्माण में योगदान दें । :-

कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला - दुर्ग (छ.ग.)

।। चतुर्थ ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना ।।

क्रं. / 1471 / लो.क.वि. / न.पा. / 2026 कुम्हारी, दिनांक 16/10/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनु.ला. (लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
202111	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Kumhari, Chhattisgarh	112.45	28.10.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, कुम्हारी

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• सर्भी प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज – अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | **डॉ राका शिवहरे** MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756



epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email- hbclassified375@gmail.com

Classified

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- एस. एस. पब्लिक स्कूल बैमा नगोई बिलासपुर CBSE एफिलिएटेड अंग्रेजी माध्यम स्कूल में वाइस प्रीसिपल चाहिए, एवं 6वीं से 10वीं में इंग्लिश, SST टीचर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7697425610 **(42127)**

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए सेल्समैन लड़का एवं सेल्स गर्ल लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अमित श्रेड गोल बाजार बिलासपुर 9111151750 **(42128)**

आवश्यकता है- अनुभवी इंडियन/ चाइनीज/ तन्दूर शैफ डिलिवरी ब्वॉय एवं होटल में किचन तथा काउंटर संभालने हेतु लड़कियों की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- करबला रोड बिलासपुर 9329233000, 7869586011 **(42130)**

आवश्यकता है- होटल में कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़के की आवश्यकता है। वेतन 12000 से 25000 समय 8 am to 8 pm तक सम्पर्क करें- होटल रॉयल रामा पुराना बस स्टैण्ड टेलीफोन एक्सचेंज रोड बिलासपुर 9893392495 **(42129)**

आवश्यकता है- सलवार सूट ब्लाउज सिलाई करने वाले महिला एवं पुरूष की जरूरत है विशेष दो महिने में पूर्ण रूप से सिलाई सिखाई जाती है। संपर्क करें अम्बा सुपर मार्केट उस्लापुर बिलासपुर 62656 15968 **(42121)**

आवश्यकता है- बिलासपुर में साउंड सिस्टम शोरूम मे कार्य करने के लिए मेहनती, ईमानदार, जिम्मेदार स्टोर मैनेजर एवं लड़कों की तत्काल आवश्यकता है। उच्चतम वेतन योग्यता अनुसार इंसेंटिव, बोनस। सम्पर्क करें- 9685005500 **(42106)**

आवश्यकता है- टेलीकॉलर (युवती), अनुभवी, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (युवक) चाहिए वेतन+ इंसेंटिव योग्यता अनुसार सोलर इंडस्ट्रीज में काम किए हुए को प्राथमिकता सम्पर्क करें-AVS Enterprises सोलर कम्पनी सीएमडी चौक, बिलासपुर 7000410007, 7869786986 **(42126)**

आवश्यकता है- विहान फर्नीचर में कार्य हेतु अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर/ सेल्सगर्ल/ सेल्सबॉय एवं फिटर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- विहान फर्नीचर, भारती नगर चौक, आस्था पेट्रोल पम्प के सामने, बिलासपुर 79999 99517, 9993243600 **(42122)**

आवश्यकता है- नारायण प्लाजा लिंक रोड में साफ सफाई कार्य करने के लिए लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें - 8827357825 **(42124)**

आवश्यकता है- वृंदावन परिसर बिलासपुर में कॉस्मेटिक ज्वेलरी दुकान में काम करने हेतु स्टाफ की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- महामाया कॉस्मेटिक एंड ज्वेलरी बिलासपुर 91116 11116 **(42123)**

आवश्यकता है- फुटवियर शॉप एवं कॉस्मेटिक इम्मिटीज ज्वेलरी शॉप में काम करने हेतु अनुभवी, मैनेजर सेल्समैन, सेल्सगर्ल चाहिए बॉयोडाटा सहित समपर्क करें- चरणस्पर्श शूमॉल रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने बिलासपुर 93003 00333, 07752-407333 **(42117)**

आवश्यकता है- फर्नीचर शो रूम में काम करने के लिए सेल्समैन, वर्कर, चौकीदार कारपेन्टर (बढ़ई) की अतिशीघ्र आवश्यकता है तत्काल सम्पर्क क रें - 9 3 0 0 6 1 2 3 4 5 **(42125)**

आवश्यकता है- इलेक्ट्रिकल होलसेल शॉप (बिजली दुकान) में रहकर काम करने हेतु लड़को की आवश्यकता है अनुभवी, एवं फ्रैशर दोनों को प्राथमिकता सम्पर्क करें- श्रीदेवेश इन्टरप्राइजेस पुराना बस स्टैण्ड, बिलासपुर 87709 65033, 9827187037 **(42119)**

आवश्यकता है- फर्नीचर सेल्स मार्केटिंग हेतु मेहनती, जिम्मेदार लड़कों की आवश्यकता है। वेतन 15000 से 20000 प्रतिमाह अतिरिक्त आकर्षक कमीशन इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- आरके फर्नीटेक जोकीं बिलासपुर 9098909757 **(42110)**

आवश्यकता है- घर में खाना बनाने हेतु महिला की आवश्यकता है सम्पर्क करें- पी.पुरी, मित्र विहार, नारायण प्लाजा के पास, लिंक रोड, बिलासपुर 9340969592, 7828803577 **(42108)**

आवश्यकता है- सीसीटीवी फिटिंग, ऑफिस हेल्पर, सेल्स मार्केटिंग एवं कम्प्यूटर वर्क हेतु लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। इच्छुक सम्पर्क करें- निशानियां मार्केटिंग, जूनी लाइन बिलासपुर 99934 55200, 07752407700 **(42120)**

आवश्यकता है- कपड़ा दुकान में काम करने हेतु स्टाफ की आवश्यकता है (लडके व लडकियां) वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अरिहंत फैशन, जैन मंदिर के पास, सीपत चौक सरकंडा बिलासपुर 9691307110, 9993248836 **(42100)**

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में माल निकालने, जमाने, पैकिंग, डिलिवरी हेतु लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता, वेतन योग्यता अनुसार मिलें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34 मेडिकल काम्पलेक्स तेलीपारा बिलासपुर 7430000011 **(42098)**

आवश्यकता है- मंथली एवं लॉंग टूर में गाड़ी चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवरों और ऑफिस में कार्य हेतु 10वीं, 12वीं पास

फोकिना ने किया बड़ा उलटफेर, विश्व के नंबर 2 ज्वेरेव को हराकर फाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶| शंघाई

शंघाई मास्टर्स के सेमीफाइनल में एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना ने विश्व के नंबर 2 खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर बड़ा उलटफेर किया है। यह स्पेनिश खिलाड़ी के करियर की सबसे बड़ी जीतों में से एक है।

डेविडोविच फोकिना ने अपने करियर में दूसरी बार जर्मन खिलाड़ी ज्वेरेव को हराया। शंघाई के स्टेडियम कोर्ट पर खेले गए इस कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने ज्वेरेव को 5-7, 6-4, 6-3 से मात दी। यह मैच दो घंटे छह मिनट तक चला। विश्व के नंबर 26 रैंकिंग वाले खिलाड़ी डेविडोविच फोकिना पहला सेट हार गए थे, जो काफी कड़ा मुकाबला रहा। इसके बाद उन्होंने अपना खेल बेहतर किया, बेसलाइन पर शानदार प्रदर्शन दिखाया और दूसरे सेट के 10वें गेम में टॉप सीड ज्वेरेव की सर्विस तोड़ दी। उन्होंने 46 मिनट में दूसरा सेट अपने नाम कर लिया।



ज्वेरेव ने किया डबल फॉल्ट

फोकिना ने ज्वेरेव को 2 घंटे 6 मिनट में दी मात



तीसरे सेट की शुरुआत में ज्वेरेव ने डबल फॉल्ट किया, जिससे डेविडोविच फोकिना को बड़ा फायदा मिला। इस मौके का फायदा उठाते हुए उन्होंने अपनी लय बनाए रखी और पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने संयम बनाए रखते हुए अपनी सर्विस पर तीसरा सेट जीता और अपने करियर के दूसरे एटीपी मास्टर्स 1000 के फाइनल में जगह बनाई।

फोकिना ने बचाए रखी अपनी सर्विस

तीसरे सेट में जब स्कोर 5-2 था और ज्वेरेव सर्विस कर रहे थे, तब डेविडोविच फोकिना के पास दो मैच प्वाइंट थे, लेकिन वे उन्हें भुना नहीं पाए। जर्मन खिलाड़ी ने हार नहीं मानी और एक और गेम के लिए संघर्ष किया। हालांकि, यह संघर्ष ज्यादा देर तक नहीं चला, क्योंकि डेविडोविच फोकिना ने अपनी सर्विस बचाए रखी और सेट के साथ-साथ मैच भी जीत लिया।

मैंने बस खेल का आनंद लिया : डेविडोविच

डेविडोविच फोकिना ने कहा, नतीजा क्या होगा, इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं बस हर एक गेंद पर ध्यान दे रहा था। मुझे पता था कि अगर मैं पूरे मैच में डटा रहा, तो मुझे कम से कम एक मौका जरूर मिलेगा, और मुझे वह मौका दूसरे सेट में मिला। फिर तीसरे सेट में मुझे लगता है कि मैं शारीरिक रूप से बेहतर था। तीसरे सेट की शुरुआत में मिली ब्रेक (सर्विस तोड़ना) से मुझे काफी ताकत मिली।

हांगकांग सिक्सेस के कप्तान बने कृणाल



हांगकांग। तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को न्यूजीलैंड दौरे के लिए राष्ट्रीय टीम में वापस बुलाए जाने के भारतीय हरफनमौला कृणाल पंड्या को हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट के लिए सात सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया टूर्नामेंट के लिए टीम में भुवनेश्वर की जगह लेंगे। हांगकांग सिक्सेस का आयोजन 30 अक्टूबर से एक नवंबर तक होगा। कृणाल पहले से ही टीम का हिस्सा थे। भारतीय टीम के अन्य सदस्यों में शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नीतीश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन शामिल हैं।



महिला टी-20 : भारत और जिम्बाब्वे के बीच मैच शाम 7 बजे से

जिम्बाब्वे के खिलाफ लय तलाशने उतरेगा भारतीय शीर्ष क्रम, दूसरा मुकाबला आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पहले मैच में असफल रहे भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रविवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अधिक आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी करने की कोशिश करेंगे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की नाकामी के कारण भारतीय टीम पहले मैच में एक समय संकट में दिख रही थी। भारतीय बल्लेबाजों ने जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण को सहजता से लिया, जिससे वह संकट में पड़ गए। जिम्बाब्वे की तरफ से ऑफ स्पिनर न्याशा ग्वांजुरा ने पावरप्ले में तीन विकेट लिए। भारत के चोटी के बल्लेबाज अब दूसरे मैच में इसकी भरपाई करने की कोशिश करेंगे।



हम आक्रामक खेल खेलना चाहते हैं : दीप्ति

दीप्ति में एक बार फिर से दिखाया कि वह भारत के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। इस ऑलराउंडर ने कहा कि कुछ ऐसे मौके भी आएंगे जब विपक्षी टीम हावी रहेगी। दीप्ति ने कहा, 'निश्चित रूप से हम आक्रामक खेल खेलना चाहते हैं और यही बात हमारे दिमाग में थी।' उन्होंने कहा, 'मैच में कभी-कभी ऐसा होता है। आप जो चाहते हैं भगवान हमेशा आपको वही नहीं देता है। लेकिन हम हमेशा सीखते हैं। मुझे यकीन है कि आज जो हुआ वह अगले मैच में नहीं होगा।' दीप्ति ने कहा, 'निक्की ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। ऐसा लग ही नहीं रहा था कि वह अपना पहला मैच खेल रही है। एक युवा खिलाड़ी का यह आत्मविश्वास सराहनीय है।

भारत-वेस्टइंडीज 5वां मैच रद्द, 2-2 से सीरीज बराबर

बेंगलुरु। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांचवां और निर्णायक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला शनिवार को बारिश के कारण रद्द हो गया, जिससे 5 मैचों की शृंखला 2-2 से बराबर रही। बारिश के कारण मुकाबला 2 घंटे 15 मिनट की देरी से शुरू हुआ और इसे 9-नौ ओवर का कर दिया गया। भारतीय पारी के दौरान आठवें ओवर में एक बार फिर बारिश ने खेल रोक दिया। इसके बाद कुछ देर की इंतजार के बाद अंपायरों ने मुकाबला रद्द करने का फैसला किया।

मैच रद्द होने से पहले ईशान किशन और नमन धीर ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए भारत को 7.4 ओवर में 5 विकेट पर 118 रन के मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया था। किशन ने महज 10 गेंदों में 30 रन ठोके, जबकि धीर ने सिर्फ 6 गेंदों में नाबाद 24 रन बनाए। लगातार बारिश के कारण मुकाबला रात 9.15 बजे शुरू हो सका। शाम करीब 4 बजे शुरू हुई बारिश के चलते मैच में काफी देरी हुई और इसे रात 10.03 बजे बारिश ने फिर खेल रोक दिया। इसके बाद वेस्टइंडीज को पांच ओवर में लक्ष्य का पीछा करने का मौका देने के लिए रात 10.21 बजे तक का कटऑफ समय तय किया गया था, लेकिन बारिश नहीं थमी और रात 10.18 बजे ही मुकाबला रद्द घोषित कर दिया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निविदा सूचना
(1) निविदा सूचना संख्या ई-आर-टी- 104-26-27 दिनांक: 13.10.26 कार्य का नाम: ए.डी.ई.एन./ I/ मिलाई के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत मांढर और कुम्हारी में आर. जी. एम. साइडिंग का निर्माण का कार्य। निविदा मूल्य: ₹6,27,88,249/- ईएमडी: ₹12,55,800/- निविदा प्रस्तुत करना 11.00 बजे तक दिनांक 10.11.2026. निविदा खोलना: 11.00 बजे दिनांक 10.11.2026. विस्तृत विवरण/ निविदा दस्तावेज की खरीद, पात्रता मानदंड एवं उपरोक्त कार्य के पूर्ण विवरण हेतु कृपया वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, समन्वय/ एसईसीआर रायपुर के कार्यालय से संपर्क करें अथवा हमारे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध निविदा दस्तावेजों का अवलोकन/ डाउनलोड करें।
वरि. मंडल अभियंता-I द.पू.म.रेलवे/ रायपुर
PR/R/ENGG/D360/242
South East Central Railway @secrail

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY KHARAGPUR
विज्ञापन संख्या : R/14/2026 दिनांक 14 सितंबर 2026
संस्थान निम्नलिखित पदों के लिए भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है।
(i) पेशेवर प्रशिक्षु (केंद्रीय पुस्तकालय) - 08 पद
शैक्षिक योग्यता, आयु एवं अद्यतन जानकारी के लिए http://www.iitkgp.ac.in/non-teaching-positions पर जाएं।
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 31-10-2026
कुलसचिव / Registrar Cbc 21255/11/0013/2627

रणजी ट्रॉफी का दूसरा दौर आज से कप्तान गिल पर होगी निगाहें

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

वनडे कप्तान शुभमन गिल की पंजाब की तरफ से रणजी ट्रॉफी में वापसी रविवार से देशभर में शुरू होने वाले इस घरेलू प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट के दूसरे दौर का मुख्य आकर्षण होगी। गिल पंजाब के पहले दौर के मैच में नहीं खेल पाए थे। उनकी अनुपस्थिति में भारत की अंडर19 टीम के पूर्व कप्तान उदय सहारन ने टीम की कप्तानी की। इस मैच में पंजाब ने असम के खिलाफ पहली पारी में बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किए थे।

सत्र के दूसरे दौर में पंजाब का सामना छत्तीसगढ़ से होगा। गिल का हाल में प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 334 रन बनाए। गिल ने दूसरे वनडे में 133 गेंदों पर नाबाद 223 रन बनाए और इस प्रारूप में सबसे तेज दोहरा शतक का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। ग्रुप बी के एक अन्य मुकाबले में कर्नाटक ऑलराउंडर श्रेयस गोपाल के नेतृत्व में अलूर में सौराष्ट्र का सामना करेगा। इस मैच में उसे बल्लेबाज रविचंद्रन स्मरण की कमी खलेगी, जिन्हें न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया है।

ग्रुप बी में शीर्ष पर काबिज हैदराबाद की टीम आंध्र के खिलाफ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेगी। उसने पहले मैच में त्रिपुरा को पारी और 40 रन से हराकर बोनस अंक हासिल किया था। ग्रुप डी में मुंबई की टीम हिमाचल प्रदेश के खिलाफ उपकप्तान और सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे के बिना खेलेगी, जो चोटिल हैं। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी इस मैच में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि वह न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत ए टीम का हिस्सा हैं।





हंगरी की महिला ने 350 फीट गहरा गोता लगाकर बनाया विश्व रिकॉर्ड

हंगरी। हंगरी कीमहिला जसोफिए टोरोसिक ने एडवेंचर स्पोर्ट के जरिए अपना नाम गिनीज बुक में दर्ज करवा लिया है। उन्होंने पानी में 350 फुट (108 मीटर) गोता लगाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। लगातार दूसरी बार विश्व चैंपियन बनीं हैं।

व्हीलचेयर के सहारे महिला ने पूरी की मैराथन, तोड़ा अपना ही पिछला विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। जो लोग व्हीलचेयर के सहारे होते हैं, वे शायद ही अपने रोजमर्रा के बड़े काम खुद कर पाते हैं। हालांकि, कुछ लोगों का जज्बा ऐसा होता है कि वे व्हीलचेयर को अपने लक्ष्य के रास्ते में बाधा नहीं बनने देते, बल्कि उसके साथ ही कमाल कर दिखाते हैं। ऐसा ही कुछ कैथरीन डेबर्नर ने कर दिखाया। उन्होंने सबको तब चौका दिया, जब उन्होंने 'बैंक ऑफ अमेरिका शिकागो मैराथन' में अपना ही पिछला विश्व रिकॉर्ड तोड़ा और फिर शीर्ष पर आईं।

लगातार 2 बार बनीं विश्व चैंपियन

स्विट्जरलैंड की कैथरीन एक व्हीलचेयर रेसर हैं, जिन्होनें 2024 के बाद एक बार फिर 2026 में जीत हासिल की है। उन्होंने रेस को एक घंटे, 33 मिनट और 16 सेकंड में पूरा किया और महिलाओं की व्हीलचेयर रेस का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। कैथरीन ने इससे पहले 2023 में बर्लिन मैराथन को एक घंटे, 34 मिनट और 16 सेकंड में पूरा करके विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। अब रविवार को उन्होंने एक मिनट से अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ा है।



चुनौतियों के बाद भी नहीं मानी हार

शुरुआत से ही कैथरीन सपाट रेस ट्रैक पर तेजी से आगे बढ़ रही थीं। यह रास्ता तेज तो था, लेकिन इसमें कई मोड़ और घुमाव भी थे। इनकी वजह से तेज रफ्तार में व्हीलचेयर रेसिंग करना मुश्किल हो जाता है। हालांकि, कैथरीन इससे घबराई नहीं और ट्रैक पर जबरदस्त रफ्तार से दौड़ते हुए पहला स्थान हासिल कर दिखाया। अब कैथरीन 12 बड़ी मैराथन जीत चुकी हैं, जिससे साबित होता है कि उनमें कितना जज्बा है।

पुरुषों की श्रेणी में भी बना नया विश्व रिकॉर्ड

कैथरीन के साथ-साथ मार्सेल ह्यूग ने भी पुरुषों की श्रेणी में अपना पिछला विश्व रिकॉर्ड तोड़ा है। उन्होंने रेस को एक घंटे, 21 मिनट और 34 सेकंड में पूरा किया। इससे पहले उन्होंने साल 2021 में जापान में विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जब उन्होंने रेस को एक घंटे, 17 मिनट और 47 सेकंड में पूरा किया था। मार्सेल लगातार 5 साल शिकागो मैराथन के विजेता रहे हैं और अब उन्होंने इस कोर्स पर अपनी कुल 7वीं जीत हासिल की है।

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
राइनोप्लास्टी

नाक को सही (रिशेपिंग) करना
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

नाजियों ने लूटी थी जो यहूदी पेंटिंग, 398 करोड़ में हुई उसकी नीलामी

नई दिल्ली। एम्स्टर्डम में एक यहूदी परिवार से लूटी गई वासिली कैंडिंस्की की एक पेंटिंग लंदन के 'क्रिस्टीज' में 398 करोड़ रुपये की कीमत पर बिकी है। इस पेंटिंग का नाम 'दास बंटे लेबेन (यानि रंगीन जीवन)' है, जिसे 1907 में पेरिस में रूप दिया गया था। यह पेंटिंग न केवल एक खूबसूरत रचना के रूप में देखी जा रही है, बल्कि इसे ऐतिहासिक कलाकृति के रूप में भी देखा जा रहा है।इस पेंटिंग को सबसे पहले इमैनुएल और हेडविग लेवेनस्टीन ने 1927 में खरीदा था, जिन्हें कलाकृतियां जमा करने का शौक था। जर्मन कब्जा शुरू होने के कुछ ही समय बाद इसकी नीलामी हुई और इसे यहूदी संग्रहकर्ता सैल स्लिपर ने खरीद लिया। बाद में उनके परिवार ने इसे बेयरिश लैंडसबैंक को बेच दिया, जिसने इसे म्यूनिख के लेनबाकहाउस संग्रहालय को स्थायी रूप से उधार दे दिया। यह पेंटिंग दशकों से वहीं सजी हुई थी। शोधकर्ताओं ने पाया कि 1940 में एक अज्ञात व्यक्ति के कहने पर संग्रहालय के एक कर्मचारी ने कूरियर के जरिए इस कलाकृति को एक नीलामीघर तक पहुंचाया था।

चलने-फिरने की आज़ादी फिर से पाएँ, अत्याधुनिक जॉइंट रिप्लेसमेंट से

(NABH से मान्यता प्राप्त) सुयश हॉस्पिटल
24 Hours Helpline 9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड, रायपुर
Ajay 9827144371

ओम हॉस्पिटल
डॉ. कमलेश अग्रवाल
एम.बी.बी.एस, एम.एस, एम.सी.एच.
बर्न, प्लास्टिक, कॉस्मेटिक और रिकंसट्रक्टिव सर्जन
प्लॉस्टिक एवं कॉस्मेटिक विभाग
• जलने के बाद की प्लास्टिक सर्जरी (Contractures)
• कटे होंठ एवं तालु का मुफ्त ईलाज
• चेहरे के फ्रैक्चर का ईलाज (Maxillofacial Surgery)
• स्तनों की सर्जरी (Implant)
• Hypospadias, Vaginoplasty, गुप्त स्थानों की सर्जरी
• पैर के घाव का ईलाज
• कान बनाना, नाक बनाना
• Rhinoplasty, Vericose Veins
महादेवघाट रोड, रायपुरा चौक, रायपुर (छ.ग.) 8370008551
खरोरा रोड़,तिल्दा (छ.ग.) 9302734809
सारायपाली (छ.ग.) 8370008558
जगदलपुर (छ.ग.) 8435908123
#Rajesh

इस दशहरा
घर लाएँ अपनी स्कॉर्पियो क्लासिक
पाएं ₹1.05 लाख* तक के फायदे
mahindra Rise
SPORT UTILITY VEHICLES

शुरुआती कीमत ₹13.37 लाख*
*योजना की वैधता 21 अक्टूबर 2026 तक
*T&C APPLY. EX-SHOWROOM PRICE.
SCORPIO CLASSIC
AUTO CENTRE: BILASPUR, CITY SHOWROOM, MUNGELI, PENDRA: 7290057243, AUTO CENTRE: KORBA, JANJGIR-CHAMPA: 7290057244, RAIGARH, JASHPUR, PATHALGAON: 9873994503, STAR AUTOMOBILES: AMBIKAPUR, MANENDRAGARH, BALRAMPUR: 8447314062



Ex-showroom price of TVS XL100 Heavy Duty Kick-start variant in Chhattisgarh. Price is subject to change without prior notice. ^ Cash discount offer applicable only on TVS XL100 Heavy Duty i-touchstart variant. T&C apply.
FOR ALL INSTITUTIONAL/BULK REQUIREMENTS PLEASE MAIL corporate.customersupport@tvsmotor.com मुख्य अधिकृत डीलर : बिलासपुर – तिफरा: चंद्रा मोटर्स, मो. 9109119171, सरकंडा: बिलासपुर टीवीएस, मो. 8359061000, चंद्रा मोटर्स, मो. 8962006914, मुंगेली: बिलासपुर टीवीएस, मो. 8357807000, सरगुजा – अंबिकापुर: श्री महामाया ऑटो एजेंसी, मो. 9301307270, श्री राम मोटर्स, मो. 9171804284, रायगढ़: अपराजिता सर्विसेज, मो. 9425251711, प्रासन ऑटोमोटिव एल.एल.पी., मो. 7777828042, जांजगीर–चांपा – चांपा: नंदिका ऑटोव्हील्स प्रा. लि., मो. 9201591180, 9201591181, जांजगीर: अपराजिता सर्विसेज, मो. 7908922535, कोरबा: तुलसी ऑटोमोटिव प्रा. लि., मो. 8109980007, 9425224182, श्रीराम व्हीकल्स एल.एल.पी., मो. 7987237046, सूरजपुर: जय दुर्गा मोटर्स, मो. 9340355399, कोरिया–बैकुंठपुर: अग्रवाल मोटर्स एजेंसी एल.एल.पी., मो. 6268651046, जशपुर – पत्थलगांव: महामाया व्हीकल्स एल.एल.पी., मो. 9232704121. अधिकृत डीलर : बिलासपुर – तखतपुर: कौशिक ऑटो, मो. 7898677598, उसलापुर: चंद्रा मोटर्स, मो. 8982438075, मस्तूरी: श्री कबीर मोटर्स, मो. 8770386492, रतनपुर: भार्गव मोटर्स, मो. 9098195100, सीपत: प्रियंका मोटर्स, मो. 9143333308, जीपीएम – पेंड्रा: सुमित मोटर्स, मो. 9406007324, गौरेला: मित्तल मोटर्स, मो. 9424153222, रवाही: संजू ऑटोमोबाइल्स, मो. 9424231454, मुंगेली – झारागांव: ओम मोटर्स, मो. 8818877049, जांजगीर चांपा – बाराद्वार: मां शारदा ऑटो एजेंसी, मो. 8871871872, गिधौरी: प्रियदर्शी ऑटोमोबाइल्स, मो. 9770096600, अकलतरा: भवानी ऑटोमोबाइल्स, मो. 9425230512, राहौद: नंदिका ऑटोव्हील्स, मो. 9201591188, चंद्रपुर: गणपति मोटर्स, मो. 7225851900, जैजैपुर: सिद्धार्थ मोटर्स, मो. 8462045291, खोखरा: राजेंद्र एजेंसी, मो. 9131198070, बलौदा: महामाया ऑटोमोबाइल्स, मो. 9285486988, शिवरीनारायण: मिलिंद टीवीएस, मो. 9993726999, शक्ति: अक्सा टीवीएस, मो. 9303818683, पामगढ़: आर. के. मोटर्स, मो. 9522544401, कोरबा – एनटीपीसी (कोरबा): श्री राम टीवीएस, मो. 7987237046, कटघोरा: रुचि ऑटो, मो. 9893329726, हरदी बाजार: दुर्गेश एजेंसी, मो. 9977562537, पाली: जीत एजेंसी, मो. 9691548018, गेवरा: श्री ऑटोमोबाइल, मो. 9407900920, रायगढ – लैलूंगा: श्री श्याम सेल्स, मो. 9424188181, धरमजयगढ़: अर्जुन ऑटोमोबाइल्स, मो. 7415553407, सारंगढ़: श्री राम ऑटोमोबाइल्स, मो. 9302924696, खरसिया: वंश ऑटो एजेंसी, मो. 9179814142, सरसीवा: गणपति ऑटो सर्विसेज, मो. 7974795100, पुसौर: किंजल ऑटो, मो. 8601186028, बलरामपुर – कुसमी: सांई ऑटो, मो. 9691065198, राजपुर: मंगलम मोटर्स, मो. 7999592521, बलरामपुर: अभ्यास ऑटोमोबाइल्स, मो. 9977880870, वाड्रफनगर: सुभाष मोटर्स, मो. 7509919525, रामानुजगंज: गणपति ऑटोमोबाइल्स, मो. 8878214520, डिंडो: अंसारी मोटर्स, मो. 7697146786, सरगुजा – सीतापुर: शंकर ऑटोमोबाइल्स, मो. 8889272331, बतौली: जे.के. ऑटोमोबाइल्स, मो. 8839756338, लटोरी: जय बालाजी ऑटोमोबाइल्स, मो. 9575401953, लखनपुर: श्रीराम मोटर्स, मो. 9399743838, जशपुर – तपकरा: सोनू ऑटोमोबाइल्स, मो. 9755248064, कुनकुरी: दीपक मोटर्स, मो. 8839304665, जशपुर नगर: शिव शक्ति ऑटो, मो. 9302737741, कांसाबेल: अंजना मोटर्स, मो. 7024312738, कोरिया – पटना: अनन्या ऑटो एजेंसी, मो. 7898880005, मनेंद्रगढ़: श्री राम सेल्स, मो. 9406462666, सूरजपुर – बिश्रामपुर: गोपाल कृष्ण मोटर्स, मो. 7566290727, प्रेमनगर: राजेंद्र ऑटोमोबाइल्स, मो. 9039291161, श्रीनगर: सुमित ऑटो, मो. 9977208751, प्रतापपुर: टाइटन ऑटोमोबाइल्स, मो. 9753373609, जरही: माँ महामाया ऑटो, मो. 9893422986.
Benefits up to ₹5500** ** T&C apply as per Flipkart.
dentsu/hb bhi/08/26

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com